YouTube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

वर्ष-14 | अंक-302 | शनिवार, 06 दिसम्बर 2025 | नगर संस्करण | लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित | मूल्य- ₹ 3.00 | पृष्ठ-12

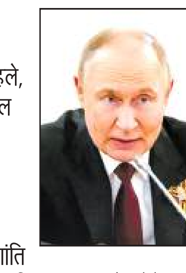

'प्रिय प्रधानमंत्री, प्रिय दोस्तों, सबसे पहले, निमंत्रण और कल की बहुत अच्छी शाम के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। यूक्रेन मुद्दे पर शांति के प्रति रूस की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए श्री पुतिन ने विश्वास व्यक्त किया कि भारत में चल रहे इस कामकाजी दिन से सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। व्लादिमीर पुतिन

'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक-2025' लोकसभा में पारित 11

बिहार विधानसभा में द्वितीय अनुपूरक बजट पारित, शीतकालीन सत्र का समापन 11

संक्षेप

स्कूल में परीक्षा दे रहे कक्षा छह के छात्र को पड़ा हार्ट अटैक, सीट पर गिरते ही मौत

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ के प्रतिष्ठित विद्यालय माउंट फोर्ट इंटर कॉलेज में कक्षा छह के छात्र आरव की मौत हो गई। शुक्रवार को परीक्षा देने के दौरान छात्र आरव की तबियत बिगड़ी और छात्र अचेत अवस्था में अपनी सीट पर ही गिर पड़ा। जिसके बाद क्लास में हड़कंप मच गया और शिक्षक छात्र को लेकर विद्यालय के मेडिकल रूम में पहुंचे। जहां छात्र को काफी देर तक सीपीआर दिया गया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इसके बाद को पास ही से स्थित बीआरडी सिविल अस्पताल ले गए और अभिभावकों को भी सूचना दी। अस्पताल में चिकित्सकों ने छात्र को मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों ने छात्र को ब्राड डेढ़ बताया। छात्र को अपराह्न 11: 05 मिनट पर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां जांच के बाद अपराह्न 11: 29 मिनट पर मृत घोषित किया गया। छात्र विकास नगर का निवासी है।

दारूल उलूम की प्रबंध समिति के सदस्य समेत दो के खिलाफ शत्रु संपत्ति हड़पने की रिपोर्ट

सहारनपुर। देवबंद से 1989 में पाकिस्तान गई एक महिला सालिहा खातून का 200 गज जमीन पर बना मकान उन्हीं के रिश्तेदारों ने फर्जी कागजात तैयार कर हड़प लिया। इस मामले में देवबंद कोतवाली में एक मुकदमा सैय्यद आरिफ हुसैन पुत्र सैय्यद अकिल हुसैन निवासी मोहल्ला किला ने दर्ज कराई है। पुलिस निरीक्षक अमरपाल शर्मा ने आज बताया कि रिपोर्ट के मुताबिक मोहल्ला किला निवासी सैय्यद अंजर हुसैन और सैय्यद मोहम्मद तैय्यब ने मोहल्ला किला पर स्थित करीब 200 गज में बना मकान कागजों में हेराफ़ेरी करके कब्जा लिया है। इस मामले की जांच वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक आदेश कुमार को सौंपी गई है। आरोपी सैय्यद अंजर हुसैन देवबंद स्थित एक बड़े इस्लामिक मदरसे असगरिया मदरसा के प्रमुख हैं और साथ ही वह दारूल उलूम देवबंद प्रबंध समिति के सदस्य भी हैं। इस मामले की शिकायत बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी ने एसएसपी आशीष तिवारी से की थी। एसएसपी ने इस प्रकरण की जांच कराकर देवबंद पुलिस को एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

एकाधिकार नीति का नतीज़ा है देश मे हवाई सेवा का संकट : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने देश के विभिन्न हिस्सों से उड़ानों के रद्द होने तथा देरी के कारण हवाई यात्रियों की परेशानी और इंडिगो एयरलाइंस की विफलता को सरकार की एकाधिकार नीति का परिणाम बताया है। उन्होंने कहा कि इस संकट के बुनियाद सरकार की एकाधिकार की नीति में है और सरकार की इस नीति को अपनाने ने के कारण ही इंडिगो के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

विस्तारित आर्थिक गठजोड़

भारत-रूस के बीच संबंधों को नयी ऊंचाई पर ले जाने का संकल्प

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारत और रूस ने द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के सभी पहलुओं पर चर्चा करते हुए आर्थिक संबंधों को नयी ऊंचाई पर ले जाने का संकल्प लिया है और 2030 तक के लिए आर्थिक सहयोग का विस्तृत कार्यक्रम तय किया है।

दोनों देशों ने श्रम, स्वास्थ्य सेवा एवं स्वास्थ्य शिक्षा, संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के साथ नये ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये हैं। रूस ने भारत को उर्जा क्षेत्र में सहयोग करने और तेल आपूर्ति में निरंतरता बनाये रखने की प्रतिबद्धता दोहरायी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को यहां 23वीं भारत-रूस वार्षिक शिखर बैठक के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में अपने वक्तव्य में दोनों देशों की दोस्ती की तुलना -ध्रुव तारे से की और कहा कि यह दोस्ती मजबूत भरोसे की बुनियाद पर खड़ी है और समय की कसौटी पर खरी उतरी है। श्री मोदी ने कहा कि भारत और रूस के बीच पांच वर्ष के आर्थिक सहयोग कार्यक्रम से दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश में विविधता आयेगी और सहयोग के नये अवसर खुलेंगे।

श्री पुतिन ने कहा कि भारत और रूस के बीच सालाना व्यापार इस समय 64 अरब डालर के बराबर है जिसे 2030 तक 100 अरब डालर तक पहुचांने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि शिखर बैठक के दौरान प्रतिनिधि स्तर की वार्ताओं के बाद जो विस्तृत दस्तावेज तैयार हुआ है उससे आर्थिक , व्यापारिक, प्रौद्योगिकी और

- भारत को तेल आपूर्ति, ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग जारी रहेगा : पुतिन
- रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन का निशुल्क ई पर्यटन वीजा और 30 का ग्रुप पर्यटन वीजा की शुरुआत की जाएगी
- भारत रूस में 2030 तक के लिए आर्थिक सहयोग पर रणनीति बनायी
- भारत और रूस के बीच श्रमिकों की आवाजाही के बारे में हुआ समझौता
- भारत-रूस कृषि सहयोग को बढ़ाने पर सहमत; आलू, अनार के निर्यात का मसला सुलझा

सांस्कृतिक क्षेत्र में सहयोग को नये आयाम मिलेंगे। उन्होंने कहा कि भारत और रूस आपसी व्यापार एवं भुगतान के लिए धीरे-धीरे अपनी मुद्राओं के इस्तेमाल की दिशा में बढ़ रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भुगतान की चुनौतियों को देखते हुए भारत और रूस के बीच बैंकिंग प्रणाली के इस्तेमाल की एक विशेष व्यवस्था की जा रही है। रूस पर पश्चिमी देशों की प्रतिबंधों को देखते हुए रूसी राष्ट्रपति का यह बयान महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि रूस ऊर्जा का एक बड़ा स्रोत है और वह भारत को तेल की आपूर्ति निरंतर जारी रखने को तैयार है। उन्होंने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे सहयोग का उल्लेख किया और कहा कि रूस भारत के साथ छोटे माड्यूलर परमाणु रिएक्टर और तैरते परमाणु संयंत्रों के क्षेत्र में भी सहयोग कर सकता है। श्री पुतिन ने कहा कि उनका देश भारत के साथ सैन्य साजो सामान के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाना चाहता है। प्रधानमंत्री और श्री पुतिन के बीच युक्रेन सहित क्षेत्री और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर भी चर्चा हुई। श्री मोदी ने पहलगाम और क्रोकस सिटी में हाल में हुए आतंकवादी हमलों का उल्लेख करते हुए आतंकवाद को मानवता के मूल्यों पर सीधा प्रहार बताया । उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ वैश्विक एकता ही सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री ने कहा , ' पिछले आठ दशकों में विश्व में अनेक उतार चढ़ाव आए हैं और मानवता को अनेक चुनौतियों और संकटों से गुज़रना पड़ा है। इन सबके बीच भी भारत-रूस मित्रता एक ध्रुव तारे की तरह बनी रही है।'' उन्होंने कहा कि परस्पर सम्मान और गहरे विश्वास पर टिके ये संबंध समय की हर कसौटी पर हमेशा खरे उतरे हैं। श्री मोदी ने कहा , '' आज हमने इस नींव को और मजबूत करने के लिए सहयोग के सभी पहलुओं पर चर्चा की। आर्थिक सहयोग को नई ऊँचाइयों पर ले जाना हमारी साझा प्राथमिकता है। इसे साकार करने के लिए आज हमने 2030 तक के लिए एक सहयोग कार्यक्रम प्रोग्राम पर सहमति बनाई है। इससे हमारा व्यापार और निवेश विविधतापूर्ण, संतुलित और स्वस्थ बनेगा, और सहयोग के क्षेत्रों में नए आयाम भी जुड़ेंगे। उन्होंने भारत रूस व्यावसायिक फोरम में श्री पुतिन के साथ शामिल होने के कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए विश्वास जताया कि यह मंच दोनों देशों के बीच व्यावसायिक संबंधों को नई ताकत देगा। इससे निर्यात , मिल कर उत्पादन और नवाचार के नए ● शेष पेज 11 पर

रिजर्व बैंक ने रेपो दर 0.25 प्रतिशत घटाई

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कैलेंडर वर्ष 2025 में चौथी बार रेपो दर घटाकर अपना घर और वाहन के लिए ऋण चाहने वालों को नये साल से पहले बेहतरीन तोहफा दिया है।

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की शुक्रवार को समाप्त तीन दिवसीय द्विमासिक बैठक में सभी छह सदस्यों ने सर्वसम्मति से रेपो दर में तत्काल प्रभाव से 0.25 प्रतिशत की कटौती कर इसे 5.25 प्रतिशत करने का फैसला किया। साथ ही अन्य दरों में भी चौथाई फीसदी की कमी की गयी है। स्टैंडिंग डिपोजिट फैसिलिटी रेट अब पांच प्रतिशत और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी रेट तथा बैंक रेट 5.50 प्रतिशत हो गये हैं।

रेपो दर वह दर होती है जिस पर केंद्रीय बैंक, वाणिज्यिक बैंकों को ऋण देता है।

इससे पहले आरबीआई ने इस साल फरवरी में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत, अप्रैल में 0.25 प्रतिशत और जून में 0.50 प्रतिशत की कटौती की थी। अगस्त और अक्टूबर में रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया गया था। दिसंबर की कटौती के बाद इस साल की गयी कुल कटौती 1.25 प्रतिशत हो गयी है। आरबीआई की घोषणा के बाद शेयर बाजार में उछाल देखा गया और बीएसई का सेंसेक्स करीब 400 अंक उछल गया। केंद्रीय बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एपीसी की बैठक के बाद बताया कि फरवरी से जून के बीच एक प्रतिशत (100 आधार अंक) की कटौती के परिणाम स्वरूप बैंकों ने ऋण पर ब्याज दरों में औसतन 63 आधार अंक की कटौती की है। वहीं, ग्राहकों को जमा पर मिलने वाले ब्याज में औसत कटौती 105 आधार अंकों की रही है। श्री मल्होत्रा ने कहा कि उपभोक्ता मूल्य आधारित खुदरा मुद्रास्फीति की दर साल 2012 के बाद के निचले स्तर पर है। केंद्रीय बैंक को मुद्रास्फीति, दो से छह प्रतिशत के ● शेष पेज 11 पर

आरबीआई 11 और 18 को खरीदेगा सरकारी प्रतिभूतियां

मुंबई। बैंकिंग तंत्र में तरलता यानी नकदी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) 11 और 18 दिसंबर को दो बार में एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां खरीदेगा। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा में मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के बाद जारी बयान में इसकी घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि इसके अलावा केंद्रीय बैंक डॉलर/रुपया खरीद/बिक्री स्वैप के तहत वाणिज्यिक बैंकों से तीन साल के लिए पांच अरब डॉलर खरीदेगा। केंद्रीय बैंक ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह 11 दिसंबर को 50,000 करोड़ रुपये और 18 दिसंबर को 50,000 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूति खरीदेगा। उसने बताया कि डॉलर/रुपया स्वैप 16 दिसंबर को किया जायेगा।

मंदिर का पैसा अराध्य का

एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट बोला- इसका इस्तेमाल बैंकों को बचाने के लिए नहीं कर सकते

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए टिप्पणी की कि किसी मंदिर के अराध्य के धन का उपयोग वित्तीय संकटग्रस्त सहकारी बैंकों को सहारा देने के लिए नहीं किया जा सकता।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह कड़ी टिप्पणियां कुछ सहकारी बैंकों द्वारा दायर अपील पर सुनवाई के दौरान कीं। अपील में केरल उच्च न्यायालय के उस निर्देश को चुनौती दी गई थी, जिसमें बैंकों से थिरुनेल्ली मंदिर देवास्वोम को जमा राशि लौटाने को कहा गया था। प्रधान न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान सवाल किया, ''आप मंदिर के धन का उपयोग बैंक को बचाने के लिए करना चाहते हैं? यह निर्देश देने में क्या गलत है कि मंदिर का धन, संकट ग्रस्त सहकारी बैंक में रखने के बजाय एक आर्थिक रूप से सुदृढ़ राष्ट्रीयकृत बैंक में जमा किया जाना चाहिए जो अधिकतम ब्याज दे सके। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि मंदिर का

धन वहां के अराध्य का है और इसलिए, इस धन को ''केवल मंदिर के हितों के लिए ही बचाया, संरक्षित और उपयोग किया जाना चाहिए'' तथा यह किसी सहकारी बैंक के लिए आय या जीवनयापन का स्रोत नहीं बन सकता। मनंतवाडी को-ऑपरेटिव अर्बन सोसाइटी लिमिटेड और थिरुनेल्ली सर्विस को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत में याचिकाएं दायर की थी जिसपर प्रधान न्यायाधीश की पीठ ने सुनवाई की। उच्च न्यायालय ने ● शेष पेज 11 पर

फर्जी पासपोर्ट मामले में अब्दुल्ला आजम दोषी करार, सात साल की सज़ा

रामपुर। रामपुर की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को फर्जी पासपोर्ट मामले में पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम को दोषी करार देते हुये अधिकतम सात साल की सज़ा और 50 हजार रुपए का जुर्माना किया है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अब्दुल्लाह आजम को एमपी एमएलए कोर्ट में पेश किया गया। अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता स्वदेश कुमार शर्मा ने बताया कि क्राइम नंबर 594/ 2019 में न्यायालय ने गिल्टी होल्ड किया है। अब्दुल्ला आजम पर भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 468, 471 में सजा और जुर्माने का प्रावधान किया गया है। 420 में 3 साल और 10000 रुपये जुर्माना, 467 में 7 वर्ष की सजा और 20000 रुपये जुर्माना, 468 में 3 साल की सजा और 10000 रुपये जुर्माना, वहीं 471 में 2 साल की सजा और 10000 रुपये का जुर्माना का प्रावधान किया गया है। जुर्माना अदा नहीं करने पर सजा का समय बढ़ जाएगा। धारा 467 में अब्दुल्ला आजम को 7 साल की सजा और ● शेष पेज 11 पर

इंडिगो मामले की होगी उच्चस्तरीय जांच

सरकार ने दिया तीन दिन में स्थिति सामान्य होने का आश्वासन

एजेंसी

नयी दिल्ली। इंडिगो मामले की केंद्र सरकार ने उच्चस्तरीय जांच कराने का फैसला किया है जिसमें इसके कारणों को जानने और भविष्य में इस तरह की स्थिति को रोकने के उपाय सुझायेगी।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय की शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (एफडीटीएल) से जुड़े आदेश को तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया है। यह फैसला पूरी तरह से यात्रियों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों, छात्रों, मरीजों तथा ऐसे अन्य लोगों को ध्यान में रखकर लिया गया है जो अनिवार्य जरूरतों के कारण हवाई यात्रा कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि डीजीसीए ने शुक्रवार को एफडीटीएल से संबंधित आदेश को आंशिक रूप से वापस ले लिया है। नियामक ने उस हिस्से को वापस लिया है जिसमें पायलट के हर सप्ताह लगातार 48

घंटे के अनिवार्य आराम को साप्ताहिक अवकाश में मिलाने की मनाही की गयी थी।

मंत्रालय ने बताया कि केंद्र सरकार ने इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने का फैसला किया है। जांच में यह पता लगाया जायेगा कि इंडिगो की उड़ानों में देरी और उड़ानें रद्द होने की क्या वजह रही। साथ ही, जहां भी समुचित कार्रवाई की जरूरत होगी, वहां जिम्मेदारी तय की जायेगी और भविष्य में इस तरह की स्थिति न पैदा हो इसके लिए उपाय सुझाये जायेंगे। मंत्रालय ने कहा है कि इसके अलावा एयरलाइंस को परिचालन संबंधी कई निर्देश दिये गये हैं ताकि सेवाएं जल्द से जल्द सुचारू की जा सकें। उसने उम्मीद जतायी कि इन निर्देशों को तत्काल लागू करने से शनिवार से फ्लाइट शिड्यूल सामान्य होने लगेगा और अगले तीन दिन में सेवाएं पूरी तरह सामान्य होने की उम्मीद है। मंत्रालय ने विमान सेवा कंपनियों को नियमित और सही अपडेट देने की हिदायत दी है ताकि वे हवाई अड्डे पर आने की बजाय अपने घर से ही उड़ान की वास्तविक स्थिति जान सकें। एयरलाइंस से कहा गया है कि उड़ान रद्द होने की स्थिति में यात्री से अनुरोध मिलने का इंतजार किये बिना उसे पूरा पैसा वापस किया जाये।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि हवाई अड्डे पर लंबे समय के लिए फंसे यात्रियों के होटल में ठहरने की व्यवस्था सीधे एयरलाइंस को करनी होगी। वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों को लॉन्ज में पहुंच उपलब्ध करायी जायेगी। मंत्रालय ने स्थिति की वास्तविक समय में निगरानी के लिए एक 24 गुना 7 नियंत्रण कक्ष भी बनाया है।

उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को भी इंडिगो की सैकड़ों उड़ानें रद्द रहीं। दिल्ली में 225 और मुंबई में 250 से अधिक उड़ानें रद्द हैं। अन्य शहरों से भी कई उड़ानें रद्द होने की ● शेष पेज 11 पर

बैंकों को लोन के नाम पर 100 करोड़ का चूना लगाने वाले आठ गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए ऐसे संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो फर्जी दस्तावेज़ों के जरिए अलग-अलग बैंकों से करोड़ों रुपये का लोन लेकर गायब हो जाता था। यह गिरोह अब तक 100 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर चुका है।

एसटीएफ फील्ड यूनिट गौतमबुद्धनगर द्वारा एक दिन पूर्व गुरुवार को की गई इस कार्रवाई में गिरोह के 8 सदस्य गिरफ्तार किए गए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों से भारी मात्रा में फर्जी दस्तावेज़, विभिन्न बैंकों की चेक बुक और एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में रामकुमार , इन्द्रापुरम, गाजियाबाद, नितिन जैन शाहदरा, दिल्ली, मो. वसी सरायकेला, झारखण्ड, शमशाद आलम , चम्पारण सरन बिहार, इन्द्रकुमार कर्माकर पालम विहार, गुरूग्राम हरियाणा, अनुज यादव , मोहन नगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, ताहिर हुसैन, जामा मस्जिद ● शेष पेज 11 पर

सीएम योगी के अधिकारियों को निर्देश- निवेशकों को मिले फास्ट ट्रैक सुविधा, एफडीआई बढ़ाने को बढ़ाएं संवाद

'स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट' से और तेज होगा यूपी का औद्योगिक विकास: मुख्यमंत्री

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को प्रदेश में विदेशी निवेश को नई रफ्तार देने के लिए चल रहे प्रयासों की उच्चस्तरीय समीक्षा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश अब सिर्फ निवेश की संभावना नहीं, बल्कि निवेश के भरोसे का राज्य बन गया है। अधिकारी हर निवेशक के साथ संवाद लगातार बनाये रखें और किसी भी स्तर पर देरी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि 'स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट' यही नए उत्तर प्रदेश की पहचान होनी चाहिए।

बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के सितंबर 2025 तक की अवधि में उत्तर प्रदेश को 683 मिलियन अमेरिकी डॉलर का विदेशी निवेश प्राप्त हुआ है और राज्य का कुल संचयी विदेशी निवेश अक्टूबर 2019 से अब 2,754 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि चालू अवधि में प्रदेश को 5,963 करोड़ रुपये

- मुख्यमंत्री ने की विदेशी निवेश के प्रयासों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक
- एफडीआई बढ़ाने के लिए लगातार राउंड टेबल बैठकें करने के दिए निर्देश

का विदेशी निवेश प्रवाह मिला है, जो पिछले वर्षों की तुलना में तेज वृद्धि को दर्शाता है। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि एफडीआई-एफसीआई-फॉच्यूर्न 500 नीति-2023 के तहत अब तक 11 निवेश आवेदकों ने 13,610 करोड़ रुपये के प्रस्ताव दिए हैं। इसके अलावा 22 आवेदनों के माध्यम से 17,810 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और 56 हजार करोड़ रुपये के निवेश से जुड़े 29 आवेदन पाइपलाइन में हैं। यह भी बताया गया कि जापान, अमेरिका, बेल्जियम, यूनाइटेड किंगडम, पोलैंड और सिंगापुर उत्तर प्रदेश के प्रमुख निवेश साझेदार बने हुए हैं। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि जापान, दक्षिण कोरिया,

ताइवान, जर्मनी, फ्रांस, सिंगापुर और खाड़ी देशों के लिए बनाए गए विदेशी देश डेस्क लगातार सक्रिय हैं। दूतावासों, उच्चायोगों और व्यापार संघों से निरंतर संवाद चल रहा है। निवेशकों के साथ 100 से अधिक वन-टू-वन बैठकें हो चुकी हैं। जापान व्यापार संगठन और सिंगापुर अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य मंडल के साथ होने वाले समझौते भी निवेश के ठोस अवसरों में बदले जा रहे हैं। खाड़ी सहयोग परिषद सेक्टर डेस्क की समीक्षा में बताया गया कि दिल्ली, नोएडा, मुंबई, लखनऊ और कानपुर में अब तक 6 गोलमेज बैठकें हो चुकी हैं, जिनसे 83 कंपनियों के साथ सीधा संवाद बना और करीब 5,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव सामने आए। सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और विनिर्माण क्षेत्र में सबसे अधिक रुचि दिखी, जबकि बैंकिंग, वित्त, बीमा, फार्मा, लाइफ साइंस, मीडिया और मनोरंजन क्षेत्रों को उच्च संभावनायुक्त बताया गया। मुख्यमंत्री ने ललितपुर फार्मा पार्क को लेकर भी स्पष्ट निर्देश दिए कि इससे जुड़े अवसंरचना कार्यों में और तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि कई बड़ी दवा कंपनियों ने यहां निवेश में रुचि दिखाई है, ऐसे में उनसे लगातार संवाद बनाए रखा जाए और भूमि, बिजली, पानी जैसी सुविधाएं समय पर सुनिश्चित हों। जापान डेस्क की समीक्षा में बताया गया कि डेंसो के ब्राउनफील्ड विस्तार परियोजना पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और दस्तावेजी प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। कंसाई फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री एसोसिएशन की 125 जापानी कंपनियों के साथ फॉलोअप चल रहा है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर के सहयोग से ग्रीन हाइड्रोजन उत्कृष्टता केंद्र की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। टोयोटा समूह, सुमितोमो और मारुबेनी से निवेश को लेकर लगातार बातचीत जारी है। जापान डेस्क के अंतर्गत कुल बीस हजार करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा गया है। ताइवान डेस्क को लेकर मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि यहां प्रयास और तेज किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि ताइवान के निवेशकों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखा जाए, केवल रोड शो तक सीमित न रहा जाए। बैठक में बताया गया कि 40 से अधिक कंपनियां चिन्हित की गई हैं और लगभग 100 ● शेष पेज 11 पर

भव्यता और उल्लास के साथ संपन्न हुआ 'वॉयला क्रिसलिस 2025'

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। साल का बहुप्रतीक्षित वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'वॉयला क्रिसलिस 2025' 5 दिसंबर 2025 को दिल्ली पब्लिक स्कूल, गोमती नगर विस्तार, लखनऊ में अत्यंत गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ। विद्यालय प्रांगण में विद्यार्थियों की सृजनात्मकता, अनुशासन और ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला। यह कार्यक्रम मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से युवाओं की असीम संभावनाओं को प्रदर्शित करता है, साथ ही हमारे आसपास की दुनिया को समझने और संरक्षित करने के महत्व को भी उजागर करता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन समारोह से हुआ। इस अवसर पर स्कूल के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पूर्व छात्रों के अभिभावकों ने सम्मान के प्रतीक 'बैज' पहनकर सुनहरा दीप प्रज्वलित किया, जो उभरते सितारों के उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक बना। मधुर धुनों के बीच स्कूल की प्रेरणास्रोत प्रधानाचार्या श्रीमती रूपम सलूजा ने अपने ज्ञानवर्धक शब्दों से सभी को संबोधित किया और उत्कृष्टता व नेतृत्व का संदेश दिया। प्रधानाचार्या ने कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, उत्तर प्रदेश सरकार से संलग्न महिला कल्याण विभाग की निदेशक श्रीमती संदीप कौर का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके साथ ही सुपरहाउस एजुकेशन फाउंडेशन के प्रो-वाइस चेयरपर्सन माननीय मुख्तारुल अमीन, निदेशक माननीया नौशीन शादाब एवं श्रीमती शाहिना अमीन को सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। अन्य प्रतिष्ठित अतिथियों में डीपीएस की सह शाखाओं के आदरणीय प्रधानाचार्यगण भी उपस्थित रहे। इसके पश्चात विद्यालय की छात्र परिषद के प्रमुखों ने मंच संभालते हुए सत्र 2025 की उपलब्धियों और प्रमुख मील के पत्थरों पर आधारित विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसके बाद स्कूल के प्रतिभाशाली संगीतकारों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और समारोह को यादगार बना दिया। सम्मानित अतिथियों एवं प्रधानाचार्या ने पौधों को पानी देकर विद्यालय की पर्यावरण संरक्षण की प्रतिबद्धता को भी दर्शाया, जो युवा पीढ़ी में पोषण, नैतिकता और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देती है। 'वॉयला क्रिसलिस' के विभिन्न रंगारंग कार्यक्रम इसके बाद प्रारंभ हुए, जहाँ मंच पर प्रदर्शनकारियों के बीच शानदार समन्वय देखने को मिला। संगीत, नाटक एवं नृत्य की प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को जीवंत कर दिया। कलाकारों ने प्रकृति की सुंदरता को मनमोहक नृत्यों और मधुर संगीत के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को पूरी तरह मंत्रमुग्ध कर दिया। फ्रेंच नाटक-एडवेंचर्स ऑफ टॉम सॉयर ने हास्य और रोमांच का रंग भरा, वहीं ऑर्केस्ट्रा की मधुर धुनों ने वातावरण को संगीतमय बना दिया। आभा प्रभा नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से असम राज्य के बगुरुम्बा एवं भोरताल नृत्य ने भारतीय संस्कृति की पवित्रता को उजागर किया। स्वरनोवा क्लब द्वारा प्रस्तुत गरज गरज गीत एवं ताल -इको ऑफ घुंघरू ने लय और ताल की सुंदरता को जीवंत किया। अंग्रेज़ी नाटक - द टेम्पेस्ट ने शेक्सपियर की अमर कृति को मंच पर सजीव कर दिया। रॉक बैंड और तक़रीब - द साउंड्स ऑफ नेचर ने आधुनिकता और प्रकृति का अद्भुत मेल प्रस्तुत किया। शक्ति - एम्ब्रेस द पावर विदिन प्रस्तुति ने आत्मबल, आत्मविश्वास और साहस का प्रभावशाली संदेश दिया। फ़िल्म सोलो परफ़ॉर्मेंस एवं स्वरनोवा - ए.आर. रहमान की प्रस्तुति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

खेलकूद कार्यक्रम - वेव्स ऑफ एनर्जी में ध्वज एवं लेज़ियम के साथ जोश और उमंग का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला।इसके पश्चात द पावर ऑफ स्टीम कार्यक्रम के माध्यम से विज्ञान, तकनीक एवं नवाचार के महत्व को प्रभावी रूप से रेखांकित किया गया। कार्यक्रम का समापन ग्रैंड फिनाले के साथ हुआ, जिसमें स्कूल के रॉक बैंड ने ऊर्जावान और प्रभावशाली संगीत प्रस्तुति देकर सभी को झूमने पर विवश कर दिया। जोशीली धुनों ने यह संदेश दिया कि संगीत सभी सीमाओं को पार कर सकता है। वोट ऑफ थैंक्स के माध्यम से दर्शकों के अमूल्य समर्थन एवं आयोजन टीम की कड़ी मेहनत के लिए आभार व्यक्त किया गया। दर्शकों ने इस शानदार सांस्कृतिक संध्या का भरपूर आनंद लिया और प्रसन्नचित्त मन से कार्यक्रम स्थल से विदा ली। 'वॉयला क्रिसलिस 2025' का यह भव्य आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा, विद्यालय की दूरदर्शी सोच और सांस्कृतिक समृद्धि का सशक्त प्रतीक बनकर उपस्थित जनसमूह के हृदय में अमिट छाप छोड़ गया।

गलत ढंग से सड़क पर खड़ा करके जाम लगाने वाले वाहनों का पुलिस ने काटा चालान

कोराव प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोराव पुलिस ने नो पार्किंग में जाम लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। शुक्रवार को प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार वर्मा के निर्देश में पुलिस ने 5 वाहनों का ई-चालान उपनिरीक्षक गिरीश कुमार राय, कांस्टेबल धीरज सिंह ने काटा है, जो बेतरतीब तरीके से खड़े थे और जाम की समस्या बढ़ा रहे थे। पुलिस ने वाहन चालकों को सख्त हिदायत दी है कि वे वाहन सड़क किनारे खड़ा करें, ताकि यातायात बाधित न हो और आवागमन सुचारू रूप से बना रहे। कोराव कस्बे में भारी तादाद में वाहन आते-जाते हैं, और बेतरतीब वाहन खड़ा करने से जाम की समस्या बनी रहती है। अब बेतरतीब वाहन खड़ा करने वाले चालकों का चालान काटा जाएगा।

प्रॉपर्टी विवाद में वकील पर जानलेवा हमला

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। जिले में प्रॉपर्टी विवाद को लेकर एक वकील पर जानलेवा हमला कर दिया गया। घटना सिटी जोन के शिवकुटी थाना क्षेत्र की है, जहां लंबे समय से चल रहे संपत्ति विवाद के चलते हमलावर ने वकील पर हमला किया। गंभीर रूप से घायल वकील को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दोनों पक्षों के बीच जमीन को लेकर वर्षों से विवाद चल रहा था, जिसके चलते तनाव बढ़ा हुआ था। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है और क्षेत्र में पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी है। पुलिस का कहना है कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रयागराज में मौसम का मिजाज बदला

प्रयागराज, कैनविज टाइम्स संवाददाता। शुक्रवार की सुबह हल्के कोहरे और ठंडी हवाओं के साथ शुरू हुई। दो दिनों से चल रही तेज़ उत्तर-पश्चिमी हवाओं ने तापमान में 5ß6 डिग्री तक की गिरावट दर्ज कराई है। गुरुवार रात का न्यूनतम तापमान 11ल्ए और दिन का तापमान 18ल्ए रिकॉर्ड किया गया था, जबकि शुक्रवार को न्यूनतम 15.6ल्ए और अधिकतम 26.1ल्ए रहा। रात में तापमान लगातार 10ल्ए तक पहुंच जा रहा है, जिससे ठंड बढ़ती जा रही है। इस बीच हवा की गुणवत्ता चिंताजनक बनी हुई है।

उत्तर प्रदेश में एसआईआर के आंकड़े जारी करे आयोग : अखिलेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चल रहे विशेष मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग व राज्य प्रशासन से मांग की है कि प्रदेश में अब तक जितना भी एसआईआर हुआ है, उसके आंकड़े आज प्रकाशित किया जाए।

श्री यादव ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा उप्र में कितने प्रतिशत एसआईआर हुआ है, इसका आँकड़ा आज प्रकाशित किया जाए। उन्होंने कहा कि बीएलओ पर जानलेवा दबाव हटाकर अतिरिक्त अधिकृत लोगों को समयावधि के अनुरूप इस काम पर लगाया जाए। साथ ही सुनिश्चित किया जाए कि सत्ताधारियों के दल और उनके संगी-साथी पिछले दरवाज़े से इस काम में अब नहीं हैं और न आगे कभी होंगे।

अखिलेश यादव ने मांग की कि इस बात की पक्की जाँच-पड़ताल हो कि हर विधानसभा में पीडीए समाज के कितने लोगों को वोटर लिस्ट से हटाने की साजिश की जा रही है, हर हाल में इसे होने से रोका जाए।

गौरतलब है कि इससे पूर्व अखिलेश यादव ने निर्वाचन आयोग से मांग की थी कि मतदाता पंजीकरण केन्द्रों (वीआरसी) पर कई वर्षों से कार्यरत यादव और मुस्लिम समुदाय के कम्प्यूटर ऑपरेटरों को जातिगत आधार पर सेवा से हटाए जाने की कार्रवाई तुरंत रोकी जाए और जिन्हें हटाया गया है उन्हें बहाल किया जाए। इस बावत पार्टी की तरफ से मुख्य निर्वाचन अधिकारी को शिकायती ज्ञापन सौंपा गया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक और नेताओं के दबाव में निर्वाचन प्रक्रिया में लगे कर्मचारियों के साथ भेदभाव हो रहा है। इससे मतदाता सूची शुद्धिकरण प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता प्रभावित हो रही है।

जनविश्वास संकट में: गोण्डा पुलिस पर उठते बड़े सवाल

बेखौफ अपराध, बेअसर तंत्र

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा (अशोक कुमार पाठक)। पुलिस प्रशासन का मूल कार्य जनता की सुरक्षा और सहायता करना है, परंतु वर्तमान परिस्थिति में देखें तो बलात्कार, चोरी, डकैती जैसी घटनाएं आम होती जा रही हैं। हर गली-मोहल्ले में आए दिन अपराध सामने आ रहे हैं, जबकि पुलिस को चौकन्ना रहने की आवश्यकता है। लगातार बढ़ते अपराधों के कारण जनता का पुलिस से विश्वास उठता जा रहा है।

एक समय था जब व्यक्ति अपराध करने से पहले सौ बार सोचता था और पुलिस का नाम सुनकर ही डर जाता था, लेकिन आज वह भय लगभग समाप्त हो चुका है। पुलिस के कुछ कर्मचारियों की लापरवाही और निकम्मेपन के कारण पूरा विभाग बदनाम हो रहा है। साख गिरने के लिए पुलिस स्वयं भी काफी हद तक जिम्मेदार है।

उत्तर प्रदेश की पुलिस अपनी वास्तविक शक्तियों को भूलती जा रही है। वह नेताओं के इशारों पर चलने वाली कठपुतली की भांति कार्य करने लगी है, जिससे उसकी छवि निरंतर दागदार हो रही है। जिस दिन पुलिस को अपनी शक्ति और अधिकारों का पूर्ण ज्ञान हो जाएगा, उस दिन वह नेताओं के इशारों पर नाचना बंद कर देगी।

यह भी समझना होगा कि सभी पुलिसकर्मी गलत नहीं होते। कुछ लालची और गैर-जिम्मेदार लोगों की वजह से पूरा सिस्टम प्रभावित होता है। इनकी पहचान कर इन्हें बाहर करना आवश्यक है, तभी पुलिस की छवि में सुधार संभव है।

जिले में बेखौफ हैं अपराधी

गोण्डा जिले में लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं से स्पष्ट है कि अपराधियों में पुलिस का कोई खौफ नहीं बचा है। यदि पुलिस सक्रियता दिखाए तो अपराधों में काफी कमी आ सकती है। परंतु गोण्डा पुलिस सिर्फ सत्ता पक्ष के नेताओं की चापलूसी में उलझी रहती है। चापलूस व्यक्ति सत्य को दरकिनार कर सिर्फ अपना स्वार्थ देखता है और किसी भी हद तक गिर सकता है। जिले में हत्या, लूट और बलात्कार जैसी घटनाएं अक्सर पुलिस की नाक के नीचे हो जाती हैं, और अपराधी आसानी से निकल जाते हैं।

कार्यशैली पर उठते सवाल

उत्तर प्रदेश में पुलिस की साख गिरने का मुख्य कारण स्वयं पुलिस की कार्यशैली है। शिकायतों पर ढुलमुल रवैया उसकी कार्यक्षमता पर सवाल खड़े करता है। जनता के मन में पुलिस की छवि नकारात्मक रूप में स्थापित हो चुकी है। चाहे थाना कटरा बजार हो या धानेपुर, ब्लाइंड मर्डर केस सहित कई गंभीर मामलों में पुलिस की धीमी कार्रवाई सबकुछ साफ कर देती है। बहुत कम मामलों में पुलिस की तत्परता और गंभीरता देखने को मिलती है। यही वजह है कि आमजन आज भी पुलिस पर पूरा भरोसा नहीं कर पाता। पुलिस की साख लगातार गिर रही है।

पैसा कमाना ही बन गया लक्ष्य

कई लोगों का मानना है कि पुलिस कुछ हद तक अपराधियों का संगठित गिरोह बन चुकी है। अधिकांश पुलिसकर्मियों का लक्ष्य पैसा कमाना मात्र रह गया है। बिना रिश्वत के काम होना लगभग असंभव माना जाता है। अपराधियों को संरक्षण देना और आम जनता को प्रताड़ित करना पुलिस का मुख्य काम बनता जा रहा है। यदि कोई पुलिसकर्मी ईमानदारी से काम करना चाहे तो नेता उसे करने नहीं देते। जब नेताओं में ही ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का अभाव हो, तो सरकारी कर्मचारियों से क्या अपेक्षा की जा सकती है? अधिकतर पुलिसकर्मी जनसेवा में रुचि लेने के बजाय पैसा कमाने और नेताओं की चापलूसी में लगे रहते हैं, जिसके कारण पुलिस की साख निरंतर गिर रही है।

कुछ पुलिस कर्मचारियों के कारण बिगड़ी छवि

जिले में कई ईमानदार अफसर और कर्मचारी मौजूद हैं, परंतु कुछ अधिकारियों व कर्मचारियों की वजह से पूरे विभाग की छवि खराब हो जाती है। रसूखदार लोग पुलिस पर दबाव बनाते हैं, जिससे सामान्य पीड़ित हताश और निराश होता है। नेता पुलिस को अपनी सुविधानुसार मोहरा बनाने में संकोच नहीं करते। जघन्य अपराधों में गलत अनुसंधान एवं कानूनी प्रक्रियाओं की देरी पुलिस की छवि को और धूमिल करती है। कई घटनाओं में देखा गया है कि पुलिस पीड़ित महिला का साथ देने के बजाय आरोपियों को संरक्षण देती नजर आती है। ऐसे में पीड़ित को राहत की उम्मीद किससे हो? न्याय न मिलने पर कई महिलाएं आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाती हैं।

जिले में क्यों बढ़ रहे हैं अपराध

सिर्फ पुलिस पर आरोप लगाना पर्याप्त नहीं है। उन कारणों की पहचान भी जरूरी है जिनसे आपराधिक प्रवृति बढ़ रही है। मुख्य कारण हैं— वेब सीरीज व अश्लील सामग्री का प्रभाव, राजनीतिक हस्तक्षेप, पुलिस–नेता–अपराधी गठजोड़, वोहरा कमेटी की रिपोर्ट में भी यह गठजोड़ उजागर हुआ था। आज पुलिस प्रशासन राजनीतिक आकाओं की उंगलियों पर चलने वाली कठपुतली प्रतीत होता है, जो अपने ध्येय वाक्य अपराधियों में भय, आमजन में विश्वास से भटकता जा रहा है। पुलिस को जनता का खोया हुआ विश्वास पुनः हासिल करना होगा।

रिपोर्ट लिखवाने से भी कतराते हैं पीड़ित

गोण्डा पुलिस की कार्यशैली और तौर-तरीकों के कारण उसकी साख में भारी गिरावट आई है। आमजन थानों में रिपोर्ट लिखवाने से कतराते हैं। पुलिसकर्मियों की भाषा अक्सर अशिष्ट और अपमानजनक होती है।

आजादी के 78 साल बाद भी पुलिस का व्यवहार अंग्रेजी शासनकाल जैसा प्रतीत होता है। कई थानों में कर्मचारियों की कम संख्या के कारण काम का बोझ बढ़ जाता है, जिससे वे चिड़चिड़े हो जाते हैं। पुलिस की कार्यप्रणाली में आमूल परिवर्तन आवश्यक है, तभी वह अपनी गिरती साख को बचा सकेगी।

अत्याधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल कर सुदृढ़ सुशासन दे रही योगी सरकार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार सुशासन के अपने मॉडल को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए तेजी से उन्नत तकनीकों को माध्यम बना रही है। कानून व्यवस्था को मजबूत करने और न्याय प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के लिए सरकारी तंत्र में डिजिटल और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित समाधानों का दायरा विस्तृत और समृद्ध किया जा रहा है। इसका उद्देश्य अपराध नियंत्रण से लेकर न्याय की प्रक्रिया तक की दक्षता में वृद्धि करना है।

सरकारी प्रवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्चीकृत क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला के उद्घाटन के दौरान कहा भी था कि अब प्रदेश में अपराधी के बचने का कोई रास्ता नहीं बचेगा। फोरेंसिक जांच अपराध की कड़ी को मिनटों में उजागर कर देगी और हर गंभीर मामले में वैज्ञानिक साक्ष्य निर्णायक भूमिका निभाएंगे। राज्य पुलिस प्रणाली को स्मार्ट तथा अधिक सक्षम बनाने के लिए सरकार ने त्रिनेत्र 2.0 के रूप में एक नया उन्नत डिजिटल डेटाबेस तैयार किया है। यह एक एआई एन्हांस्ड प्लेटफॉर्म है, जिसमें पुलिस रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से सुरक्षित और व्यवस्थित किया जाता है। यह सिस्टम अपराधियों की पहचान और उनके इतिहास को समझने के काम को त्वरित और सटीक तरह से करेगा है। त्रिनेत्र फ़ेशियल रिकग्निशन वॉइस आइडेंटिफिकेशन और टेक्स्ट बेस्ड क्वेरी जैसी आधुनिक तकनीकों के जरिए पुलिस को संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान करने में मदद मिल रही है। इससे क्राइम के जांच की गति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि जुलाई 2023 से प्रदेश के समस्त जिलों में ऑपरेशन त्रिनेत्र प्रारम्भ किया गया, जिसके अन्तर्गत महत्वपूर्ण चौराहों, संवेदनशील स्थलों, हॉटस्पॉट, बैंक, स्कूल, कॉलेज, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, धार्मिक स्थल, मोबाइल टॉवर, पेट्रोल पम्प, ढाबा आदि स्थानों पर नागरिक स्वयंसेवी सस्थाओं के माध्यम से सीसीटीवी कैमरे लगाने की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी थी और 2025 की शुरुआत तक ही तक प्रदेश के समस्त थानों में चिन्हित स्थलों पर 11,07,782 सीसीटीवी कैमरों का अधिष्ठापन कर दिया गया है और इसी का परिणाम है कि 2025 की शुरुआत तक ही त्रिनेत्र के माध्यम से डकैती, लूट सहित अन्य गम्भीर कुल 5,718 घटनाओं का खुलासा किया गया। प्रवक्ता के अनुसार जेल प्रशासन को स्मार्ट बनाने की दिशा में भी योगी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। राज्य की जेलों में एआई पावर्ड वीडियो एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म लागू किया गया है, जो बंदियों की गतिविधियों पर रियल टाइम नजर रखने में सक्षम है। इसके माध्यम से किसी भी संदिग्ध हरकत या संभावित जोखिम की पहचान तुरंत हो जाती है जिससे जेल सुरक्षा में प्रभावी सुधार आया है। इसके साथ ही वरिष्ठ अधिकारी विभिन्न जेलों की स्थिति को रियल टाइम में मॉनिटर कर सकते हैं और आवश्यक निर्देश तत्काल जारी कर सकते हैं। गोरखपुर में फोरेंसिक साइंस लैब के उन्नयन के बाद जांच एजेंसियों की वैज्ञानिक जांच क्षमता में भी उल्लेखनीय विकास हुआ है। अत्याधुनिक मशीनों और प्रशिक्षित विशेषज्ञों से लैस इस लैब ने अपराध जांच की गुणवत्ता को नई ऊंचाई दी है। सरकार का स्पष्ट मानना है कि आधुनिक फोरेंसिक तकनीकें अपराधों की सटीक और वैज्ञानिक जांच सुनिश्चित करती हैं और यही कारण है कि प्रदेश भर में फोरेंसिक और इन्वेस्टिगेटिव क्षमताओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इन सभी पहल का लक्ष्य उत्तर प्रदेश में सुशासन की ऐसी प्रणाली विकसित करना है, जिसमें पारदर्शिता दक्षता और तकनीकी सशक्तिकरण केंद्र बिंदु में हो। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार की यह रणनीति प्रदेश को एक सुरक्षित कानून आधारित और तकनीक संचालित राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

मंडलायुक्त ने सीवर लाइन कार्य का निरीक्षण किया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज । मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने शुक्रवार को सीवर ज डिस्ट्रिक्ट झूंसी में 16 एमएलडी शास्त्री ब्रिज एसपीएस के अंतर्गत चल रहे हवेलिया आईएंडडी तथा हवेलिया से उल्टा किला तक ग्रैविटी सीवर लाइन बिछाने के कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंडलायुक्त ने कहा कि हवेलिया नाले से उल्टा किला तक ग्रैविटी सीवर लाइन बिछाने के कार्य को तेज गति से दो शिफ्टों में कराते हुए 15 दिनों के भीतर पूरा किया जाए और पूर्ण क्षमता से संचालित किया जाए। साथ ही उन्होंने कार्य की दैनिक प्रगति का पर्ट चार्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने पहले से पड़ी ग्रैविटी सीवर लाइन की सफाई कर हटाए गए अवरोध को दूर करने तथा संपूर्ण कार्य को श्रेष्ठ गुणवत्ता के साथ संपन्न कराने पर विशेष बल दिया। निरीक्षण के दौरान अपर मेलाधिकारी दयानंद, उपमेलाधिकारी विवेक शुक्ला, परियोजना प्रबंधक (गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई) एस.एस. परमार तथा महानिदेशक, मेसर्स प्रयागराज वाटर लिमिटेड मिनेष जोशी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शिक्षा से जुड़ी तीन महत्वपूर्ण समितियों की बैठक सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

समयबद्ध निर्माण, विद्युत संयोजन, एमडीएम गुणवत्ता और उपस्थिति बढ़ाने पर विशेष जोर

सभी विभागों को एक माह में प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को संगम सभागार में जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति, एमडीएम टास्क फोर्स और निपुण टास्क फोर्स की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित प्रमुख योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने विभागीय योजनाओं की प्रगति का प्रस्तुतिकरण किया। जिलाधिकारी ने ऑपरेशन कायाकल्प के 19 पैरामीटर पर स्कूलों को संतृप्त करने, निर्माण कार्यों की प्रगति तेज करने, विद्यालयों के विद्युत संयोजन/विद्युतीकरण को विद्युत विभाग द्वारा तत्काल पूर्ण कराने और परिसर से गुजर रहे हाईटेंशन तारों की शिफ्टिंग के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय, अभ्युदय विद्यालय तथा निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति पर भी विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में छात्रों की डिजिटल उपस्थिति बढ़ाने, विद्यालयों में समय-सारिणी के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, नियमित मिड-डे-मील वितरण, किचन गार्डन विकसित करने और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा एमडीएम खाद्य सामग्री की नियमित जांच पर जोर दिया गया। साथ ही कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में दैनिक सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और निर्माण कार्यों को निर्धारित टाइमलाइन के भीतर पूरा करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि सभी विभाग समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करें। विद्युत विभाग को एक माह के भीतर सभी लंबित बिजली संबंधी कार्य पूर्ण करने का आदेश दिया गया। बैठक में प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण के परियोजना निदेशक, जिला पंचायत राज अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डीआईओएस, डीएसओ, विद्युत विभाग, यूपी सिडको, आरईडी, सभी खंड शिक्षा अधिकारी और जिला समन्वयक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम पर राजनीतिक दलों संग की बैठक

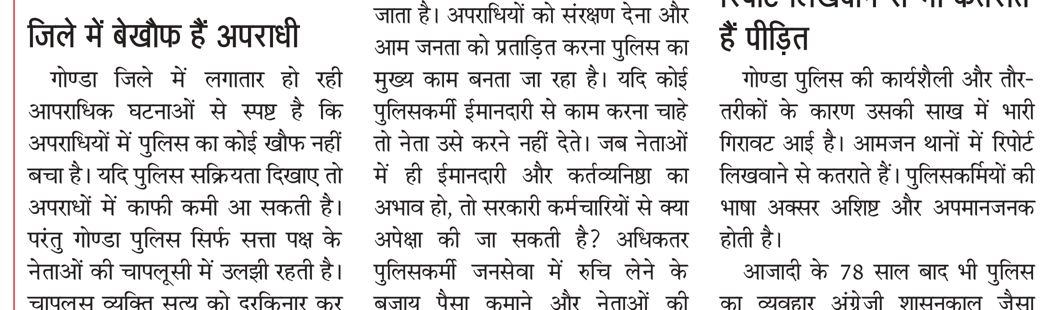

प्रयागराज । जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने शुक्रवार को संगम सभागार में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक की।

जिलाधिकारी ने बताया कि अब तक 84.26% मतदाताओं के गणना प्रपत्र बीएलओ द्वारा संग्रहित कर डिजिटाइज किए जा चुके हैं। उन्होंने राजनीतिक दलों को विधानसभावार प्रगति रिपोर्ट से अवगत कराया और बताया कि घर-घर सर्वे के दौरान अनुपस्थित, मृतक, डुप्लीकेट, पूर्णतः स्थानांतरित या फॉर्म देने से इंकार करने वाले मतदाताओं की एएसडी सूची तैयार कर प्रतिदिन बीएलए एवं पार्टी प्रतिनिधियों के साथ साझा की जा रही है।

एएसडी सूची में प्रत्येक मतदाता का क्रमांक, EPIC नंबर, नाम और सूची में शामिल किए जाने का कारण दर्ज रहेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि किसी मतदाता का गलत चिन्हांकन हुआ है, तो संबंधित बीएलओ या ईआरओ के पास आपत्ति देकर उसका नाम वापस (Rollback) कराया जा सकता है। जिलाधिकारी वर्मा ने राजनीतिक दलों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि 11 दिसंबर की अंतिम तिथि का इंतजार न करें, बल्कि मतदाताओं को यथाशीघ्र एसआईआर फार्म भरकर जमा कराने हेतु प्रेरित करें।

जमीन विवाद में भतीजे ने चाचा को गोलियों से भूना, मौके पर मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

दुबग्गा लखनऊ। राजधानी में अपराध का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है और रंजिश के चलते खून-खराबे की घटनाएँ थमने का नाम नहीं ले रहीं। इसी कड़ी में दुबग्गा थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर हुई वारदात ने पूरे इलाके को दहशत में डाल दिया, जहां जमीन विवाद को लेकर भतीजे ने अपने ही चाचा की सरेआम गोलियों से हत्या कर दी। हैरानी की बात यह है कि यह घटना जेहटा पुलिस चौकी से महज कुछ कदमों की दूरी पर हुई, लेकिन हमलावर फायरिंग करते हुए आसानी से फरार हो गए।

मानक नगर निवासी 45 वर्षीय वीरेंद्र बीते कुछ वर्षों से दुबग्गा क्षेत्र के टाड़ खेड़ा गांव स्थित अपने ननिहाल में रह रहे थे। जमीन के बंटवारे को लेकर उनका अपने भतीजे से लंबे समय से विवाद चल रहा था। शुक्रवार दोपहर करीब चार बजे उनका भतीजा अपने बेटे के साथ उनसे मिलने ननिहाल पहुंचा। दोनों ने वीरेंद्र पर घर वापस चलने का दबाव बनाया, लेकिन वीरेंद्र ने जाने से साफ इनकार कर दिया। इसी बात पर तिलमिलाए भतीजे ने अवैध असलहा निकाला और वीरेंद्र के सीने पर एक के बाद एक गोलियां दाग दीं। गोलियों की आवाज से पूरा इलाका दहल उठा और लोग घरों से बाहर निकल आए, लेकिन तब तक आरोपी फायरिंग करते हुए मौके से भाग चुका था।

स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। देखते ही देखते एसीपी काकोरी, इंस्पेक्टर और कई पुलिस टीमें मौके पर पहुंच गईं। पुलिस ने घटनास्थल से कई खोखे बरामद किए, जिससे साफ होता है कि आरोपी ने बेहद नजदीक से कई राउंड फायरिंग की थी। घायल वीरेंद्र को आनन-फानन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार आरोपी लंबे समय से वीरेंद्र की जमीन पर कब्जा करने की फिराक में था और कई बार दोनों पक्षों के बीच तनातनी भी हो चुकी थी। डीसीपी पश्चिमी अभिजीत श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी भतीजे और उसके बेटे की तलाश में पुलिस की दो विशेष टीमें गठित की गई हैं। आसपास के क्षेत्रों में छापेमारी जारी है और पुलिस को उम्मीद है कि दोनों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल है और लोग पुलिस चौकी के पास हुई इस वारदात को लेकर सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रहे हैं।

फल पट्टी को नष्ट करने का लकड़ी माफियाओं ने खोजा नए युग का नया सिस्टम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

काकोरी लखनऊ। डिजटल इंडिया में लकड़ी माफियाओं ने भी डिजटल सिस्टम का भरपूर फायदा उठाते हुए उच्चाधिकारियों को धता बताते हुए आम की बागों को अवैध लकड़ी कटान का नया सिस्टम ईजाद कर लिया।

वन माफियाओं ने सिस्टम को धता बताते हुए एक कदम और आगे निकल कर अवैध कटान की जो छूट रहमान खेड़ा मलिहाबाद उद्यान विभाग से पेड़ कटाई छंटाई की परमिशन की छूट दी गई है उसके सहारे कुसमौरा रोड पर लगभग तीस से अधिक पेड़ो को ऊपर से काट कर ये जताने के प्रयास किया है कि हमने बाग में लगे पेड़ो को काटा नही है शाखा तराशी नियम से छंटाई की है लेकिन अगर इस तरह की छटाई की गई बागों के पेड़ों को बचाने के लिए जो नियम बनाये गए हैं उनको पालन कराने के लिए वन विभाग के अधिकारियों ने भी नजरअंदाज किया तो वनविभाग हरियाली को नष्ट करने वाले सबसे बड़े जिम्मेदार होंगे किसानों द्वारा भी नजरअंदाज किया जा रहा है जिससे ये

कहना गलत नहीं होगा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को आम की बाग की पैदावार बढ़ाने के लिए शाखा तराशी नियम के तहत जो छूट दी गई है वो लकड़कट्टो के लिए संजीवनी बूटी साबित हो रही है । जिससे पिछले दो सप्ताह में छंटाई के नाम पर वनविभाग की मिलीभगत से लगभग दस बीघा आम की बागों को काटकर उनकी जड़ो को सूखने के लिए खड़ा छोड़ दिया गया है जबकि इस तरह की शाखा तराशी करके छंटाई में पेड़ो की डालो को फटना नही चाहिए और कटाई बाद उनके कटे हुए भाग पर लेप लगाने का नियम है और जमीन में पानी भरकर नमी बरकरार रखने के लिए कहा गया है लेकिन ये सब अगर धरातल पर जाकर देखेंगे तो कुछ भी नही मिलेगा।

ब्लाक काकोरी के अंतर्गत पूर्व में इस तरह की बागों में अब न पेड़ के जड़े है न कोई जमीन खाली है क्योंकि अवैध प्लाटिंग करने वाले लोगों ने प्लाट की खरीद परोख्त करते हुए देखा जा सकता है।

उद्यानविभाग के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अगर छंटाई की परमिशन दी जाती है तो अपने आदेश में साफ साफ लिखकर दिया जाता है कि कमजोर डाले व पेड़ की डाले काटते समय फटनी नही चाहिए और पतली आरी से काटने के बाद रसायन मिला मिश्रण कटे डालो के सिरे पर लगाना चाहिए लेकिन अगर इस तरह छंटाई वाली बागों में जाकर देखो तो पेड़ो की दहनियो को आरामशीन से काटा गया है और पेड़ की जांघे सारी फ़टी हुई है और फटने के साथ कोई शाखा भी नही छोड़ी गई हैं। दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि इस काटी गई बागों में अवैध आवासीय योजना बनाकर बिल्डर द्वारा प्लाटिंग की जाएगी ।

क्या कहते है जिम्मेदार

उद्यान अधिकारी रहमान खेड़ा द्वारा बताया गया कि उद्यान द्वारा कटाई छटाई की परमिशन फ्री की गई है लेकिन बचे हुए पेड़ो सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी वनकर्मियों की होती है।अगर इस तरह विभाग के द्वारा मिली छूट का दुरुपयोग हो रहा है तो जांचकर कार्यवाही की जाएगी।

इस सम्बंध में लखनऊ डी एफ वो सितांशु पांडे से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मीटिंग में होने की बात कहते हुए रेंजर से बात करने की बात कही जब वन रेंज सोनम दीक्षित से इस सम्बंध में बात की गई तो कहा अगर उद्यान विभाग द्वारा शाखा तराशी का उद्देश्य बागों को नष्ट करना है तो वह विभाग कार्यवाही करेगा। क्योंकि किसानों की फलित पेड़ो के लिए शाखा तराशी योजना आई है नकि बाग को नष्ट करने के लिए अगर इस तरह कोई बाग नष्ट की जाती है तो कार्यवाही की जाएगी।

उत्तर प्रदेश में नवाचार की नई परंपरा, इनक्यूबेशन सेंटर बने विकास के अग्रदूत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने पिछले आठ वर्षों में इनक्यूबेशन आधारित नवाचार को नई पहचान दी है। आज प्रदेश में कुल 76 इनक्यूबेशन सेंटर सक्रिय हैं। ये केंद्र विद्यार्थियों और युवाओं को विचार से उद्योग तक पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया में सहयोग देते हैं। सरकार का उद्देश्य हर जिले में ऐसा माहौल तैयार करना है जहां युवा सुरक्षित और संगठित तरीके से उद्यम शुरू कर सकें। इसी लक्ष्य के तहत वित्तीय सहायता तकनीकी मार्गदर्शन और विशेषज्ञ नेटवर्क उपलब्ध कराया जा रहा है। इनक्यूबेशन सेंटर वह स्थान है, जहां नए आइडिया को विकसित कर सफल कारोबार में बदलने के लिए सभी आवश्यक संसाधन एक ही स्थान पर उपलब्ध कराए जाते हैं। यह ऐसा केंद्र है जो स्टार्टअप को उसके जन्म से लेकर उसके पांव जमाने तक मार्गदर्शन, सहायता और सुविधाएं प्रदान करता है।

प्रदेश में 8 वर्षों में विकसित हुआ सशक्त इनक्यूबेशन इकोसिस्टम

योगी आदित्यनाथ सरकार की नीतियों से युवाओं को मिला रोजगार उद्यम और नवाचार का नया अवसर

इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना से उद्यमियों की कई चुनौतियां सरल हो गई हैं। यहां शुरुआती चरण में जरूरी प्रशिक्षण कानूनी सलाह बाजार से जुड़ी जानकारी तकनीकी मार्गदर्शन और निवेशकों से संपर्क जैसे सभी तत्व एक ही स्थान पर उपलब्ध होते हैं। इससे किसी भी स्टार्टअप की सफलता की संभावना बढ़ जाती है। इन केंद्रों ने युवाओं में उद्यमिता की भावना को मजबूत किया है और उन्हें जोखिम लेने का आत्मविश्वास दिया है। पिछले आठ वर्षों में इन केंद्रों से जुड़े हजारों युवाओं ने अपनी पहचान बनाई है। कृषि तकनीक शिक्षा स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल सेवाओं जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले कई स्टार्टअप प्रदेश के भीतर और बाहर अपनी उपयोगिता सिद्ध कर चुके हैं। इन स्टार्टअप ने रोजगार भी बढ़ाया है और स्थानीय समस्याओं के समाधान भी प्रदान किए हैं। इससे उत्तर प्रदेश के आर्थिक ढांचे को नई दिशा मिली है। स्टार्टअप विशेषज्ञ विनीत का कहना है कि उत्तर प्रदेश सरकार स्टार्टअप को बढ़ावा देने का ठोस प्रयास कर रही है। इन्क्युबेटर्स की स्थापना से स्टार्टअप्स को बड़ी मदद मिलती है। शुरुआत में स्टार्टअप्स को बहुत दिक्कतें आती है, ऐसे में इन्क्युबेटर्स बड़े सहायक होते हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार का मानना है कि इनोवेशन और तकनीक आधारित उद्यम ही भविष्य की अर्थव्यवस्था का आधार तैयार करेंगे। इनक्यूबेशन सेंटर इसी सोच का विस्तार हैं। छोटे शहरों से निकलकर बड़े मंच तक पहुंचने वाले युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह परिवर्तन प्रदेश को एक मजबूत स्टार्टअप हब के रूप में स्थापित कर रहा है। कुल मिलाकर इनक्यूबेशन सेंटर उत्तर प्रदेश में विकास और अवसरों के नए द्वार खोल रहे हैं।

यह नेटवर्क न केवल उद्यमिता को गति दे रहा है बल्कि प्रदेश को आत्मनिर्भर और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर भी अग्रसर कर रहा है। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले इनक्यूबेशन सेंटरों की संख्या लगभग 12 से 15 के बीच थी। यह केंद्र केवल चुनिंदा विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों तक सीमित थे। न इनके विस्तार की कोई स्पष्ट नीति थी और न ही स्टार्टअप इकोसिस्टम को लेकर कोई स्पष्ट संरचना। वर्ष 2017 में योगी आदित्यनाथ सरकार ने स्टार्टअप नीति लागू की और पूरे राज्य में इनक्यूबेशन नेटवर्क का व्यापक विस्तार शुरू किया। परिणाम स्वरूप आज प्रदेश में 76 इनक्यूबेशन सेंटर सक्रिय हैं और कई और स्थापित किए जाने की प्रक्रिया में हैं।

सफलतापूर्वक प्रारंभ सुरक्षा तैयारियों को मिलेगा और मजबूत आधार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। भारत सरकार गृहमंत्रालय के संयोजन में नागरिक सुरक्षा लखनऊ द्वारा सप्त दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के द्वितीय सत्र का शुभारम्भ डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के मुख्य आतिथ्य में दीप प्रज्वलन करके हुआ। गोमतीनगर स्थित इंदिरा गाँधी प्रतिष्ठान के मून हॉल में शुभारम्भ के पश्चात प्रशिक्षार्थियों को सम्बोधित करते हुए डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह नें कहा कि आपदा की स्थिति में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवक शासन-प्रशासन के साथ मिलकर समन्वय स्थापित करते हुए समाज के प्रति सेवा एवं सुरक्षा की भावना को साकार करते हैं। उन्होंने नागरिक सुरक्षा की कार्य प्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि यह सामाजिक सुरक्षा का अभिन्न अंग है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए चीफ वार्डे न अमरनाथ मिश्रा नें लखनऊ सिविल डिफेंस के द्वारा किये कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि लखनऊ के स्वयंसेवक जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर रहते है। वर्तमान में एस आई आर के कार्य में भी बीएलओ और जनता की हर संभव मदद नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों द्वारा की जा रही है।इसी क्रम में उपनियंत्रक नागरिक सुरक्षा रविन्द्र कुमार ने प्रशिक्षण के उद्देश्य, वार्डे न के दायित्वों एवं नागरिक सुरक्षा संगठन की कार्यप्रणाली पर जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे प्रशिक्षण शिविर का आज दूसरा सत्र है, इसके बाद दो सत्र और आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक सत्र में 90-90 स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।इस अवसर पर वरिष्ठ सहायक उपनियंत्रक मनोज वर्मा, ऋषि कुमार, ममता रानी, रेखा पांडेय, मुकेश कुमार, कमलेश कुमार शुक्ला, मनोज कुमार वर्मा, नफीस अहमद, पंकज पंत, अम्बेश कुमार, स्टाफ अफसर ऋतुराज रस्तोगी, नफीस अहमद सहित विभिन्न प्रखंड के 90 प्रशिक्षार्थी स्वयंसेवक भी उपस्थित रहे।

योगी सरकार का अवैध नशे पर बड़ा प्रहार, कोडीन के दुरुपयोग पर 128 फर्मों पर एफआईआर

लखनऊ। योगी सरकार प्रदेश के युवाओं को नशे की आगोश में धकेलने वाले अवैध नशे के सौदागरों के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई कर रही है। सीएम योगी के निर्देश पर पूरे प्रदेश में एएनटीएफ (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा बड़ा एक्शन लिया गया है। इसी क्रम में एफएसडीए द्वारा प्रदेश भर में कोडीनयुक्त कफ सिरप और नॉरकोटिक्स श्रेणी की औषधियों के अवैध भंडारण, क्रय-विक्रय और वितरण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। इस विशेष अभियान में अब तक प्रदेशभर में लाखों की अवैध नॉरकोटिक और कोडीनयुक्त औषधियां जब्त की गई हैं जबकि अब तक 128 एफआईआर दर्ज की गई हैं। वहीं आधा दर्जन से अधिक अवैध नशे के सौदागरों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे धकेला गया है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, डॉ. रोशन जैकब ने बताया की मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में अब तक प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण/छापेमारी की गई, लाखों की औषधियां सीज की गईं। जांच में संदिग्ध पाए गए अभिलेखों की अग्रिम विवेचना तक दो दर्जन से अधिक मेडिकल स्टोर्स पर कोडीनयुक्त सिरप एवं नॉरकोटिक औषधियों की बिक्री पर रोक लगाई गई है।

यूनिटी पी जी कॉलेज ने टीबी मरीजों को बांटी पोषण पोटली

काकोरी लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमति आनंदी बेन पटेल के आवाह्न पर जिलाधिकारी लखनऊ के निर्देश पर टीबी मरीजों को भावनात्मक सहयोग देने की दिशा में यूनिटी पी जी कॉलेज के प्रबंधन द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र काकोरी के अधीक्षक डॉ के डी मिश्र की अध्यक्षता में स्वास्थ्य केन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम में पंद्रह टीबी रोगियों को गोद लेकर पोषण पोटली का वितरण किया गया।इस मौके पर यूनिटी कॉलेज की ओर से श्री शोएब जैदी,एवं श्री सौरभ मिश्रा द्वारा मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गई, कार्यक्रम में केंद्र के एच ई ओ श्री राजेश सिंह , बी सी पी एम श्री प्रद्युम्न कुमार मौर्य,टीबी यूनिट से पर्यवेक्षक श्री सुजीत कुमार,श्री विजय कुमार मौर्य, टीबी स्वास्थ्य परिदर्शक श्री सुधीर कुमार अवस्थी सहित समस्त स्टाफ एवं आमजन उपस्थित रहे। केन्द्र के अधिक्षक द्वारा इस पुनीत कार्य हेतु यूनिटी कॉलेज के प्रबंधन का आभार व्यक्त किया गया तथा आम जनमानस से अनुरोध किया गया कि वह भी निच्छय मित्र बनकर टीबी रोगियों को सहयोग प्रदान करें।

वर्ष 2023 के बाद से मनरेगा के तहत कराए गए पक्के कार्यों का नहीं हुआ भुगतान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मनरेगा के अंतर्गत गांवों में कराए गए पक्के निर्माण कार्यों का भुगतान 2023 से अब तक नही हुआ है। ग्राम प्रधान संगठन (उत्तरप्रदेश) के मुताबिक मनरेगा के अंतर्गत पक्के निर्माण कार्यों के मद में पूरे प्रदेश में 3500 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। ऐसे में आने वाले समय मे पंचायत चुनाव को देखते हुए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष कौशल किशोर पांडेय ने मुख्यमंत्री सहित मुख्य सचिव को पत्र लिखकर जल्द भुगतान कराने की मांग की है।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14307-SLR-F2-PYGS-BE-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	22.12.2025 at 11:30 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14231-SLR-F2-PYGS-BST-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	22.12.2025 at 11:40 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14231-SLR-R1-PYGS-BST-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	22.12.2025 at 11:50 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14229-SLR-F1-PYGS-YNRK-22-3 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	22.12.2025 at 12:00 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14307-SLR-R1-PYGS-BE-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	22.12.2025 at 12:10 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14216-SLR-R1-LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	22.12.2025 at 12:20 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14233-SLR-F1-PYGS-MUR-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	22.12.2025 at 12:30 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14224-SLR-F2-BSB-RGD-23-2 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	22.12.2025 at 12:40 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	20401-SLR-F1-BSB-LKO-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	22.12.2025 at 12:50 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	24203-SLR-F1-BSB-LKO-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	22.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	22.12.2025 at 13:00 hrs
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

3765/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र नोटिस

लखनऊ मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर एटीवीएम फैसिलिटेटर के आवेदन के संबंध में दिनांक **05.12.2025** को प्रकाशित सूचना संख्या **C/123-1- ATVM/25/SV** के संदर्भ में। इस सूचना में

- निविदा दस्तावेज अपलोड करने की तिथि **07.12.2025** के स्थान पर **08.12.2025** तथा अंतिम तिथि **27.12.2025** के स्थान पर **29.12.2025** अपराह्न **14:00** बजे समझी जाए।
- प्रकाशित स्टेशन सूची में, रायबरेली–बरेली को रायबरेली तथा लाइन को जायस स्टेशन समझा जाए।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3786/2025

उत्तर रेलवे

लखनऊ मंडल में फैसिलिटेटर की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करने की सूचना

सीनियर डिविजनल कॉमर्शियल मैनेजर, नॉर्दर्न रेलवे, लखनऊ डिविजन, लखनऊ, भारत के राष्ट्रपति की ओर से रिटायर्ड रेलवे कर्मचारियों और आम जनता से, लखनऊ डिविजन के इन रेलवे स्टेशनों पर ATVM के ज़रिए अन–रिज़र्व्ड टिकट बांटने के लिए 105 (105) फैसिलिटेटर की नियुक्ति के लिए आवेदन मंगाते हैं। चुने गए आवेदक का ATVM फैसिलिटेटर के तौर पर नियुक्ति के आधार पर रेलवे में नौकरी का कोई दावा नहीं होगा। पॉलिसी गाइडलाइन के अनुसार 3% बोनस के अलावा रेलवे द्वारा कोई मेहनताना/सैलरी/मज़दूरी नहीं दी जाएगी। लखनऊ डिवीजन में, यात्रा करने वाले लोगों को टिकट देने के लिए ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन (ATVM) पर फैसिलिटेटर के लिए जरूरी स्टेशनों की लिस्ट नीचे दी गई है।

क्र.सं.	स्टेशन	रिक्ति	क्र.सं.	स्टेशन	रिक्ति
1.	लखनऊ	13	12.	शाहगंज	2
2.	वाराणसी	40	13.	सुलतानपुर	5
3.	अकबरपुर	1	14.	भदोही	2
4.	अमेठी	3	15.	प्रयागराज संगम	2
5.	अयोध्या कैंट	8	16.	लालगंज	2
7.	बाराबंकी	3	17.	ऊंचाहार	3
8.	जौनपुर	1	18.	जैस	3
9.	जौनपुर शहर	2	19.	गौरीगंज	3
10.	उन्नाव	5	20.	निहालगढ़	1
11.	रायबरेली–बरेली	6		कुल	105

विज्ञापन नोटिस और एप्लीकेशन फॉर्म नॉर्दर्न रेलवे की वेबसाइट **www.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है। रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी और आम लोग जो ATVMs से टिकट जारी करने के लिए फैसिलिटेटर के तौर पर काम करने में दिलचस्पी रखते हैं. उन्हें एप्लीकेशन के सभी कॉलम ठीक से भरकर और नोटिफिकेशन के सभी पेजों पर साइन करके अपनी एप्लीकेशन जमा करनी चाहिए। एप्लीकेशन लिफाफे पर "——————रेलवे स्टेशन पर ATVM फैसिलिटेटर के लिए एप्लीकेशन" लिखा होना चाहिए और इसे एक सीलबंद लिफाफे में सीनियर डिविजनल कॉमर्शियल मैनेजर, नॉर्दर्न रेलवे, लखनऊ डिविजन, लखनऊ को 27.12.2025 को 14:00 बजे या उससे पहले जमा करना होगा।

1.	भरे हुए एप्लीकेशन फॉर्म इस ऑफिस में मिलेंगे	07.12.2025 को 10:00 बजे से
2.	एप्लीकेशन जमा करने की आखिरी तारीख	27.12.2025 को 14:00 बजे तक
3.	आवेदन जमा करने का स्थान	वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, हजरतगंज, लखनऊ–226001

नोट: एप्लीकेशन फॉर्म ऊपर दी गई वेबसाइट से 07.12.2025 तक डाउनलोड किए जा सकते हैं।

सं.: C/123-1-ATVM/2025/SV दिनांक 04.12.2025 3771/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–उ0रे0/वाणिज्य–मण्डल
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	20402-SLR-F2-LKO-BSB-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 11:30 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14216-SLR-F2-LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 11:40 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14210-SLR-F2-LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 11:50 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	24204-SLR-R1-LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 12:00 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	24204-SLR-F2-LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 12:10 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	20402-SLR-R1-LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 12:20 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14210-SLR-R1-LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 12:30 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14216-SLR-F1-LKO-PYGS-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 12:40 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14231-SLR-F1-PYGS-BST-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 12:50 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14233-SLR-F1-PYGS-MUR-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 13:00 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	24204-SLR-F1-LKO-BSB-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 13:10 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	14233-SLR-F2-PYGS-MUR-25-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 13:20 hrs
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	12231-SLR-R1-LKO-CDG-23-1 (Parcel-SLR)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	23.12.2025 at 11:00 hrs
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	23.12.2025 at 13:30 hrs
Website particulars where complete details of auction can be seen by registered bidders	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

3768/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सचिवों ने बढ़ते बोझ और ऑनलाइन उपस्थिति के खिलाफ उठाई आवाज़

किया धरना प्रदर्शन, मुख्य सचिव को भेजे ज्ञापन में गैर-विभागीय कार्यों, संसाधनों की कमी और थर्ड पार्टी ऐप से निजता पर खतरे का मुद्दा उठाया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। ग्राम सचिवों ने बढ़ते बोझ और ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली के खिलाफ आज मुख्य सचिव को ज्ञापन भेजकर कड़ी आपत्ति जताई।

विकास खंड हरगांव के सचिवों और संघ के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी तथा खंड विकास अधिकारी के माध्यम से भेजे गए ज्ञापन में स्पष्ट कहा कि पंचायत राज और ग्रामीण विकास की दर्जनों योजनाओं का संचालन करने के बावजूद उन पर लगातार गैर-विभागीय कार्य थोपे जा रहे हैं, जिससे उनकी कार्यकुशलता और फील्ड आधारित व्यवस्था गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। सचिवों ने यह सवाल भी उठाया कि जब ब्लॉक और जिला स्तर के किसी अधिकारी की उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज नहीं होती, तो केवल सचिवों को ही यह बाध्यकारी व्यवस्था क्यों लागू की जा रही है। उन्होंने बताया कि सचिवों का कार्यक्षेत्र पूरी तरह फील्ड आधारित है और एक-एक सचिव के पास 4 से 9 ग्राम पंचायतों का प्रभार होता है। ऐसे में किसी निश्चित स्थान पर समयबद्ध ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना व्यावहारिक रूप से असंभव है। इसके अलावा, जिस थर्ड पार्टी ऐप से उपस्थिति दर्ज कराने का प्रावधान किया गया है, उसे उन्होंने व्यक्तिगत डाटा और बैंकिंग सुरक्षा के लिए जोखिमपूर्ण बताते हुए नागरिकों के निजता के अधिकार का खुला उल्लंघन बताया। सचिवों ने कहा कि पहले से ही मनरेगा, आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, पेयजल, लेखा प्रणाली, वित्त आयोग, जन्मऽमृत्यु पंजीकरण, परिवार रजिस्टर आदि 29 विभागीय कार्यों का दबाव है। इसके अतिरिक्त कई विभाग उन्हें किसान पंजीकरण, पराली प्रबंधन, बूथ ड्यूटी, गौशाला संचालन, आयुष्मान कार्ड और पीएम सूर्यघर जैसे लक्ष्य आधारित कार्यों में भी लगा देते हैं। लगातार बढ़ते बोझ से सचिवों में मानसिक तनाव, अत्यधिक थकान और दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ता जा रहा है। ज्ञापन में सचिवों ने अपनी न्यूनतम शैक्षिक योग्यता इंटर से बढ़ाकर स्नातक करने, वेतनमान मैट्रिक्स-5 लागू करने, पदोन्नति में चली आ रही असमानता समाप्त करने, स्थानीय जनपदों में तैनाती सुनिश्चित करने तथा वाहनऽमोबाइल भत्ता और एठक्क सिम उपलब्ध कराने जैसी मांगें रखीं। उन्होंने ग्राम पंचायतों की ऑडिट प्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि वर्षों से लंबित ऑडिट आपत्तियों को देखते हुए अब पंचायतों का ऑडिट चार्टर्ड अकाउंटेंट या सोशल ऑडिटर से कराया जाना चाहिए, ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों बढ़े। अंत में संघ ने यह स्पष्ट मांग की कि जब तक सभी पंचायत स्तरीय कर्मचारियों पर समान उपस्थिति व्यवस्था लागू नहीं होती और सचिवों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं कराए जाते, तब तक ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था को तत्काल स्थगित किया जाए। सचिवों ने शासन से प्रतिनिधि मंडल के साथ वार्ता कर व्यावहारिक समाधान निकालने की मांग की, जिससे योजनाओं का क्रियान्वयन और सचिवों की फील्ड कार्यकुशलता प्रभावित न हो।

सीतापुर पहुंचे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक का टोल टैक्स पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता ने किया भव्य स्वागत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के सीतापुर आगमन पर खैराबाद नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता द्वारा खैराबाद मंडल की टीम के साथ भव्य स्वागत किया वहीं अध्यक्ष प्रतिनिधि के द्वारा स्मृति चिन्ह व माल्यार्पण कर उप मुख्यमंत्री जी का स्वागत किया उसके बाद उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक सीतापुर के अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ गए।

इस मौके पर सीतापुर भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला , एम एल सी पवन सिंह,भाजपा विधायक मनीष रावत,भाजपा जिला पदाधिकारी व अन्य गणमान्य मौजूद रहे । वहीं उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक द्वारा सीतापुर भाजपा जिला कार्यालय पर पहुंचकर जिले के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से एस आई आर प्रक्रिया के विषय में चल रही तैयारियों का जायजा लिया गया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर आयोजित समीक्षा बैठक में बोलते हुए कहा कि लोकतंत्र के लिए यह एस आई आर की प्रक्रिया महत्वपूर्ण है इससे लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियो को संबोधित करते हुए कहा यह एक महत्वपूर्ण कार्य है इसमें मतदाताओं एवं सरकारी कर्मचारियों की पूर्ण मदद करनी है जिससे किसी को भी कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया विपक्ष तरह-तरह की बातें कर रहा है परंतु यह क्रिया मतदाताओं के हित में है ?। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला व जिला प्रभारी नीरज सिंह द्वारा उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक का पटका पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया।

अपने उद्बोधन में जिला प्रभारी नीरज सिंह ने बताया की भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता व पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियां को बखूबी समझते हैं उन्हें यह समझना है की एस आई आर की प्रचलित क्रिया हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है इस क्रिया से जहां हमारे लोकतंत्र की खूबसूरत तस्वीर दुनिया के सामने होगी वहीं देश के अंदर घुसपैठियों के रूप में रह रहे अनऑथराइज्ड विदेशियों को देश से बाहर निकलाने का कार्य करेगी भारतीय जनता पार्टी की ही यह सोच है कि राष्ट्र संपूर्ण सुरक्षित रहे। हम सबको प्रत्येक बूथ पर सरकारी नियमों का पालन करते हुए इस प्रक्रिया में संपूर्ण ऊर्जा लगानी है।

जीएसटी की फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों की टैक्स चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

तीन गिरफ्तार, भारी मात्रा में फर्जी दस्तावेज व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। जनपदीय एसओजी, सर्विलांस सेल और थाना रौजा पुलिस की संयुक्त टीम ने जीएसटी की फर्जी फर्म बनाकर 10 करोड़ 77 लाख रुपयें की टैक्स चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से पुलिस टीम ने भारी मात्रा में फर्जी दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी बरामद किए हैं।

एसपी ने बताया कि बीती 28 मई को भावना चन्द्रा, सहायक आयुक्त राज्य कर ने थाना रौजा में फर्जी जीएसटी फर्म बनाकर टैक्स चोरी करने वालों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसी क्रम में गठित टीम को सूचना मिली कि फर्जी जीएसटी फर्म बनाकर टैक्स चोरी करने वाले गिरोह के कुछ लोग काले रंग की कार से लखनऊ से आ रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने अटसलिया पुल के पास घेराबंदी की और , भारी मात्रा में फर्जी दस्तावेज व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में दिल्ली के सेक्टर 11 रोहणी का रहने वाला गौरव यादव, दिल्ली के समयपुर बादली का दीपक कुमार और यूपी के जिला प्रयागराज के थाना नबाबगंज क्षेत्र का रहने वाला सिद्धार्थ पांडेय है।पुलिस पूछताछ में अभियुक्त गौरव यादव ने बताया कि वो सोशल मीडिया पर लोन दिलाने के नाम पर लोगों से आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि दस्तावेज ले लेता है और उनके फर्जी हस्ताक्षर व फर्जी रेन्ट एग्रीमेन्ट तैयार करता है। इन दस्तावेजों से फर्जी जीएसटी फर्म बनाकर बैंक में करंट एकाउंट खोले जाते हैं। फर्जी खरीद-बिक्री दिखाकर असली व्यापारियों को अवैध आईटीसी दिलाई जाती है। जिससे व्यापारियों को भारी टैक्स लाभ मिलता है और उन्हें अच्छा कमीशन मिलता है। बताया कि इस काम में कुछ बैंककर्मी भी सहयोग करते हैं। बताया कि फर्जी फर्म में छात्रों, नौकरी करने वालों और चालक-परिचालकों की आईडी का दुरूप्योग किया जाता है।

खुलासा: चोरी किए गए जेवर व नकदी समेत अभियुक्त गिरफ्तार

पुलिस ने अभियुक्त को चिंहित किया और बीती रात मुखबिर की सूचना पर गदियाना चुंगी में पक्का दीवान तालाब वाली रोड से बरेली के थाना फरीदपुर क्षेत्र के गांव ततापुर निवासी गुरदयाल पुत्र अंगनपाल को गिरफ्तार किया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। थाना सदर बाजार पुलिस ने रोडवेज बस स्टैण्ड से जेवर और नकदी चोरी करने के मामले में अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से पुलिस टीम ने चोरी किए गए जेवर और नकदी भी बरामद की है।

दरअसल, बीती 02 दिसम्बर को हरदोई जिले के थाना बेहटा गोकुल क्षेत्र के गांव शिरोमणिनगर निवासी बालकृष्ण बाजपेई ने थाना सदर बाजार पुलिस को तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह पत्नी और भाभी के साथ बरेली रिश्तेदारी में शादी समारोह में गए थे। दोपहर में वो परिवार के साथ ट्रेन से शाहजहांपुर आए। इसके बाद रोडवेज बस स्टैण्ड पर आए और हरदोई जाने वाली बस पर चढ़ गए। बस में पत्नी और भाभी को बैठाया तथा बस में बैग रख दिए। इसके बाद वो पानी की बोतल लेने के लिए बस नीचे उतर गए। इसी दौरान उनका बैग चोरी हो गया। बैग में करीब आठ लाख के जेवर, नकदी और कपड़े आदि थे।

तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की और रोडवेज बस स्टैण्ड के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। सीसीटीवी कैमरे में एक व्यक्ति खली हाथ बस पर चढ़ता दिखा और बैग लेकर नीचे उतरता दिखाई दिया।

पुलिस ने अभियुक्त को चिंहित किया और बीती रात मुखबिर की सूचना पर गदियाना चुंगी में पक्का दीवान तालाब वाली रोड से बरेली के थाना फरीदपुर क्षेत्र के गांव ततापुर निवासी गुरदयाल पुत्र अंगनपाल को गिरफ्तार किया। जिसके कब्जे से पुलिस टीम ने चोरी की गईं तीन अंगूठियां और 550 रूपए नकद बरामद किए। पुलिस के अनुसार पकड़े गए अभियुक्त पर पूर्व में भी फरीदपुर थाने में मुकदमें दर्ज है। पुलिस ने विधिक कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को जेल भेज दिया है। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना सदर बाजार के उपनिरीक्षक अक्षय पंवार के साथ का. मनीष कुमार आदि मौजूद रहे।

नकाबपोश उचक्के ने मचाया कोहराम, एक घंटे में तीन दुकानों से नकदी पार, जांच में जुटी पुलिस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। शहर में गल्ला चोरी करने वाले उचक्कों का गैंग सक्रिय हो गया है, जिसने दिनदहाड़े अलगऽअलग इलाकों में दुकानों को निशाना बनाकर करीब एक घंटे के भीतर तीन वारदातों को अंजाम दे डाला। इन घटनाओं से व्यापारियों में हड़कंप मच गया है और बाजार क्षेत्रों में दहशत का माहौल बन गया है।पहली घटना कचहरी रोड की है, जहां पंजाब नेशनल बैंक की बिल्डिंग के नीचे स्थित स्लीपवैल शोरूम में एक अज्ञात युवक ग्राहक बनकर पहुंचा। उसने पहले दुकानदार से बातचीत की और अलगऽअलग उत्पाद दिखाने के बहाने उसका ध्यान भटकाया। इसी दौरान मौका पाकर वह कैश काउंटर से 25,510 रुपये निकालकर चुपचाप फरार हो गया। जब दुकानदार को पैसे गायब होने की जानकारी हुई, तब तक उचक्का गायब हो चुका था। पूरी घटना शोरूम में लगे एएट्ठ्ठ कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित दुकानदार ने कोतवाली में तहरीर सौंपकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।इसी क्रम में कुछ ही देर बाद इमली चौराहे के पास स्थित मैगी आइसक्रीम पार्लर में भी इसी अंदाज में चोरी की घटना सामने आई। यहां भी वही मास्क पहने युवक ने दुकानदार का ध्यान बंटाया और गल्ले से 6,500 रुपये निकालकर फरार हो गया। यह वारदात भी एएट्ठ्ठ कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है।इसके बाद महावर कंप्यूटर की दुकान पर भी उचक्कागिरी की कोशिश की गई। यहां भी आरोपी उसी तरीके से दुकान में घुसा, लेकिन दुकानदार की सतर्कता से बड़ी चोरी होने से बच गई। हालांकि, इससे यह साफ हो गया कि एक ही गैंग शहर में घूमऽघूमकर दुकानों को निशाना बना रहा है।जानकारी के अनुसार तीनों घटनाओं में आरोपी का हुलिया और तरीका एक जैसा बताया जा रहा है, जिससे यह आशंका गहराई है कि यह किसी संगठित गिरोह की कारस्तानी है। करीब एक घंटे के भीतर तीन दुकानों को निशाना बनाकर उचक्के लगभग 31 हजार रुपये लेकर फरार हो गए।व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द एएट्ठ्ठ फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी की जाए और बाजार क्षेत्रों में नियमित पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए।पुलिस का कहना है कि सभी एएट्ठ्ठ फुटेज को खंगाला जा रहा है, संदिग्ध की पहचान करने की कोशिश की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। साथ ही दुकानदारों से भी अपील की गई है कि वे कैश काउंटर पर विशेष सतर्कता बरतें, संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत पुलिस को सूचना दें और अपने कैमरों को दुरुस्त रखें।

समन्वय समिति का सत्याग्रह जारी मांगों पर अड़े अधिकारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नकहा खीरी। ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति के बैनर तले नकहा ब्लॉक मुख्यालय पर कर्मचारियों का शांतिपूर्ण सत्याग्रह आंदोलन लगातार पांचवे दिन भी जारी रहा। आंदोलनकारी अधिकारियों व कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली और ग्राम पंचायत सचिवों से कराए जा रहे गैर-विभागीय कार्यों का विरोध जताया।

कर्मचारियों का कहना है कि ऑनलाइन उपस्थिति के नाम पर अनावश्यक दबाव डाला जा रहा है, वहीं विभागीय दायित्वों के अतिरिक्त अन्य काम सौंपे जाने से कार्य प्रभावित हो रहा है। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि आज दोपहर एक बजे तक उनकी मांगों पर सहमति नहीं बनती, तो वे सरकारी विभागों से जुड़े सोशल मीडिया व्हाट्सएप ग्रुप्स से सामूहिक रूप से लेफ्ट हो जाएंगे।धरनास्थल पर प्रिया वर्मा, सीमा मिश्रा, शशि शेखर मिश्रा, आशुतोष वर्मा, सोनू वर्मा, पूजा वर्मा, मनीष सिंह, सुधीर कुमार, सतवीर राणा, सर्वेश कुमार, अंजलि भास्कर, राहुल सिंह सहित अनेक ग्राम पंचायत अधिकारी व ग्राम विकास अधिकारी मौजूद रहे।आंदोलनकारियों ने प्रशासन से जल्द वार्ता कर व्यावहारिक समाधान निकालने की मांग की, ताकि व्यवस्था प्रभावित न हो और कर्मचारियों की समस्याओं का न्यायोचित निस्तारण हो सके।

खैराबाद नगर क्षेत्र में बिना पंजीकरण नहीं चलेंगे ई-रिक्शा

खैराबाद। नगर क्षेत्र खैराबाद में बिना पंजीकरण के नहीं चलेगें ई-रिक्शा नगर क्षेत्र में सूचारू यातायात व्यवस्था, यात्रियों की सुरक्षा, अवैध वाहनों पर रोक के उद्देश्य से ई-रिक्श पंजीकरण की प्रक्रिया प्रारम्भ की जा रही है।

नगर पालिका परिषद खैराबाद की सीमा के अन्तर्गत संचालित सभी ई-रिक्शा (नई या पुरानी) का नगर पालिका में पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। बिना पंजीकरण के किसी भी ई-रिक्शा का संचालन प्रतिबन्ध रहेगा। जिसके लिये नगर पालिका परिषद खैराबाद जनपद सीतापुर द्वारा मुनादी के माध्यम से भी सूचित किया जा रहा है कि, नगर पालिका परिषद खैराबाद की सीमा के अंदर संचालित सभी ई-रिक्शाओं के संचालक व चालक अपने आधार कार्ड, ड्राईविंग लाईसेन्स, वाहन के कागज़ तथा दो फोटो के साथ नगर पालिका कार्यालय में उपस्थित होकर दिनांक 12 दिसम्बर, 2025 तक अनिवार्य रूप से ई-रिक्शा का पंजीकरण करा लें। नगर क्षेत्र में बिना पंजीकरण के कोई भी ई-रिक्शा संचालित नहीं किया जायेगा। ई-रिक्शा संचालन हेतु नगर पालिका द्वारा चालक को आई0डी0 कार्ड तथा होलोग्राम स्टीकर/क्यू आर कोड उपलबध कराया जायेगा। जिसे ई-रिक्शा पर अनिवार्य रूप से लगाना अनिवार्य होगा एवं निर्धारित रूट पर ही ई-रिक्शा चलेंगें।

सांसद की मांग: वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव शाहजहांपुर स्टेशन पर किया जाए

शाहजहांपुर। सांसद अरूण कुमार सागर ने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव शाहजहांपुर स्टेशन पर किए जाने की मांग की है।सांसद अरूण कुमार सागर ने कहा कि वो सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। जिनकी दूरदर्शी सोच से वंदे भारत ट्रेनें देश की रफ्तार बढ़ा रही हैं। यह ट्रेनें न केवल यात्रियों को तेज और आरामदायक सफर दे रही हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर रही हैं। इसी तरह रेल मंत्री की कुशल नेतृत्व में रेलवे विभाग निरंतर प्रगति की राह पर अग्रसर है और उनकी मेहनत से लाखों यात्रियों का जीवन आसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी लोकसभा क्षेत्र शाहजहांपुर के लोगों की ओर से एक मांग सदन में उठाना चाहता हैं कि लखनऊ से दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन शाहजहांपुर होते हुए शुरू हो और इस ट्रेन का ठहराव शाहजहांपुर स्टेशन पर सुनिश्चित किया जाए। कहा कि उन्होंने एक जुलाई 2025 को रेल मंत्री को पत्र लिखा था, जिस पर उन्होंने 22 जुलाई को जांच के निर्देश दिए। कहा कि शाहजहांपुर स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस के ठहराव की सकारात्मक कार्यवाही जल्द की जाए।

स्मैक के साथ बरेली का तस्कर गिरफ्तार

शाहजहांपुर। जनपद में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान में थाना तिलहर पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर बंथरा ओवर ब्रिज के पास से एक बाइक सवार मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया। जिसके कब्जे पुलिस टीम ने 30 ग्राम से अधिक स्मैक और करीब पांच किलोग्राम बैंटोनाइट पाउडर बरामद किया। पकड़ा गया तस्कर जनपद बरेली के थाना फरीदपुर क्षेत्र के गांव बेहरा का रहने वाला मासूम अली पुत्र महमूद अली है। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से न्यायिक अभिरक्षा में उसे जेल भेज दिया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना तिलहर के उपनिरीक्षक गौरव कुमार के साथ महिला उपनिरीक्षक नेहा सैनी, कां. रजत मलिक और अमित कुमार मौजूद रहे।

सुरक्षा व शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए किया पैदल गश्त

शाहजहांपुर। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी नगर पंकज पंत ने सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना सदर बाजार और महिला थाना पुलिस टीम के साथ पैदल गश्त किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के मुख्य मार्गों, बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों का भ्रमण कर कानून व्यवस्था, यातायात व्यवस्था तथा जनसुरक्षा की स्थिति का जायजा लिया और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को अधिक सतर्कता, सक्रियता एवं विनम्रता के साथ जनता से संवाद स्थापित करने के निर्देश दिए।

निघासन में अवैध गैस रिफिलिंग बनी आग का कारण, मारुति वैन धू-धू कर जली

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। निघासन कस्बे के पलिया रोड पर गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब अवैध रूप से गैस रिफिलिंग करते समय एक मारुति वैन में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में वैन आग का गोला बन गई और आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सड़क किनारे एक दुकान/स्थल पर घरेलू गैस सिलेंडर से सीधे वाहन में गैस भरी जा रही थी। इसी दौरान अचानक रिसाव हुआ और चिंगारी लगते ही वैन ने आग पकड़ ली। देखते ही देखते आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया।घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकल कर्मियों की तत्परता से आस-पास खड़े अन्य वाहनों और दुकानों को आग की चपेट में आने से बचा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि वैन पूरी तरह जलकर खाक हो गई।यह घटना जिले में चल रहे अवैध गैस रिफिलिंग के धंधे की गंभीर सच्चाई को उजागर करती है। नियमों के विरुद्ध खुलेआम गैस सिलेंडरों से वाहनों में गैस भरी जा रही है। यह न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि आम जनता की जान के साथ खुला खिलवाड़ भी है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस अवैध कारोबार की जानकारी संबंधित विभागों को वर्षों से है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति होती रही है। नतीजा यह है कि ऐसे खतरनाक काम लगातार फल-फूल रहे हैं और जब हादसा होता है, तब अस्थायी सक्रियता दिखाई जाती है।

कोतवाली सदर पुलिस ने साइबर ठगी के शिकार 11 लोगों को 1.99 लाख की कराई वापस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखीमपुर खीरी। साइबर अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना कोतवाली सदर पुलिस ने एक सराहनीय कार्य करते हुए साइबर ठगी के शिकार 11 लोगों की कुल 01 लाख 99 हजार 426 रुपये की धनराशि सुरक्षित वापस कराई है।

यह कार्रवाई दिनांक 05 दिसंबर 2025 को की गई, जिससे पीड़ितों को बड़ी राहत मिली है। कोतवाली सदर क्षेत्र के अलग-अलग मामलों में लोगों के साथ क्रेडिट कार्ड, यूपीआई, ई-वॉलेट और इंटरनेट के माध्यम से धोखाधड़ी की गई थी। शिकायत मिलते ही थाना कोतवाली सदर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू करते हुए जिन खातों और मर्चेंट अकाउंट में पीड़ितों की रकम ट्रांसफर की गई थी, उन्हें तत्काल प्रभाव से बैंक के माध्यम से होल्ड और फ्रीज कराया। इसके बाद बैंक अधिकारियों के सहयोग से सभी पीड़ितों की रकम सुरक्षित उनके खातों में वापस कराई गई।

यह कार्रवाई दिनांक 05 दिसंबर 2025 को की गई, जिससे पीड़ितों को बड़ी राहत मिली ह

कोतवाली सदर क्षेत्र के अलग-अलग मामलों में लोगों के साथ क्रेडिट कार्ड, यूपीआई, ई-वॉलेट और इंटरनेट के माध्यम से धोखाधड़ी की गई थी

पुलिस के अनुसार राहुल कुमार से क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 10 हजार रुपये, अभिषेक वर्मा से यूपीआई द्वारा 5 हजार रुपये, आनंद कुमार से क्रेडिट कार्ड से 14 हजार 500 रुपये, अमन अंसारी से यूपीआई के जरिए 29 हजार 980 रुपये, मुनेर सिंह से यूपीआई से 21 हजार 848 रुपये, सुभोष से क्रेडिट कार्ड से 2 हजार 598 रुपये, मृदुल सिंह से यूपीआई के माध्यम से 10 हजार 500 रुपये, नाजिम से यूपीआई से 25 हजार रुपये, राहुल कश्यप से ई-वॉलेट के जरिये 10 हजार रुपये, अनिल कुमार से इंटरनेट के माध्यम से 63 हजार रुपये तथा अजय कुमार से यूपीआई के जरिये 7 हजार रुपये की ठगी की गई थी, जिसे पुलिस ने वापस कराया।इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक अपराध श्री दिनेश कुमार शर्मा, कांस्टेबल सचिन चौधरी और महिला कांस्टेबल मानसी खरे की भूमिका उल्लेखनीय रही। पीड़ितों ने पुलिस टीम की तेज और प्रभावी कार्रवाई की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया है।थाना कोतवाली सदर पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल, मैसेज या लिंक पर भरोसा न करें, ओटीपी या बैंक संबंधित जानकारी किसी से साझा न करें और किसी भी साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई कर ठगी की रकम को रोका जा सके।जनपद पुलिस का साफ संदेश है- सतर्क रहें, सुरक्षित रहें, साइबर अपराधियों से बचें।

पालिकाध्यक्ष फात्मा रज़ा ने ब्लड बैंक शिविर का किया उद्घाटन

उद्घाटन अवसर पर एचडीएफसी बैंक के मैनेजर अभिषेक अरोड़ा ने मुख्य अतिथि फात्मा रज़ा का बुके भेंट कर स्वागत और सम्मान किया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। नगर पालिका अध्यक्ष फात्मा रज़ा ने एचडीएफसी बैंक की ओर से आयोजित ब्लड बैंक शिविर का शुभारंभ किया। सामाजिक सरोकारों से जुड़े इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में नगर में स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

उद्घाटन अवसर पर एचडीएफसी बैंक के मैनेजर अभिषेक अरोड़ा ने मुख्य अतिथि फात्मा रज़ा का बुके भेंट कर स्वागत और सम्मान किया। उन्होंने बताया कि समाज में रक्तदान जैसे मानवीय कार्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बैंक समय-समय पर इस प्रकार के शिविर आयोजित करता है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। मुख्य अतिथि फात्मा रज़ा ने कहा कि रक्तदान महादान है और युवाओं को इस पुनीत कार्य में आगे आना चाहिए। उन्होंने शिविर में जुटे बैंक कर्मियों और रक्तदाताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि जीवन बचाने की दिशा में यह पहल बेहद प्रेरणादायक है और ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं। उन्होंने बताया कि नगर पालिका भी जनहित से जुड़े कार्यों में सदैव सहयोग करने के लिए तत्पर है। उन्होंने बैंक प्रबंधन को धन्यवाद देते हुए कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाने चाहिए ताकि अधिक से अधिक लोग रक्तदान से जुड़ सकें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बैंक मैनेजर अभिषेक अरोड़ा ने बताया कि रक्तदान से किसी का जीवन बचाया जा सकता है, इसलिए नागरिकों को अधिक संख्या में रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बैंक की सामाजिक जिम्मेदारी के तहत ऐसे आयोजन आगे भी जारी रहेंगे। शिविर स्थल पर बड़ी संख्या में बैंक कर्मी और स्थानीय लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर बैंक अधिकारी अभिषेक चंद्रा, शुभम गर्ग, रियांशी रस्तोगी, अरुण शर्मा समेत अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे और उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

छुट्टा पशुओं को बंजारे पकड़कर सौंप देते थे मुरादाबाद के गोतस्करों को

पूछताछ में आरोपियों ने पशु तस्करी का राज खोल दिया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। जंगल में छुट्टा पशुओं के साथ पकड़े गए बंजारों और उनके परिवार की महिलाओं से दूसरे दिन भी पुलिस ने पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने पशु तस्करी का राज खोल दिया। बोले, उन्होंने ही गंगा किनारे से छुट्टा पशुओं को पकड़ा है। वे पकड़कर इन्हें मुरादाबाद के गोतस्कर राजवीर भल्ला को बेच देते थे।

पुलिस ने बंजारों समेत महिलाओं पर गोहत्या और पशु क्रूरता अधिनियम में कार्रवाई की है। पुलिस के मुताबिक-पकड़े गए बंजारे राजस्थान के भीलबाड़ा जिले में पारोली थाना क्षेत्र के गांव भगवानपुर निवासी मंगल सिंह पुत्र हजारी, दीवान सिंह पुत्र हीरा सिंह, लक्ष्मण उर्फ लच्छो पुत्र नक्कू, मंजू पत्नी मंगल सिंह, रेखा पत्नी हीरा सिंह और कोटा जिले में डिबलाना थाना क्षेत्र के गांव ग्राम माता निवासी बादाम पत्नी केशव हैं। बंजारों ने पुलिस को बताया कि वह अपने पशुओं को चराने के लिए गंगा किनारे के शहर-कस्बों से जुड़े जंगल में चले जाते हैं। साथ में मौजूद महिलाएं उनके लिए ढाल बनती हैं। इस दौरान जंगल में गोवंशीय छुट्टा पशु नजर आने पर उन्हें पकड़ लेते हैं। पकड़े गए गोवंशीय पशुओं को वह मुरादाबाद निवासी राजवीर भल्ला नामक व्यक्ति को बेच देते हैं। आरोप है कि मंगलवार रात मुरादाबाद से मंगवाए गए कैंटर में गोवंशीय पशुओं को लाद दिया गया था। उसी दौरान पशु प्रेमियों समेत इलाके के लोगों ने उन्हें घेर लिया। सहसवान पुलिस ने आरोपियों के चंगुल से मुक्त कराए गए गोवंशीय पशुओं में 36 गाय, 22 बैल और एक सांड, दो बछिया और चार बछड़े हैं। इन्हें सहसवान क्षेत्र में जखूपुरा के गोआश्रय में भेजा गया है। गिरफ्तार बंजारों और उनके परिवार की महिलाओं का पुलिस ने मेडिकल कराने के बाद कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। इसी के साथ पुलिस ने धंधेबाज मुरादाबाद निवासी भल्ला की तलाश शुरू कर दी है। मुरादाबाद पुलिस से भल्ला के बारे में जानकारी मांगी गई है। प्रभारी निरीक्षक धनंजय सिंह ने बताया कि भल्ला के पते की जानकारी कर उसे भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पशु प्रेमियों के पहुंचने से उजागर हुआ था गोरखधंधा पकड़े गए बंजारों और उनके परिवार की महिलाओं ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि वह कई दिन से जंगल में रह रहे हैं। ग्रामीणों की सूचना के बाद पशु प्रेमी पूर्व जिला पंचायत सदस्य संजीव प्रजापति, विकेंद्र शर्मा और श्याम शर्मा सक्रिय हो गए थे। पशु प्रेमियों के हस्तक्षेप से यह गोरखधंधा सामने आया। सहसवान, उझानी और मुजरिया थाना पुलिस तो पहले ही अनजान थी। यहां तक कि पुलिस का खुफिया तंत्र भी फ़ेल हो गया। हालांकि यह लोगों की समझ से परे है। तीन थाना क्षेत्रों के बॉर्डर का बंजारों ने उठाया फायदा गोवंशीय छुट्टा पशुओं को घेरकर तस्करों के हाथों बेचे जाने के धंधे का भंडाफोड़ हो जाने के बाद इलाके में बंजारों की मौजूदगी ने कई और सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल, जंगल में कैंटर पकड़े जाने के बाद जिस स्थान पर बंजारे हत्थे चढ़े, वह उझानी, सहसवान और मुजरिया थाना क्षेत्र के बॉर्डर पर है। बंजारों ने इसका सबसे ज्यादा फायदा उठाया। अफसरों ने इसकी गहनता से जांच कराई तो पुलिस की ढिलाई भी सामने आ सकती है।

बिना लाइसेंस संचालित मिला मेडिकल स्टोर, 1.4 लाख रुपये की दवाएं जब्त

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। बिल्सी तहसील क्षेत्र के गांव बांस बरोलिया में बिना वैध लाइसेंस के संचालित एक मेडिकल स्टोर पर बृहस्पतिवार को जिला औषधि निरीक्षक (डीआई) लवकुश प्रसाद ने छापा मारा। निरीक्षण के दौरान मेडिकल स्टोर पर बिना लाइसेंस के भारी मात्रा में दवाएं पाई गईं। टीम ने करीब 1.40 लाख रुपये मूल्य की दवाओं को मौके से जब्त कर लिया।

सूत्रों के अनुसार, यह मेडिकल स्टोर रोहताश शाक्य पुत्र झंडू सिंह द्वारा संचालित किया जा रहा था। औषधि निरीक्षक ने बताया कि उक्त व्यक्ति द्वारा पूर्व में लाइसेंस बनवाया गया था, जिसकी 2023 में समय सीमा समाप्त हो चुकी है। अब वह बिना वैध लाइसेंस के संचालित था। नियमानुसार, लाइसेंस न होने पर दवाओं का भंडारण व बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित है। इस मामले में संबंधित संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेज दी गई है। गौरतलब है कि उक्त संचालक द्वारा कुछ समय पहले गांव सिमर्रा भोजपुर निवासी एक युवक को इंजेक्शन लगाया गया था, जिसके बाद उसकी मौत हो गई थी। मृतक के परिजनों ने मामले की शिकायत जिलाधिकारी से की थी। शिकायत के बाद ही जांच प्रक्रिया तेज की गई और टीम ने मौके पर पहुंचकर छापा मारा। प्रशासनिक टीम ने सभी दवाओं को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में अवैध मेडिकल स्टोरों के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन को लेकर बैठक

कैनविज टाइम्स सवाददाता

बैठक का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की लंबित समस्याओं का त्वरित समाधान करना तथा न्याय तक सहज पहुंच सुनिश्चित करना रहा

चन्दौसी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में प्रास्तावित आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांकित 13.12.2025 के सफलता पूर्वक आयोजन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के संबंध में माननीय जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, डॉ विदुषी सिंह की अध्यक्षता में आज दिनांक 05.12.2025 को समय 4.30 बजे प्रशासन के समस्त अधिकारीगण के साथ माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय के विश्राम कक्ष में एक बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की लंबित समस्याओं का त्वरित समाधान करना तथा न्याय तक सहज पहुंच सुनिश्चित करना रहा।अधिकारियों द्वारा बताया गया कि लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्याओं का सरलीकृत, सुलभ और त्वरित निपटारा सुनिश्चत करना है। बैठक में नागरिकों की शिकायतों, राजस्व सम्बन्धी मामलों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, पेंशन, श्रम विवाद, बैंक मामले तथा अन्य जनहित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गयी।अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद सम्भल द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त अधिकारीगण को लम्बित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण हेतु, जनसुनवाई को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने, विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने, आमजन को योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।उक्त बैठक के अवसर पर नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधांश, सम्भल स्थित चन्दौसा श्री अवधेश कुमार सिंह, प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जनपद सम्भल स्थित चन्दौसी श्री पराग यादव, पुलिस विभाग से श्री कुलदीप सिंह, राजस्व विभाग से श्री सुधीर कुमार एवं आशुतोष तिवारी, सूचना विभाग से श्री बृजेश कुमार, नगर पालिका चन्दौसी से श्री धर्मराज, राम, दीपलव श्रीवास्तव, नवीन गुप्ता, तहसीलदार चन्दौसी श्री सतेन्द्र सिंह, तहसीलदार गुन्नौर श्री रविन्द्र विक्रम, नगर पालिका नरौली से श्री राजीव कुमार, नगर पालिका बबराला से श्री अजय कुमार शुक्ला, नगर पालिका गुन्नौर से श्री अमोघ तिवारी आदि उपस्थित रहे। यह जानकारी नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत / अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सम्भल स्थित चन्दौसी श्री अवधेश कुमार सिंह द्वारा दी गयी।

अवैध खनन करते जेसीबी एवं गारा बनाने वाली मशीन जब्त

सम्भल (बहजोई)। तहसील चंदौसी के ग्राम सराय ज्वालापुरी में खनन निरीक्षक शिवम कुमार द्वारा मिट्टी का अवैध खनन करते हुए एक जेसीबी और गारा बनाने वाली मशीन को पकड़ा गया। उक्त मशीनों द्वारा बिना विनियमन शुल्क जमा किए हुए एक भट्टे में मिट्टी का खनन कर ईट पलोथन का कार्य किया जा रहा था। खनन निरीक्षक द्वारा जेसीबी को पकड़ कर थाना कुढ़फतेहगढ़ में सुपुर्द किया गया।

सरकारी वाहनों का उचित मेंटेनेंस रखने के निर्देश

शिकारपुर (बुलंदशहर)। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉक्टर तेजवीर सिंह द्वारा कोतवाली शिकारपुर के अर्धवार्षिक निरीक्षण के दौरान विभिन्न अभिलेखों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक को सरकारी वाहनों का सही मेंटेनेंस रखने को निर्देशित गया। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉक्टर तेजवीर सिंह द्वारा विभिन्न अभिलेखों, शस्त्रागार, माल खाना, मैस, कार्यालय आदि सहित आवासीय परिसर और बैरक का निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने अपराध निरीक्षक वीरेंद्र कुमार को थाना परिसर को स्वच्छ रखने, सरकारी संपत्ति की देखभाल करने, अभिलेखों को व्यवस्थित कर संभालकर रखने के भी निर्देश दिए। दरोगाओं को पिस्टल और सिपाहियों से रायफल खुलवा और बंद करा कर चेक किया गया तथा हथियारों की उचित सफाई करने को कहा गया। अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस और 6 दिसंबर की घटना को लेकर पुलिस को चौकसी बरतने के साथ लोगों से अधिक से अधिक जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने को कहा। सभी विवेचकों को विवेचनाओं का त्वरित निस्तारण करने को कहा गया। हल्का बुक चैक करते हुए सही करने का निर्देश दिया गया है।

तमंचे से फायर कर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बबराला। झगड़े के दौरान तमंचे से फायर कर जानलेवा हमला करने के मामले में वांछित चल रहा अभियुक्त कैलाश पुत्र जीराज निवासी मेहुआ हसनगंज, थाना बबराला (जनपद सम्भल) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अभियुक्त की उम्र लगभग 22 वर्ष बताई गई है।बीएनएस के तहत दर्ज इस मुकदमे में आरोप है कि झगड़े के दौरान कैलाश ने वादी पर जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायर किया था, जिसके बाद से वह फरार चल रहा था।दिनांक 04 दिसंबर 2025 को बबराला थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर नंगलिवा काजी चौराहे से अभियुक्त कैलाश को दबोच लिया। तलाशी में उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त अवैध .315 बोर का तमंचा व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।पुलिस ने अभियुक्त को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के उपरांत न्यायालय में पेश कर दिया है।

25 से कम सवारियों पर रात में नहीं चलेगी रोडवेज बस

बदायूं। रोडवेज बस अड्डे से रात में आठ बजे के बाद बसें तब ही जाएंगी जब उनमें 25 सवारियां बैठी होंगी। रात के समय बदायूं बस अड्डे से अलग-अलग स्थानों के लिए 15 से अधिक बसें जाती हैं। अधिकारियों ने इस आदेश की प्रति चालकों व परिचालकों को भेज दी है। रोडवेज से रात आठ बजे के बाद चन्दौसी के लिए दो और 13 से अधिक रोडवेज बसें दिल्ली जाती हैं, लेकिन अब परिवहन निगम ने निर्णय लिया है कि रात के समय अगर बस में 25 से कम यात्री हैं तो वह आगे नहीं जाएंगी। साथ ही दिन में चलने वाली बस में 35 यात्री होना अनिवार्य रहेंगे। निगम ने यह निर्णय रात के समय 25 यात्री से कम होने पर रोडवेज बसें चलाने में आ रहे नुकसान को देखते हुए लिया है। सर्दी बढ़ने से यात्रियों की संख्या घटी है। ऐसे में रात में अधिकतर बसें खाली आ-जा रहीं हैं। जिले में सबसे व्यस्त माने जाने वाले बदायूं-मेरठ हाईवे की बसों में भी यात्रियों की संख्या में कमी आई है। ऐसे में परिवहन निगम ने यह निर्णय लिया है। बस स्टैंड पर रहेगी यात्रियों के रुकने की व्यवस्था रोडवेज बस स्टैंड पर यात्रियों के रुकने की व्यवस्था रहेगी। यहां एक रैन बसेरा खोला गया है, जिसमें ठंड से बचाव के इंतजाम किए गए हैं। यात्रियों को रजाई गद्दे उपलब्ध कराए गए हैं और एक अलाव भी लगवाया जाएगा। यहां रोजाना कम से कम 20-25 लोगों के रात में रुकने की व्यवस्था की गई है। सर्दी बढ़ने से यात्रियों की संख्या में कमी आई है। रात को यात्री नहीं मिल रहे हैं। इसके लिए सभी चालक-परिचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि जब तक बसों में 25 सवारियां नहीं होंगी, तब तक बस रवाना नहीं होगी। बसों को सुबह रवाना किया जाएगा। राजेश पाठक, एआरएम परिवहन निगम।

ब्लूमिंगडेल स्कूल के होनहार छात्र अमन का फ्लाइंग ऑफिसर पद पर चयन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। ब्लूमिंगडेल स्कूल के होनहार छात्र अमन सिंह ने अपने सपनों की ऊँची उड़ान भरते हुए एन0डी0ए0 में फ्लाइंग ऑफिसर पद हेतु प्रशिक्षण पूर्ण कर अपने माता पिता एवं स्कूल का नाम रोशन कर दिया है।

अमन सिंह प्रारंभ से ही अत्यंत प्रतिभाशाली रहे हैं। उनकी पहचान एक अनुशासन प्रिय, व्यवहारिक छात्र के रूप में हो रही है। सन २०२२ में विज्ञान वर्ग में 98%, अंक प्राप्त कर उन्होंने अपनी योग्यता प्रमाणित कर दी थी। जिस वर्ष उन्होंने 10वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की उसी वर्ष ही अमन ने प्रथम प्रयास में ही एन0डी0ए0 की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी प्रतिभा का परचम लहरा दिया था। उन्होंने अन्य विद्यार्थियों को भी इस प्रकार से सफलता की ओर अग्रसर होने हेतु प्रेरित किया। इस अविस्मरणीय अवसर पर स्कूल प्रबंधन द्वारा अमन सिंह को सम्मानित किया गया। गया। इस मौके पर स्कूल अध्यक्षा पम्मी मेंहदीरत्ता ने कहा कि यदि विद्यार्थियों में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की ललक हो तो वो हर परिस्थिति का सामना कर अपनी मंजिल तक अवश्य पहुँचते हैं जैसा कि अमन ने कर दिखाया। इस मौके पर फ्लाइंग ऑफिसर पद पर नियुक्त छात्र ने अपनी सफलता एवं संघर्षों के विषय में विचार अभिव्यक्त किए, उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, स्कूल प्रबंधन, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं अन्य सहयोगियों को देते हुए उन्हें भी प्रेरित किया। इस मौके पर निदेशक ज्योति मेंहदीरत्ता, मैनेजिंग हेड ईशान व श्वेता मेंहदीरत्ता, प्रधानाचार्य संजीव सिंह राठौर उपप्रधानाचार्य परशुराम मिश्रा, कॉर्डिनेटर अंजला सोनी, एन0सी0सी0 लेफ्टिनेंट अपर्णा यादव एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उन्हें इस अभूतपूर्व सफलता की शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस सुअवसर पर समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

बमनपुरी प्रधान चुनाव की पुनर्मतगणना पूरी कमलेश सात वोटों से दुबारा विजयी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सम्भल, गुन्नौर। ग्राम पंचायत बमनपुरी के वर्ष 2021 में हुए प्रधान चुनाव को लेकर चल रहा विवाद आखिरकार पुनर्मतगणना के बाद समाप्त हो गया है। कोर्ट के आदेश दिनांक 26 सितंबर 2025 तथा विचारणीय न्यायालय के आदेश 26 नवंबर 2025 के अनुपालन में शुक्रवार को पुनर्मतगणना कराई गई।

नेमसिंह पुत्र देवराज ने पिछली मतगणना पर सवाल उठाते हुए चुनाव याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई के बाद न्यायालय ने पुनर्मतगणना कराने का निर्देश दिया था।शुक्रवार को प्रभारी सहायक विकास अधिकारी कमल सिंह मतपत्रों को पुलिस अभिरक्षा में लेकर न्यायालय पहुंचे। दोनों पक्षों की मौजूदगी और वीडियोग्राफी के बीच मतपेटियां खोली गईं और पुनर्मतगणना की गई। पुनर्मतगणना में याची नेमसिंह को कुल 307 वोट, जबकि वर्तमान प्रधान कमलेश पत्नी अजयपाल को 314 वोट मिले। इस प्रकार कमलेश को 7 वोटों की बढ़त के साथ पुनः विजयी घोषित किया गया।इससे पूर्व कमलेश वर्ष 2021 के चुनाव में 2 वोटों से विजयी हुई थीं। पुनर्मतगणना के बाद उनकी जीत का अंतर बढ़ गया है। न्यायालय ने मतगणना प्रक्रिया पूर्ण होने पर पत्रावली को अंतिम आदेश के बाद दाखिल दफ्तर करने के निर्देश दिए हैं।

बाबा बबुरिहा मैदान में चल रहे महराजगंज प्रीमियर लीग का आज क्वार्टर फाइनल मैच सम्पन्न

रायबरेली। बाबा बबुरिहा मैदान में चल रहे महराजगंज प्रीमियर लीग का आज क्वार्टर फाइनल मैच खेला गया। आज का मैच सम्राट अमन 11 अजीजगंज और पूरे गुलाब सिंह क्रिकेट क्लब के बीच रहा। टॉस जीतकर अमन 11 की टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाजी करते हुए अमन 11 की टीम ने 12 ओवर में 152 रन का बड़ा लक्ष्य दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी गुलाब सिंह क्रिकेट क्लब की टीम 102 बनाकर ऑल आउट हो गई। यह मैच 50 रनों से जीतकर अमन 11 की टीम ने सेमीफाइनल में अपनी जगह बना ली। आमिर ने 68 रन ऑन की बेहतरीन पारी खेल कर मैन ऑफ द मैच बने। इस मौके पर अर्पित पंडित, राजवीर सिंह, ऋषभ वर्मा, वाहिद अली, अर्पित वर्मा, अंश , समीर मौजूद रहे।

कोतवाली क्षेत्र में खेत में गुड़ाई कर रहे एक व्यक्ति के साथ मारपीट और जान से मारने की दी धमकी

रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र में खेत में गुड़ाई कर रहे एक व्यक्ति के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।आवेदक वीरेंद्र कुमार पुत्र रामप्यारे, निवासी ग्राम थरी मजरे मांझगाँव, ने महराजगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि जब वह अपने खेत में गुड़ाई कर रहे थे, तभी विपक्षी शिवबालक पुत्र लल्लू और शिवप्यारी पत्नी शिवबालक, जो उसी गांव के निवासी हैं, वहां आए और उनके साथ मारपीट की।वीरेंद्र कुमार के अनुसार, मारपीट के दौरान उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस घटना के पीछे पुरानी रंजिश को मुख्य कारण बताया जा रहा है। यह घटना 5 दिसंबर 2025 को सुबह 6 बजे आवेदक के खेत में हुई। महराजगंज पुलिस ने वीरेंद्र कुमार की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में अभियोग दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।मामले में कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव ने बताया कि वीरेंद्र कुमार की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया गया विदित कार्रवाई की जा रही है।

पुरासी गांव स्थित बाबा प्राण दास की कुटी प्रांगण में परंपरागत पांच दिवसीय मेले का शुभारम्भ

रायबरेली। पुरासी गांव स्थित बाबा प्राण दास की कुटी प्रांगण में पिछले 200 वर्षों से लगने वाला परंपरागत पांच दिवसीय मेला इस वर्ष भी पूरे हर्षोल्लास के साथ शुक्रवार, 5 दिसंबर 2025 से प्रारंभ हो गया। यह ऐतिहासिक मेला 9 दिसंबर तक चलेगा।ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गंगासागर पांडे ने बताया कि मेले में प्रतिदिन अलग-अलग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मेले के प्रथम दिवस ही लगभग 500 दुकानें लग चुकी हैं, जिससे मेले का आकर्षण काफी बढ़ गया है।उन्होंने बताया कि श्री राधा गोपाल रामलीला कमेटी परासी के योग्य कलाकारों द्वारा पूरे पांच दिनों तक भव्य और दिव्य रामलीला मंचन किया जा रहा है, जो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है।इस अवसर पर कमेटी के अनुज तिवारी, शिव मोहन तिवारी, बी.के. मिश्रा सहित कमेटी के अन्य पदाधिकारी मेले की व्यवस्थाओं में सक्रिय रूप से लगे रहे।

देश के जांबाज सैनिकों के लिए दरोगा ने कहा मंदबुद्धि, कार्रवाई के लिए धरना प्रदर्शन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। भारतीय किसान यूनियन असली गैरराजनैतिक ने चौकी इंचार्ज शेखूपुर के खिलाफ चौकी परिसर में भ्रष्टाचार अभद्रता फर्जी मुकदमा भारतीय सैनिकों के साथ अभद्रता करने को लेकर उग्र धरना प्रदर्शन किया। जिसका संचालन जसवीर सिंह यादव वकील साहब ने किया अध्यक्षता सूरजपाल सिंह ने की जिला उपाध्यक्ष हरीश पटेल ने कहा की चौकी प्रभारी शेखूपुर राजनेताओं के इसारे पर कार्य करते हैं। और वर्तमान में तैनात चौकी प्रभारी के समय में सबसे ज्यादा खनन माफिया को सह मिली है।

बिना अनुमति के चौकी क्षेत्र में खनन कराया जा रहा है। डग्गामारी बाहनों से अबैध उगाई कराई जा रही है। प्रदेश सचिव रविंद्र सिंह यादव ने कहा चौकी इंचार्ज का रवैया गरीब मजदूर किसानों के हित में नहीं है। यह तानाशाही रवैया दिखाते हैं जो गलत है। चौकी प्रभारी ने निर्दोष लोगों को फंसा कर जेल भिजवाया और जो दोषी लोग थे उनसे आर्थिक साथ-गांठ करके बरीकरबा देना यह कहां का न्याय है। वहीं उन्होंने कहा कि सरकार ने यह वर्दी जनता की रक्षा के लिए दी है। यह जनता के रक्षक होना चाहिए लेकिन यह जनता के भक्षक बन चुके हैं। ऐसे लोगों को एंटी करप्शन टीम पड़कर अंदर करती है। ऐसे अधिकारियों के साथ एंटी करप्शन टीम बहुत बढ़िया काम कर रही है। वह बधाई के पात्र है। जिलाध्यक्ष केपीएस राठौर ने कहा की चौकी प्रभारी ने जो जनता के साथ अभद्रता एवं अमानवीय कार्य किए है। चौकी प्रभारी को बक्सा नहीं जाएगा चौकी प्रभारी ने देश के जांबाज सैनिकों के लिए मंदबुद्धि कहा है। देश के सैनिकों का अपमान किया है। इनके खिलाफ मान हानी का केस बनता है। और निर्दोष लोगों को झूठे मुकदमे में फसाने की धमकी देकर शिकायत को वापस करवा देता है। न्यायपालिका कहा जाए या अनन्याय पालिका कहा जाए इन्होंने लोकतंत्र खत्म कर दिया। वहीं इनकी शिकायत 24 अक्टूबर को फरियादी ने क्षेत्राधिकार नगर को लिखित रूप में दी थी लेकिन वहां से भी टालमटोल कर दिया गया। वहीं उन्होंने कहा है कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से निवेदन है कि ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ जो जनता के न्याय हित में कार्य न करते हैं। चौकी में बैठकर आर्थिक साठ-गांठ करके न्याय नहीं कर पाते है। अनन्याय को बढ़ावा देते है। और देश के सम्मानित सैनिकों के साथ अभद्रता करते हैं उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। चौकी प्रभारी को शीघ्र स्थानांतरण किया जाए अगर कार्रवाई नहीं होती है। तो संगठन सिविल लाइन थाने पर अनिश्चितकाल धरना करने को मजबूर रहेगा। इस धरने के दौरान कोई अप्रिय घटना घटती है तो इसकी पूर्ण जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी। वहीं धरने पर बैठे हरवंश पटेल, प्रताप सिंह, हरीश पटेल, द्वारकी सिंह, कलेक्टर सिंह, परमिंदर यादव, प्रदीप, सूरज पाल सिंह, राजपाल सिंह, अशोक पटेल , तारिक, रामेंद्र यादव, जसवीर सिंह यादव, गुडडू, सीमू, मुनेंद्र सिंह पटेल आदि मौजूद रहे।

नर्सिंग की छात्रा को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने वाला प्रेमी गिरफ्तार

एक दिसम्बर को एससीपीएम नर्सिंग कालेज की बीएएमएस द्वितीय वर्ष की छात्रा द्वारा छात्रावास के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गयी थी

आरोपी तहसीन रजा मृतका की मोबाइल फोन के माध्यम से लगातार प्रताड़ित करता था तथा उससे अश्लील बातें करता था तथा अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा । पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी मनोज कुमार रावत के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी नगर आनन्द कुमार राय के नेतृत्व में नगर कोतवाली पुलिस टीम ने आरोपी अभि युक्त तहसीनरजा पुत्र वसीम को गोंडा लखनऊ रोड स्थित ग्राम बैरागीपुरवा के पास से गिरफ्ता र कर लिया है।

बताते हैं कि एक दिसम्बर को एससीपीएम नर्सिंग कालेज की बीएएमएस द्वितीय वर्ष की छात्रा द्वारा छात्रावास के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गयी थी। सूचना पर स्थानीय पुलिस व अधिकारियों के द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया था। शव के पंचायत नामा की कार्यवाही कर पोस्ट मार्टम हेतु भेजा गया था। मृतका के पिता मोहम्मद जहीन खां पुत्र मो. अमीन खां की लिखित तहरीर के आधार पर नामजद अभियुक्त तहसीन रजा के विरूद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। विवेचना के दौरान ज्ञात हुआ कि विपक्षी तहसीन रजा मृतका की मोबाइल फोन के माध्यम से लगातार प्रताड़ित करता था तथा उससे अश्लील बातें करता था तथा अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देता था।

इसी प्रताड़ना से तंग आकर छात्रा ने एससीपीएम नर्सिंग कॉलेज के हॉस्टल में आ त्महत्या कर ली थी। पांच दिसम्बर को कोतवाली नगर पुलिस द्वारा विवेचना के दौरान दोषी पाए गए आरोपी अभियुक्त तहसीन रजा पुत्र वसीम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध थाना को0 नगर पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय रवाना किया गया।

काशी में जो आया, फिर वह कभी पराया नहीं रहता : पद्मश्री राजेश्वर आचार्य

कैनविज टाइम्स संवाददाता

वाराणसी । काशी तमिल संगमम् 4.0 के तहत शुक्रवार को काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में ल्काशी और तमिलनाडु की आध्यात्मिक एवं दार्शनिक परंपराएँङ्क विषयक ज्ञानवर्धक शैक्षणिक सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में तमिलनाडु के विभिन्न संस्थानों से आए लगभग 200 शिक्षकों ने भी पूरे उत्साह से भागीदारी की। शैक्षणिक सत्र का शुभारम्भ डीन, शिक्षा संकाय, बीएचयू प्रो. अंजली वाजपेई ने किया। रणवीर संस्कृत विद्यालय के विद्यार्थियों के पारम्परिक मंगलाचरण , शिक्षा संकाय की छात्र टीम ने बीएचयू कुलगीत का गायन किया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पद्मश्री पंडित राजेश्वर आचार्य ने काशी की वास्तुकला, दर्शन, अध्यात्म और लोकऽपरम्पराओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ल्राम और कृष्ण का जन्मदिन मनाया जाता है, पर शिव का नहीं—क्योंकि लोग प्रायः आकर्षण को ही सौंदर्य मान लेते हैं। प्रेम का प्रतीक रामसेतु स्नेह का अनंत संकेत है। काशी अहंकार को स्वीकार नहीं करती यहाँ कोई छोटा नहीं होता। ङ्कतमिल परम्पराओं का उन्होंने उल्लेख किया और कहा कि ल्दक्षिण हमारे सभी प्रश्नों का उत्तर देता है। काशी में जो आया, फिर वह कभी पराया नहीं रहता।ङ्कआईआईटी बीएचयू के प्रो. राकेश कुमार मिश्र ने कहा कि ल्काशी तमिल संगमम् ने दोनों क्षेत्रों को निरंतर समृद्ध किया है। नई भाषा, नई दोस्ती और नई समझ यही इस पहल का सार है।ङ्क उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कथन को उद्धृत करते हुए कहा कि संगमम् ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को और मजबूत किया है। योगी रामसूरतकुमार आश्रम से आईं विशिष्ट अतिथि अना?हीता सिधवा ने 1959 में तमिलनाडु और उत्तर भारत के बीच स्थापित आध्यात्मिक सेतु का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ल्महापुरुषों की क्रीड़ा भूमि और ऋषियों की भूमिङ्क है। उन्होंने योग और आध्यात्मिक साधना को आधुनिक जीवन में दिशा देने वाला महत्वपूर्ण पथ बताया।

तरबगंज में मिशन शक्ति अभियानः महिलाओं बालिकाओं को किया जागरूक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। प्रदेश सरकार के निर्देशन में जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति हो रहे अप राधों जैसे-छेड़छाड़,शोषण,दहेज उत्पीड़न, बा ल अपराध,एसिड अटैक इत्यादि की रोकथाम के संबंध में प्रेरित कर जागरूक करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत,व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु प्रभारी निरीक्षक के कुशल नेतृत्व में एंटी रोमियो मिशन शक्ति टीम के द्वारा तरबगंज पुलिस ने रानीपुरगाँव में उपस्थित महिलाओं और बच्चियों को मिशन शक्ति अभियान 5.0 नारी सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत शासन द्वारा प्रत्येक थाने पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र'' के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए सरकार द्वारा संचालित महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नम्बर्स 112 आपातकालीन सहायता 1090 महिला हेल्प लाइन 181 महिला हेल्पलाइन,सहायता,घरेलू हिंसा 1930 साइबर हेल्पलाइन आदि की जानकारी दी एवं जिनका उपयोग आवश्यकता पड़ने पर तुरंत सहायता प्राप्त करने के लिए कि या जा सकता है।साथ ही सरकार के द्वारा संचा लित विभिन्न हेल्पलाइन एवं योजनाओं से संबं धित पम्पलेट वितरित कर छोटे बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में जानकारी दी गई और स्कूल न जाने वाले बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर बच्चों को स्कूल भेजने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही महिलाओं एवं बच्चियों को साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने के लिए मार्गदर्शन किया गया तथा अज्ञात कॉल या संदेशों पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने,बैंकिंग और डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव करने,सोशल मीडिया पर गोपनीयता बनाए रखने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने पर जोर दिया गया।पुलिस अधीक्षक द्वारा बताया गया कि ''राज्य सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान 5.0 केवल महिला सुर क्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं और बालिकाओं को आर्थिक,सामाजिक और मान सिक रूप से सशक्त बनाने का उद्देश्य भी रख ता है।इससे वे हर परिस्थिति में अपने अधिका रों की रक्षा कर सकें और आत्मनिर्भर बनें तथा सभी को सुरक्षा और आत्मरक्षा के महत्व पर जोर देते हुए उन्हें जागरूक रहने एवं आवश्यक सावधानियों का पालन करने हेतु बताया गया।

गोवंशों को रेडियम बेल्ट पहनाकर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के निर्देश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

मण्डलायुक्त भूपेन्द्र एस. चौधरी की अध्यक्षता में हुई बैठक

बरेली । मण्डलायुक्त भूपेन्द्र एस. चौधरी की अध्यक्षता में विकास भवन स्थित सभागार में आज पशुपालन विभाग व गौशाला निर्माण कार्य की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में नोडल अधिकारी डॉ0 जी0के0 सिंह ने बताया कि निरीक्षण के दौरान गौशालाओं में ठंड से बचाव, हरे चारे, भूसा, पीने के पानी व पशुओं की चिकित्सा जैसी व्यवस्थाओं का जायजा लिया जाएगा।बैठक में बताया गया कि मण्डल में कुल 638 गोआश्रय स्थल हैं, जिनमें बरेली में 114, बदायूं में 317, पीलीभीत में 66 और शाहजहांपुर में 141 गौशालाएं शामिल हैं। इनमें से 90 स्थलों में कैमरे लगे हैं, जिनमें 73 इंटरनेट से जुड़े हैं। 138 गोआश्रय स्थलों में कमरे लगाने की प्रक्रिया भी चल रही है। सहभागिता योजना के तहत अब तक 28,615 गोवंश सुपुर्द किए जा चुके हैं, जिसमें 22,459 गोवंश लाभार्थियों के पास संरक्षित हैं।बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि बरेली-बदायूं में 2,583 गोवंशों को रेडियम बेल्ट पहनाया गया है। नोडल अधिकारी ने कहा कि रेडियम बेल्ट पहनाने से वाहन चालकों को सड़क पर विचरित गौवंश दिखाई देंगे, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आएगी। बैठक में बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर और पीलीभीत के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी व अन्य मण्डल अधिकारी उपस्थित रहे।

समाज की दशा, दुर्दशा देखकर दिशा देने में साथ,साथ आयें

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोण्डा। संगठन में शक्ति है,सब मानते हैं ''पर संगठित होकर कोई नहीं रहना चाहता है जहां देखो वहीं कुमति, सुमित तो स्वप्न सरीखे हो गई है हम सब संगठन सूत्र में आबद्ध हो।संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनाँसि जानताम्।देवा भागं यथा पूर्व सञ्जानाना उपासते(ऋग्वेद) में साफ साफ लिखा हुआ है,पर अनुसरण करें,,अपवाद स्वरू प कोई ही कर रहा है।

बाकी तो देश और दुनि या का हाल देख ही रहे हों।दुरौनी चौराहे पर सं चालित पाठशाला में राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी अनामिका बहिन ने शुक्रवार को कहा कि हे मनुष्यों साथ-साथ मिलकर चलो,मिलकर बोलो,तुम्हारी मानसिक भावनायें समान हों, जैसे पहले देवता समान ज्ञान रखकर कार्य करते थे वैसे ही तुम भी करो।ऋग्वेद वेद मंत्र में मानव जाति के लिए संगठन बद्ध रहने का आदेश दिया गया है।वैदिक ऋचाओं में कई स्थानों पर परस्पर संगठन बद्ध रहने पर जोर दिया गया है।इससे सिद्ध होता है कि आज से बहुत समय पूर्व वैदिक-काल में ही आर्य जाति ने संगठन का महत्व जान लिया था।यही कारण था कि उनके संगठन बद्ध रहने से देश उन्नति, विकास की ओर बढ़ रहा था।धन धान्य सम्पन्न ता सुख,शान्ति,ज्ञान-विज्ञान,कला कौशल आदि में भारतीय जनता बढ़ी-चढ़ी थी।संगठन में महा न शक्ति होती है।सूत का एक धागा आसानी से तोड़ा जा सकता है पर जब इस तरह के अनेकों धागे बटकर मोटा रस्सा बना दिया जाता है तो वह नहीं तोड़ा जाता।इसी प्रकार झाड़ू की सींकें बिखर जाएं तो उसका कोई मूल्य नहीं रह जा ता है प्रकृति भी सृष्टि के प्रत्येक पदार्थ को संग ठन-बद्ध रहने की सूक्ष्म प्रेरणा देती है।जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण पशु-पक्षियों में तथा इतर प्रा णियों में देखा जा सकता है मधु-मक्खियों, बरें छत्ते बाँध कर संगठित रूप से रहती हैं।यदि वे तितर बितर हो जायँ तो उनकी क्या शक्ति रह जाती है।वह अपने संगठन बल से ही बड़े-बड़े शक्तिशाली मनुष्यों तथा जानवरों को परेशान कर देती हैं।चींटियां, हाथी, हिरण बन्दर आदि संगठनबद्ध सामूहिक रूप से रहते हैं इसमें प्रकृति की मूल प्रेरणा सन्निहित है।मानव जाति के लिए भी संगठनबद्ध रहना आवश्यक है।क्योंकि संगठन में अनन्त बल,सामर्थ्य, परिश्रम आदि निहित है। उदाहरणार्थ सनातन धर्म के इतिहास को देखने से पता चलता है जब तक पूर्वकाल में यह संगठनबद्ध रही तो आश्चर्यज नक कार्य किए।विश्व में अपना प्रमुख स्थान प्राप्त हुआ।ज्ञान-विज्ञान में देश सबसे बढ़ा-चढ़ा रहा।

अवैध शराब निर्माण स्थानों पर आबकारी व पुलिस की संयुक्त टीम की दबिश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर एवं पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह के आदेशानुसार अवैध शराब के निर्माण , बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जिले में लगातार विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है।

जिला आबकारी अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया है कि इसी क्रम में निरीक्षक क्षेत्र- 3 एवं चौकी प्रभारी गंगागंज गिगासो की संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी।संयुक्त टीम द्वारा तहसील लालगंज के थाना सेमरी अंतर्गत ग्राम गोबरे का पूरवा एवं बैरुआ में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों / संदिग्ध घरों पर दबिश की कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान लगभग 150 किग्रा0 लहन मौके पर नष्ट किया गया। 32 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर 02 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए ।जिला आबकारी अधिकारी ने बताया है कि जिले में अवैध शराब के निर्माण एव बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

विधायक सदर व सलोन ने शिविर में दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण किये वितरित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा पीएम राजकीय इंटर कॉलेज रायबरेली में दिव्यांगजन हेतु एडिप योजनान्तर्गत दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण वितरण के लिए सामाजिक अधिकारिता शिविर का आयोजन किया गया।

द्वितीय दिवस कार्यक्रम का शुभारम्भ विधायक सदर अदिति सिंह, विधायक सलोन अशोक कुमार व जिलाधिकारी हर्षिता माथुर, पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, सहायक प्रबंधक एलिम्को सुरेंद्र सिंह, जिला पंचायत सदस्य राघवेन्द्र सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। शिविर में विकास खण्ड अमावां व छतोह के दिव्यांगजनों को 22 मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, 102 ट्राईसाइकिल, 28 फोल्डिंग व्हीलचेयर, 208 बैसाखी, 14 वॉकिंग स्टीक (छड़ी), 01 सी0पी0 चेयर, 02 ब्रेल केन, 01 ब्रेल किट, 21 सुगम्य केन, 16 श्रवण यंत्र (कान की मशीन) इत्यादि वितरित किये गये। आयोजित शिविर में सदर विधायक अदिति सिंह ने कहा कि सरकार दिव्यांगजनों को मुख्यधारा में शामिल करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाये चला रही है। उन्होंने कहा कि सरकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आज उसी क्रम में दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण किये गये है, जिससे वे अपने दैनिक जीवन में स्वावलंबी बन सकें। सलोन विधायक अशोक कुमार ने कहा कि दिव्यांजन समाज के सम्मानित और अभिन्न अंग है, जिसमें असीम संभावनाए छिपी होती है। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सकार द्वारा दिव्यांगजनों के कल्याण हेतु अनेक योजनाए संचालित है, जिसका उद्देश्य उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और मुख्यधारा से जोड़ना है। जलाधिकारी हर्षिता माथुर ने कहा कि जनपद में दिव्यांगों को चिन्हित करके सूची तैयार कराकर उपकरण का वितरण कराया जा रहा है।

आईएमएपीएल सीजन–7 का गंगाशील स्टेडियम में शुभारंभ 6 दिसंबर को

बरेली । इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) बरेली द्वारा आयोजित आईएमए प्रीमियर लीग सीजन-7 का शुभारंभ 6 दिसंबर को सुबह 8 बजे गंगाशील आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज स्टेडियम में होगा। डॉक्टरों के इस वार्षिक खेल महाकुंभ में दो दिनों तक खेल और रोमांच का शानदार संगम देखने को मिलेगा।इस बार कुल 24 टीमें मैदान में मुकाबला करने उतरेंगी, जिनमें 4 महिला टीमें, 2 बच्चों की टीमें और 2 सीनियर डॉक्टरों की टीमें भी शामिल हैं। आईएमए बरेली के अध्यक्ष डॉ. अतुल श्रीवास्तव, सचिव डॉ. अंशु अग्रवाल, कोषाध्यक्ष डॉ. शालिनी महेश्वरी, सीजन-7 के चेयरमैन डॉ. आरपी सिंह और सचिव डॉ. अंकित गुप्ता आयोजन की तैयारियों में पूरी तरह सक्रिय हैं। स्टेडियम में डॉक्टर खिलाड़ियों का जोश और खेल कौशल देखने के लिए परिवार और दर्शकों में भी उत्साह बना हुआ है।

नाबालिग की शादी रुकवाने गई पुलिस, युवक– युवती गायब

फर्रुखाबाद । उत्तर प्रदेश के फर्रूखाबाद जिले में थाना अमृतपुर क्षेत्र के ग्राम नगला हूसा में एक नाबालिग लड़की की शादी को लेकर उस समय हड़कंप मच गया जब इसकी सूचना उसकी बड़ी बहन ज्योति को मिली। बताया गया कि लड़की की उम्र मात्र लगभग 15 वर्ष है। उसकी शादी 30 नवंबर को तय की गई थी। जैसे ही इससे संबंधित जानकारी बहन ज्योति को मिली, वह तत्काल थाना क्षेत्र से ग्राम नगला हूसा पहुंची और नाबालिग बहन की शादी को रुकवाने के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन पर कॉल किया। साथ ही थाना अमृतपुर में लिखित शिकायत भी दर्ज कराई।शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी। नियत तिथि से पहले ही शादी को रुकवा दिया गया। इसके बाद 5 दिसंबर को चाइल्ड हेल्पलाइन की अधिकारी रीना दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं। उनके साथ स्वयं थाना अध्यक्ष भी गांव में जांच के लिए पहुंचे। जब टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की तो नाबालिग लड़की और उसका कथित मंगेतर दोनों ही गांव से गायब मिले। चाइल्ड हेल्पलाइन अधिकारी रीना दुबे ने बताया कि भारतीय कानून के अनुसार नाबालिग लड़की या नाबालिग लड़के की शादी कराना दंडनीय अपराध है। इस मामले में दोनों की जन्मतिथि के आधार पर आयु की विधिवत जांच कराई जाएगी। यदि लड़की नाबालिग पाई जाती है तो परिजनों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।थानाध्यक्ष मोनू शाक्य ने बताया कि पूरा मामला जांच के अधीन है। दोनों पक्षों की उम्र से संबंधित दस्तावेजों की जांच कराई जा रही है। जांच में यदि नाबालिग होने की पुष्टि होती है तो सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस लड़की और लड़के की तलाश में जुटी हुई है।

अंतर विभागीय रेलवे क्रिकेट टूर्नामेंट : सी एंड डब्लू टीम व इंजीनियरिंग विभाग की टीम जीती

मुरादाबाद । रेलवे स्टेडियम, मुरादाबाद में आयोजित अंतर विभागीय रेलवे क्रिकेट टूर्नामेंट के प्रथम दिवस पर आज दो मैचों का आयोजन किया गया। प्रथम पाली का मैच सी एंड डब्लू एवं ब्रिज के मध्य तथा द्वितीय पाली का मैच इंजीनियरिंग एवं विद्युत-टीआरडी के मध्य खेला गया। जिसमें सी एंड डब्लू टीम व इंजीनियरिंग विभाग की टीम विजेता रही।उत्तर रेलवे, मुरादाबाद मण्डल में वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक फ्रेट ऋचा शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि आज से रेलवे स्टेडियम, मुरादाबाद में अंतर विभागीय क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारम्भ हुआ। क्रिकेट टूर्नामेंट के प्रथम दिवस पर पहली पाली में सी एंड डब्लू एवं ब्रिज के मध्य मैच खेला गया।सी एंड डब्लू ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अनूप लखेड़ा की कप्तानी में पूरे 20 ओवर खेलते हुए 04 विकेट के नुकसान पर कुल 190 रन बनाए। ब्रिज विभाग की टीम ने बल्लबाजी करते हुए 15.1ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 89 रन बनाए। सी एंड डब्लू टीम ने 101 रन से विजय प्राप्त की। सी एंड डब्लू टीम के रफी हुसैन मेन ऑफ द मैच रहे।आज द्वितीय पाली का मैच इंजीनियरिंग एवं विद्युत-टीआरडी के मध्य खेला गया। विद्युत-टीआरडी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निश्चय किया। विद्युत-टीआरडी ने कुल 18.2 ओवर में 09 विकेट के नुकसान पर 125 रन बनाए। मैदान में बल्लेबाजी के लिए उतरी इंजीनियरिंग विभाग की टीम कुल 15.5 ओवर में 04 विकेट के नुकसान पर 127 रन बनाकर मैच मे विजयी रही । इंजीनियरिंग विभाग की टीम के अनुज भंडारी मेन ऑफ द मैच रहे।

अंतरराष्ट्रीय प्रवाचक रमेश भाई शुक्ला ने किया श्रीराम कथा का शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। श्रीरामचरितमानस में सात अंक का अत्यं त महत्व बताया गया है।मानस के सात कांड रामभक्ति के सात चरण और सात अंग माने जाते हैं। बालकांड को पांव, अयोध्याकांड को कमर, अरण्यकांड को पेट, किष्किंधाकांड को हृदय, सुंदरकांड को ग्रीवा, लंकाकांड को मुख और उत्तरकांड को मस्तक कहा गया है।

यह बात अखिल भारतीय श्रीरामनाम जागरण मंच के तत्वावधान में नगर के आवास विकास का लोनी में बृहस्पतिवार से शुरू हुई श्रीराम कथा का शुभारंभ करते हुए अंतरराष्ट्रीय प्रवाचक रमेश भाई शुक्ला ने कही। उन्होंने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने मानस का आरंभ मंगलाचरण से किया है,जिसका आशय हम सबके व्यक्तिगत आचरण की शुद्धता से है। संस्कृत के प्रकांड विद्वान होने के बावजूद उन्होंने मानस की रचना अवधी में की और यही कारण है कि मानस लोकग्रंथ बन सका। यह भाषाई क्रांति का सबसे बड़ा उदाहरण है। अयोध्या की महिमा का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि सातों पुरियां भगवान के सात अंग हैं, परंतु उनमें अयोध्या सर्वश्रेष्ठ है।उन्होंने अवंति का को पैर,कांचीपुरम को कमर,द्वारका को नाभि, हरिद्वार को हृदय, मथुरा को ग्रीवा,काशी को नासिका और अयोध्या को मस्तक बताया।सरयू की उत्पत्ति के बारे में उन्होंने कहा कि यह भगवान विष्णु के आंसुओं से निकली है, इसी लिए इसे नयनजा भी कहा जाता है।नाम-जप के महात्म्य का वर्णन करते हुए प्रवाचक ने क हा कि किसी भी रूप में 'राम' नाम जप करने से मुक्ति प्राप्त होती है। भगवान शिव ने भी कुंभज ऋषि से रामकथा सुनी थी। शिव भक्ति, मुक्ति और मस्तीकृइन तीनों के दाता हैं। उन्हें 'गोपेश्वर' भी कहा जाता है, क्योंकि गोपी का अर्थ है वह जो भगवान के दर्शन का इच्छुक हो।प्रवाचक ने यह भी कहा कि श्रीरामकथा मात्र कथा नहीं,बल्कि धरती पर बहने वाली अमृतधारा है।भगवत कार्य का शुभारंभ तीन तत्वों शुभ संकल्प, पुरुषार्थ और भगवत कृपा के संयोग से होता है।रामकथा पाप और पुण्य दोनों का हरण करती है, क्योंकि दोनों ही बंधन का कारण बनते हैं।

प्रथम दिन की कथा का समापन माता सती के आत्मदाह प्रसंग के साथ हुआ।इससे पूर्व 14 दिसंबर तक चलने वाली श्रीरामकथा की शुरुआत भगवान शिव की स्तुति एवं हनुमान चालीसा के पाठ के साथ हुई।मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक पंडित निर्मल शास्त्री ने बताया कि कथा का आयोजन प्रतिदिन सायंकाल 4.30 बजे से 8.30 बजे तक होगा जबकि सुबह 8 से 10 बजे तक यज्ञ होगा।

शादी से पहले युवक की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बरेली । नवाबगंज क्षेत्र के सेंथल में शुक्रवार सुबह श्मशान घाट के सामने गेहूं के खेत में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 22 वर्षीय मुकेश मौर्य के रूप में हुई है, जिसकी अप्रैल में शादी होने वाली थी। अचानक हुई इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।मुकेश गुरुवार शाम सात बजे घर से निकला था।

रात एक बजे तक फोन पर बात होती रही। उसने बताया कि वह मेले में है और लौट आएगा। इसके बाद फोन बंद हो गया। परिजनों ने रात भर खोजबीन की, लेकिन कोई पता नहीं चला। सुबह खेत में शव मिलने की सूचना पर कोहराम मच गया।परिजनों ने स्पष्ट तौर पर हत्या का आरोप लगाते हुए कहा कि योजनाबद्ध तरीके से मुकेश की जान ली गई और शव खेत में फेंक दिया गया।सूचना पर पुलिस, डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर सबूत जुटाए। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। थाना प्रभारी प्रवीण सोलंकी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामले की गहन जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि होगी। परिजनों से तहरीर मिलते ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्राइवेट कर्मचारी संजीव के साथ मिलकर सचिव शिखा लिख रही हैं जगत में घोटाले की एक और नई इबारत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार लगातार घोटाला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई अमल में ला रही है। योगी सरकार की भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर प्रधान पुत्र एवं प्राइवेट कर्मचारी संजीव द्वारा जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही है। पंचायत में कराये गये निर्माण कार्यों में जमकर भ्रष्टाचार कर प्रधान पुत्र ने नियमों को ताक पर रख सरकारी धन का बंदरबाट किया है।

विकासखंड अमरिया की ग्राम पंचायत जगत में प्रधान नजमा बेगम निर्वाचित प्रधान है। लेकिन सभी प्रशासनिक कार्य उनका पुत्र उवैश ही देखता है। जिससे सरकारी दस्तावेजों की गोपनीयता भी भंग हो रही है। कई दिन पहले पंचायत मे कराए गये नाली व इंटरलॉकिंग के निर्माण कार्यों में घटिया क्वालिटी की सामग्री का

विकासखंड अमरिया की ग्राम पंचायत जगत में प्रधान नजमा बेगम निर्वाचित प्रधान है। लेकिन सभी प्रशासनिक कार्य उनका पुत्र उवैश ही देखता है। जिससे सरकारी दस्तावेजों की गोपनीयता भी भंग हो रही है

जमकर प्रयोग कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया है। निर्माण कार्य में पीला ईट व नदी की रेत का उपयोग किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण के दौरान प्रधान पुत्र एवं सचिव शिखा को कई बार घटिया सामग्री कि शिकायत की गई परन्तु सब कुछ नजर अंदाज कर निर्माण कार्य करा दिया। प्रधान पुत्र इंटरलॉकिंग में बड़े पैमाने पर पैसा कमा रहा है। ग्राम प्रधान जगत ने और सचिव शिखा ने सफाई के नाम पर हजारों रुपए निकाले लेकिन फिर भी गांव में गंदगी अम्बार लगा हुआ है। पंचायत भवन में मिट्टी भराव के नाम पर भी हजारों रुपया निकाल लिया लेकिन धरातल पर कोई कार्य दिखाई नहीं दे रहा है।इन सभी कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका सचिव शिखा राजपूत का सहयोगी संजीव कुमार भी हैं।जो की सचिव के नाम पर ग्रामीणों से अवैध रूप धन उगाई करता है।ग्राम पंचायत जगत में स्थित परिषदीय विद्यालय के पास हुए नाली निर्माण किया गया जिसमें प्रधान पुत्र ने घटिया सामग्री की ईट का जमकर प्रयोग किया है। ग्रामीणों ने इस मामले की शिकायत सचिव शिखा से भी की थी।ग्राम पंचायत के पंचायत घर में भी कोई नहीं बैठ रहा है। जिससे ग्रामीण अपनी समस्याओं के लिए इधर-उधर भटकते रहते हैं। ब्लॉक के चक्कर लगाते हैं। लेकिन सचिव कहीं भी नजर नहीं आती है।उनके सभी सरकारी कार्य उनके सहयोगी संजीव कुमार ही देखा है। ग्रामीणों का कहना है कि फुरकत के नाम कई बार पेमेंट लगाया गया है जो ग्राम प्रधान का खास व्यक्ति है। हैंडपंप रिबोर के नाम पर भी हजारों रुपए निकाल लिए लेकिन फिर भी ग्रामीण स्वच्छ पानी को तरस रहे हैं। कई बार पेमेंट लगाया जाता है।लेकिन पंचायत सहायक का मानदेय निकालने के लिए ग्राम प्रधान और सचिव के पास समय नहीं है। फागिंग के नाम पर भी 21700 रुपए निकाले लेकिन गांव में मच्छरों का आतंक चारों तरफ दिखाई दे रहा है। ग्रामीण चयन की नींद नहीं ले पा रहे हैं। जल्द ही ग्रामीण जिलाधिकारी से मिलकर उपरोक्त मामले की शिकायत करेंगे।

तीन दिन से लापता युवक का शव कुआं से हुआ बरामद

अमेठी। थाना मुंशीगंज क्षेत्र के गांव पूरे सूरजबली तिवारी मजरे पूरबगांव में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई जब एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में कुएं में तैरता हुआ दिखाई दिया।ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है।थाना क्षेत्र के गांव निवासी विपिन पाण्डेय उम्र बत्तीस वर्ष पुत्र कपिल देव पाण्डेय पिछले तीन दिनों से लापता थे।परिजन उनकी खोजबीन में जुटे थे लेकिन कोई पता नही चल पाया। शुक्रवार की सुबह गांव के कुछ लोगों ने मृतक के घर से लगभग सौ मीटर दूर स्थित कुएं में एक शव देखा। शव की शिनाख्त होने पर पता चला कि वह शव विपिन पाण्डेय का ही है। गांव स्थित कुआं में शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही मुंशीगंज कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से निकलवाकर कब्जे में लिया।मुंशीगंज कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है।

उन्नाव के दम्पत्ति तीन किलो गांजा के साथ गिरफ्तार जायस

अमेठी। थाना फुरसतगंज पुलिस ने नशा मुक्त अमेठी अभियान के तहत तीन किलोग्राम गांजा के साथ गैरजनपद के बाइक सवार पति पत्नी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देश पर क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान व नशा मुक्त अमेठी अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा के कुशल नेतृत्व में गुरुवार को थाना फुरसतगंज पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मोटरसाइकिल सवार लाला पुत्र ज्ञान सिंह एवं उनकी पत्नी संगीता निवासीगण काशीराम कालोनी थाना कोतवाली उन्नाव जनपद उन्नाव को गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम द्वारा की गई तलाशी में लाला के कब्जे से दो किलोग्राम गांजा व संगीता के कब्जे से एक किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है। इस सम्बंध में थाना फुरसतगंज पुलिस ने पकड़े गये दोनों लोगों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्जकर जेल भेज दिया है।

यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन ने नवागत बीएसए का गुलदस्ता देकर किया स्वागत

पीलीभीत। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन पीलीभीत के जिला अध्यक्ष राजेश मिश्रा के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रोशनी से मिलकर उनका गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया है। यूनियन के जिला अध्यक्ष ने शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के बारे में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से वार्तालाप की और समस्याओं को समाधान करने की बात कही है। इस मौके पर संरक्षक छत्रपाल आर्य, जिला महामंत्री मोहम्मद अकरम, जिला कोषाध्यक्ष के के सागर सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे हैं।

वन्य जीव की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत परिवार में मचा कोहराम

पूरनपुर। खुटार हाईवे पर दर्दनाक हादसे में एक युवक की मौत हो गई। बाइक सवार पवन कुमार शर्मा 28 निवासी काकोरी थाना मैलानी जनपद लखीमपुर खीरी अपनी बाइक से घर जा रहे थे। इसी दौरान हाईवे पार कर रहे एक वन्य जीव से उनकी बाइक टकरा गई। अचानक हुई टक्कर से पवन कुमार सड़क पर गिर गए। राहगीरों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सेहरामऊ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल पूरनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद पवन कुमार को मृत घोषित कर दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही उनके परिजन देर रात अस्पताल पहुंच गए और शव लेकर घर चले गए।

पूर्व प्रधान के भाई की मौत हत्या नहीं हादसे की हुई थी शिकार

पूरनपुर। कुछ दिन पूर्व सड़क हादसे में पूर्व प्रधान के भाई श्री कृष्णा की मौत सड़क हादसे हो गई थी। जब वह ग्राम चंदुया से वापस स्कूटी से लौट रहे थे। प्रसादपुर गौशाला के पास सड़क दुर्घटना हो गई थी।सड़क दुर्घटना के मामले को चुनावी रंजिश देते हुए हत्या का रूप देने के लिए मृतक के पुत्र अरविंद कुमार ने ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह,अगमवीर सिंह, युद्धवीर सिंह, विचित्र सिंह के खिलाफ हत्या मुकदमा दर्ज कराया था। कई जागरूक ग्रामीणों ने इस घटना को सड़क दुर्घटना ही माना था। लेकिन फिर भी मृतक के पुत्र की ओर से हत्या का मुकदमा दर्ज कर दिया गया था। लेकिन पुलिस जांच में मामला सड़क दुर्घटना का ही निकला कोतवाली पुलिस गंभीरता से जांच पड़ताल कर रही है। जांच के दौरान मिले सबूत के आधार पर यह एक मात्र सड़क दुर्घटना ही है। पूरनपुर कोतवाली प्रभारी पवन कुमार पांडे ने बताया कि अभी तक मामले की जांच में हत्या का कोई सबूत नहीं मिला है। मामले की गहनता से जांच की गई तो सामने निकल को जो तथ्य आए हैं। कि यह एक सड़क दुर्घटना ही है।

नागरिक सुरक्षा बल एफ में हाजी रियाज़त नूर खान को मिला ज़िला प्रभारी का दायित्व

पीलीभीत। पूरनपुर तहसील के गांव शेरपुर कलां के पूर्व प्रधान प्रतिनिधि हाजी रियाज़त नूर ख़ान को नागरि?क सुरक्षा बल एफ नेशनल आर्गेनाइजेशन अगेंस्ट क्राइम एंड करप्शन में ज़िला इंचार्ज के पद पर नियुक्त किया गया है। संगठन की ओर से उन्हें पहचान पत्र और मनोनयन पत्र जारी कर दिया गया है।जारी किए गए परिचय पत्र में उनका कार्यक्षेत्र जनपद पीलीभीत निर्धारित किया गया है। यह संगठन अपराध और भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्य करने वाली राष्ट्रीय संस्था है, जो केंद्र और राज्य स्तर की विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सामाजिक व प्रशासनिक स्तर पर सहयोग प्रदान करती है।मनोयन पत्र में उल्लेख है। कि हाजी रियाज़त नूर खान को बिना वेतन सामाजिक आधार पर नियुक्त किया गया है। उनसे उम्मीद जताई गई है कि वे अपराध नियंत्रण, मानवाधिकार संरक्षण, महिलाओं व बच्चों के अधिकार, उपभोक्ता अधिकार, फोर्स्ड लेबर , नकली करेंसी तथा अन्य सरकारी हितों से जुड़े मामलों में जागरूकता और जानकारी उपलब्ध कराने का कार्य करेंगे।संगठन ने सभी प्रशासनिक और पुलिस विभागों से अनुरोध किया है। कि वे जारी किए गए पहचान पत्र संख्या यूपी 13 पीटीओ 2025 के आधार पर सहयोग प्रदान करें। ग्राम शेरपुर कलां सहित पूरे क्षेत्र में हाजी रियाज़त नूर खान की इस नियुक्ति को लेकर लोगों में खुशी व्यक्त की जा रही है। स्थानीय नागरिकों ने उम्मीद जताई है। कि उनका अनुभव और सक्रियता जनपद में जनहित से जुड़े कार्यों को और मजबूत करेगी।

महुआ गुन्दे मे खाटू श्याम के भजनो पर झूमे श्रोता

पूरनपुर। तहसील क्षेत्र के ग्राम महुआ गुन्दे मे खाटूश्याम जन्मोत्सव एवं जागरण का का हुआ भव्य और दिव्य आयोजन बृहस्पतिवार को का हुआ विशाल भंडारा कार्यक्रम का आयोजन श्याम शाखा मण्डल महुआ गुन्दे व क्षेत्रीय सहयोग से हुआ कार्यक्रम मे क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिओ ने और समाजसेवीओ ने कार्यक्रम मे आकर भव्य कार्यक्रम की श्याम शखा मण्डल को बधाई व शुभकामनायें दि आगे भी भव्य कार्यक्रम करने की अपील की कार्यक्रम मे शर्मा सिस्टरस द्वारा श्याम भजनो से श्रद्धांलुओं का मन मोह लिया भक्ति संगीत की सुरमयी संध्या में विशेष आकर्षणःका केंद्र बनी प्रसिद्ध श्याम भजन गायिका शर्मा सिस्टर्स कानपुर सुरमयी स्वर साधिका सोनम सक्सेना।झांसीअपनी मधुर वाणी से श्याम नाम की अमृतधारा बहायी भजनों की अनुपम प्रस्तुतियां की अंकित शर्मा बरेली, समृद्धि शर्मा बरेली चांदनी म्यूज़िशियन ग्रुप बरेली,विकास शर्मा शाहजंहापुर, झांकी ग्रुप अनिल अलबेला अपनी सुन्दर झाकियों से भक्तो का मन मोह लिया।

एचडीएफसी बैंक के संयोजन में रक्तदान शिविर का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। स्वशासी राजकीय मेडिकल कलेज के परिसर में स्थित रक्तकोष में प्राानाचार्य डक्टर सलिल श्रीवास्तव के दिशा निर्देशन में एचडीएफसी बैंक के आकिारियों कर्मचारियों द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन शुक्रवार को सुबह 10:00 बजे से किया गया।

रक्तदान शिविर का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा आीक्षक डक्टर आरके मिश्रा व ड सुपर्णा के कर कमरों द्वारा किया गया, रक्तदान शिविर में दो दर्जन से आकि रक्तदानियों ने रक्तदान किया। शिविर में उपस्थित लोगों को जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा आीक्षक डक्टर मिश्रा ने कहा कि रक्तदान करने से शरीर में किसी भी तरह की कमजोरी नह आती है स्वस्थ मनुष्य को वर्ष में तीन बार रक्तदान करना चाहिए, रक्तदान करने के लिए शरीर में हीमोग्लोबिन 12.50 से कम ना हो और 50 किलो से कम वजन न हो। रक्तदान करके हम किसी भी जरूरतमंद को जीवन दान देते हैं इसलिए सभी लोगों को रक्तदान में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। रक्त कोष प्रभारी डक्टर संजय सिंह ने उपस्थित लोगों को ान्यवाद देते हुए कहा कि रक्तदान महादान है इस पुनीत कार्य में सभी लोगों को सहयोग करना चाहिए जिसमें प्रमुख रूप से आलोक सिंह और आलोक झा मेराज अहमद सहित बैंक के कर्मचारियों ने रक्तदान किया। रक्तदान को सफल बनाने में रक्त कोष के कर्मी विजय चंद चौरी, अवनीश शाह, अनुराग गुप्ता, अनुराग पांडे, संजू और रंजना कुमारी का सराहनीय योगदान रहा।

सचिवों ने ब्लाक मुख्यालय पर प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

ग्राम पंचायत सचिवों ने बढ़ते गैर विभागीय कार्य के बोझ पर जताई नाराजगी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी। ग्राम पंचायत सचिवों पर मूल विभागीय दायित्वों से इतर अन्य विभागों का कार्य करवाये जाने से उत्पन्न समस्याओं को लेकर जनपद के विकास खण्ड मुख्यालयों पर सचिवों ने प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित ज्ञापन खण्ड विकास अधिकारी सौंपा है।ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के अध्यक्ष ने बताया कि शासन द्वारा जारी हालिया आदेशों में आनलाइन उपस्थिति, मोबाइल ऐप आधारित रिपोर्टिंग तथा अन्य विभागीय कार्यों को बिना संसाधन उपलब्ध कराये लागू कर दिया गया है जिससे ग्रामीण विकास की मूल योजनाओं के क्रियान्वयन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।उन्होंने कहा कि ग्राम सचिव के पास पहले ही मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास, शौचालय, स्वच्छ भारत मिशन, जन्म मृत्यु रजिस्ट्रेशन, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, पीएम स्वानिधि, राशन कार्ड सत्यापन, पशुपालन, कृषि व राजस्व विभाग के कार्य आदि की भारी जिम्मेदारियां हैं।इसके अलावा विभिन्न विभागों के आकस्मिक निरीक्षण, बैठकों तथा आनलाइन उपस्थिति की बाध्यता के कारण वे अपने मूल कार्यों में समय नहीं दे पा रहे।सचिवों ने बताया कि कई ग्रामों में नेटवर्क व संसाधनों की कमी के बीच मोबाइल आधारित उपस्थिति लागू करना व्यवहारिक नहीं है। सचिवों का कहना है कि शासन की विभिन्न योजनाओं के सुचारू संचालन के लिये आवश्यक है कि गैर विभागीय कार्यों का बोझ कम किया जाए और ग्रामीण सचिवों को मूल दायित्वों के पालन हेतु पर्याप्त समय व संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।सचिव संघ ने मांग की है कि ग्राम पंचायत अधिकारियों को केवल पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों तक सीमित रखा जाए, अन्य विभागों के कार्यों को सौंपने पर रोक लगे तथा ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली को पंचायत स्तर की भौगोलिक व तकनीकी परिस्थितियों के अनुरूप संशोधित किया जाये। विकास खण्ड सिंहपुर, तिलोई, बहादुरपुर, जामो, शुकुल बाजार, जगदीशपुर, गौरीगंज, शाहगढ़, भादर, संग्रामपुर, भेटुआ, मुसाफ़िरखाना सहित अन्य ब्लाक मुख्यालयों पर सचिवों ने प्रदर्शन कर विरोध जताया और मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित ज्ञापन आला अधिकारियों को सौंपा है।इस मौके पर अवनीश श्रीवास्तव, राजेश कुमार, लाल चंद्र सरोज, सुरेश यादव, गुंजन गुप्ता, विद्याधर यादव, नितेश कुमार यादव, आशीष रंजन,रणवीर सिंह, मोहन लाल मौर्य, शिवांशु मिश्रा, करुणा शंकर, गंगा विभूति, प्रदीप पटेल सहित अन्य तमाम लोगों ने नारेबाजी कर विरोध जताया है।

ऑनलाइन उपस्थिति को लेकर भड़के सचिव किया प्रदर्शन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पीलीभीत। ललौरीखेड़ा ब्लॉक परिसर में सचिवों ने ऑनलाइन उपस्थिति के खिलाफ प्रदर्शन किया सचिवों ने बताया कि 03 नवंबर 2025 को जारी आदेश के तहत ग्राम पंचायतों में कार्यरत सचिवों के लिये ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली लागू किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसे लागू करने हेतु डीपीआरओ आगरा द्वारा यूपी पीआरडी पोर्टल पर उपलब्ध फ़ेसियल रिकॉग्निशन बेस्ड अटेंडेंस सिस्टम व एआई एमएल आधारित जियोफेंस्ड प्लेटफार्म की प्रस्तुति भी जारी की गई है। किंतु शासन की ओर से न तो निदेशक पंचायती राज और न ही आयुक्त ग्राम्य विकास ने जनपदों को कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश अब तक प्रदान किए हैं। इसके बावजूद कई जनपदों के अधिकारी बिना संसाधन उपलब्ध कराए सचिवों पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने का दबाव बना रहे हैं।ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली के विरुद्ध 10,11 और 14 नवंबर को ग्राम पंचायत अधिकारी संघ, ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन एवं राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद द्वारा शासन को व्यवहारिक समस्याओं से अवगत कराते हुए संसाधन उपलब्ध कराने का अनुरोध भेजा गया था। परंतु शासन द्वारा कोई सकारात्मक संज्ञान न लेने और सचिवों पर बढ़ते दबाव के कारण प्रदेश भर में असंतोष व मानसिक तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। कई जनपदों में सचिवों ने एकजुट होकर इसका विरोध भी शुरू किया है। सचिव संवर्ग की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए संघ ने क्रमिक, शांतिपूर्ण आंदोलन की घोषणा की है।1 से 5 दिसंबर तक सचिव काली पट्टी बाँधकर कार्य करेंगे,5 दिसंबर को सभी विकासखंडों पर सत्याग्रह कर मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव को ज्ञापन भेजा जाएगा।10 दिसंबर से सचिव इंजन चालित वाहन से क्षेत्रीय भ्रमण बंद करेंगे।15 दिसंबर को ई-ग्राम स्वराज की जटिल भुगतान प्रणाली के विरोध में सभी सचिव अपने डोंगल संबंधित विकासखंड पर जमा करेंगे। संघ ने कहा है कि यदि शासन सार्थक वार्ता करे तो कार्यक्रम बदला जा सकता है। अन्यथा आंदोलन आगे और उग्र रूप ले सकता है। इस मौके पर सचिव तृप्ति मणि त्रिपाठी,मोहित गोस्वामी,महेश पाल,कृष्णमुरारी,तौलेराम,सुधीर कुमार, समेम अन्य लोग मौजूद रहे।

नगर पालिका परिषद में जैविक खाद पर किसानों की बैठक, किया जागरूक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। नगर पालिका परिषद में सोशियो वाईटल नेटवर्क फाउंडेशन की टीम द्वारा किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण किसानों को जैविक खाद बनाने की विधि, इसके उपयोग, महत्व और दीर्घकालिक लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जैविक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में सकारात्मक रुचि दिखाई, आज के समय में रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग खेती की परंपरागत प्रकृति और मिट्टी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की कमी के कारण उसकी उत्पादन क्षमता लगातार घट रही है। ऐसे में जैविक खाद का प्रयोग एक सुरक्षित, टिकाऊ और किफायती समाधान के रूप में उभर कर सामने आया है। मिट्टी का स्वास्थ्य सुधारने में सहायक जैविक खाद मिट्टी में आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति करती है और उसकी संरचना को मजबूत बनाती है। यह मिट्टी में मौजूद सूक्ष्मजीवों की गतिविधि को बढ़ावा देती है, जिससे मिट्टी की प्राकृतिक उपजाऊ क्षमता लंबे समय तक बनी रहती है। इससे फसलों की गुणवत्ता और उपज दोनों में सुधार होता है। पर्यावरण के लिए उत्तम विकल्प जैविक खाद के उपयोग से रासायनिक अवशेषों की समस्या समाप्त होती है, जिससे जल, मिट्टी और वायु प्रदूषण में कमी आती है। यह खेती को पर्यावरण के अनुकूल बनाती है और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित करती है।

टीकाकरण कार्यक्रम के तहत दिसम्बर माह में आयोजित किया जायेगा टीका उत्सव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

स्कूलों और मदरसों में अभिभावक शिक्षक बैठक का आयोजन किया जायेगा

अमेठी। जिलाधिकारी संजय चौहान ने बताया कि राज्य स्तरीय समीक्षा के दौरान पाया गया कि जनपद में विभिन्न मानकों के अनुरूप निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धियां प्राप्त न होने की दशा में नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत माह दिसम्बर में टीका उत्सव का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि उक्त अभियान में जनपद के समस्त स्कूलों और मदरसों में बच्चों को अन्य टीकों सहित टीडी दस एवं टीडी सोलह से आच्छादित किया जायेगा तथा उक्त अभियान को सफलतापूर्वक संचालित किये जाने हेतु सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को विभिन्न गतिविधियों के लिए निर्देशित किया है। इस क्रम में उन्होंने बताया कि जिला पंचायत,नगर पंचायत द्वारा जनपद में टीका उत्सव हेतु डोर टू डोर वाहनों एवं विभिन्न चौराहों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम तथा एलईडी के माध्यम से सघन प्रचार-प्रसार व जनपद स्तर पर मुख्य चिकित्साधिकारी जिला प्रतिरक्षण अधिकारी से समन्वय करते हुये जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा अपने अधीनस्थ समस्त शिक्षकों को शत प्रतिशत टीकाकरण कराने हेतु अपने निकटतम टीकाकरण सत्रों पर बच्चों को भेजने के साथ ही सभी स्कूलों और मदरसों के सोलह वर्ष के समस्त छात्र को टीडी टीकाकरण से आच्छादित किया जायेगा तथा समस्त विद्यालय के प्रधानाचार्यो द्वारा अभिभावक शिक्षक बैठक का आयोजन, प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को स्मार्ट क्लास में टीकाकरण से सम्बन्धित आईईसी प्रदर्शित करने व टीकाकरण दिवस पर आवश्यक होने पर सम्बन्धित एएनएम को प्रातः नौ बजे से चार बजे तक एक कक्ष मय फर्नीचर उपलब्ध कराया जायेगा व अभियान के पूर्व आशा व आंगनबाड़ी सम्बन्धित स्कूल के शिक्षकों के साथ समन्वय कर अभिभावक बैठक के माध्यम से मोबिलाइज कर शत-प्रतिशत अन्य समस्त टीकों के साथ साथ डीडी टीकाकरण करेंगी।उन्होंने बताया कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा सभी स्कूलों और मदरसों के दस वर्ष के समस्त छात्र को उपरोक्तानुसार निर्धारित कार्यक्रम में टीकाकरण की गतिविधियां सम्पन्न करायेंगे तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा अपने अधीनस्थ बाल विकास परियोजना अधिकारियों को उक्त टीका दिवस में टीकाकरण से छूटे हुये समस्त गर्भवतियों तथा बच्चों को टीकाकरण सत्र पर बुलाने तथा टीकाकरण कराने हेतु निर्देशित करेंगे एवं जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्र के समस्त टीकाकरण से वंचित बच्चों को मोबिलाइज कर निकटतम टीकाकरण सत्रों पर भेजने के साथ ही धर्मगुरूओं के साथ बैठक कर टीका उत्सव को सफल बनाने का कार्य करेंगे।

अग्निकाण्ड में पांच मवेशियों की मौत के साथ ही सामग्री जलकर हुई राख

तिलोई ,अमेठी। थाना मोहनगंज क्षेत्र के गांव पूरे बालदास मजरे कमई में गुरुवार की देर रात एक घर में अग्नि काण्ड से दैनिक उपयोग की वस्तुओं के कई मवेशियों की झुलसकर मौत हो गई है।ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका।थाना क्षेत्र के गांव पूरे बालदास मजरे कमई निवासिनी निशा पत्नी स्व. विजय कुमार के यहां पर घर निर्माण कार्य चल रहा था जिससे अधिकांश घरेलू सामान छप्पर के नीचे रखा गया था। इसी बीच देर रात अचानक उठी एक चिंगारी ने कुछ ही मिनटों में छप्पर को आग की चपेट में ले लिया।इस अग्निकांड में एक भैंस, दो भैंस के बच्चे, एक गाय और एक बछड़ा जलकर मरने की सूचना मिली है। ग्रामीणों के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि मवेशियों को बाहर निकालने का मौका भी नहीं मिला जिससे गांव में अफरा तफरी की स्थिति बन गई और आग से धान, गेहूं,साइकिल, कपड़े, जरूरी कागजात, मोबाइल फोन सहित हजारों रुपये की नकदी और घर का लगभग सारा सामान नष्ट हो गया। पीड़ित परिवार पूरी तरह बेघर और आर्थिक रूप से टूट गया है।

सचिवों ने मुख्यमंत्री को संबोति 10 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा

अनलाइन उपस्थिति के विरोध में जारी सत्याग्रह

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। ग्राम पंचायत आकिारी/ग्राम विकास आकिारी समन्वय समिति के बैनर तले सचिवों का विरोा आंदोलन तेज हो गया है। संघ के अयक्ष राजेश सिंह और महामंत्री .पा शंकर शुक्ला के नेतृत्व में सचिवों ने दुबेपुर विकास खंड आकिारी दिव्या सिंह को मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश को संबोाित 10 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा।अनलाइन उपस्थिति व्यवस्था के विरोा में सचिवों ने 1 से 4 दिसंबर तक काली पट्टी बांाकर प्रदर्शन किया।

इसके बाद 5 दिसंबर को सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक शांतिपूर्ण सत्याग्रह किया गया। सचिवों का कहना है कि एक-एक कर्मी के पास 1 से 10 गांवों का प्रभार है, ऐसे में दिन में तीन बार अनलाइन हाजिरी लगाने से सरकारी योजनाओं के संचालन में भारी बाााएं आएंगी। सचिवों ने आरोप लगाया कि 10-10 गांवों में कार्य निष्पादन के लिए उन्हें निजी संसाानों का उपयोग करना पड़ता है, जबकि केवल साइकिल भत्ता ही प्रदान किया जाता है। इस व्यवस्था को अव्यवहारिक बताते हुए सचिवों ने आंदोलन को 15 दिसंबर तक जारी रखने की चेतावनी दी है। विरोा के तहत आज सभी सचिवों ने सरकारी व्हाट्सएप ग्रुपों से स्वयं को हटाकर अपना आक्रोश जताया। मांग पत्र सौंपने के दौरान एडीओ पंचायत दिनेश सिंह, मनोज कुमार पांडेय, श्रद्धा त्रिपाठी, प्रतीक सिंह, संगीता पाल, रंजना उपायाय, बृजेश तिवारी, नरेंद्र कुमार, मनोज सोनकर, लवनीत शर्मा सहित कई सचिव मौजूद रहे।

सम्पादकीय

‘साथी’ पर अविश्वास

हाल ही में केंद्र सरकार ने निर्देश दिए थे कि आगामी वर्ष मार्च से हर नये स्मार्टफोन में ‘संचार साथी’ ऐप पहले इंस्टॉल करना अनिवार्य होगा। दूसरी ओर पुराने स्मार्ट फोनों में इसे सॉफ्टवेयर अपडेट द्वारा भेजा जाएगा। जिसको लेकर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी और शीतकालीन सत्र में इसे बड़ा मुद्दा बनाया। विपक्ष का कहना था कि इससे निजता का उल्लंघन होगा और व्यक्ति के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप बढ़ जाएगा। विपक्ष ने इसे संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण व नागरिकों की निगरानी करने वाला टूल बताया। इस बहस के बीच विपक्ष को नया मुद्दा मिलते देख केंद्र सरकार ने अनिवार्य तौर पर ऐप प्री-इंस्टॉल करने का अपना फैसला वापस ले लिया। दरअसल, सरकार का कहना था कि डिजिटल होती दुनिया में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों से नागरिकों को सुरक्षा देने के मकसद से यह पहल की गई थी। उसका कहना था कि लगातार जटिल होते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये ऐसी पहल अपरिहार्य है। लेकिन विपक्ष का आरोप था कि साइबर अपराधों के खिलाफ सुरक्षा के नाम पर सरकारी हस्तक्षेप से नई तरह की असुरक्षा पैदा हो सकती है। बताया जाता है कि सरकार ने स्मार्टफोन में साइबर सुरक्षा ऐप इस तरह इंस्टाल करने को कहा था ताकि उसे डिलीट या अक्षम न किया जा सके। केंद्र की दलील थी कि यह ऐप उपभोक्ता को धोखाधड़ी वाले फोन और संदेशों की रिपोर्ट लिखवाने में मदद करता। साथ ही चोरी किए गए मोबाइल की बरामदगी आसान हो पाती। लेकिन निजी डेटा सुरक्षा व इसकी कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए गए, जिसके चलते इसका विरोध हुआ। वैसे सर्च इंजन में पहले से मौजूद इस ऐप को देश के लाखों लोग पहले ही स्वेच्छा से डाउनलोड कर चुके हैं। लेकिन इसको अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने के आदेश के बाद विरोध के स्वर उभरने लगे। जिसके बाद विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसके जरिये व्यक्ति की निजता का अतिक्रमण करके उसके जीवन में ताक-झांक की जा सकती है। हालांकि, विरोध के सुर मुखर होने के बाद सरकार की ओर से स्पष्टीकरण आया कि यह निर्णय वैकल्पिक है और कोई व्यक्ति इस ऐप को इच्छानुसार डिलीट कर सकता है। निस्संदेह, निजता हमारा मौलिक अधिकार है। ऐसे में किसी ऐप की अनिवार्यता से व्यक्ति की गोपनीयता में खलल पड़ने की आशंका जतायी जाने लगी। पिछले दिनों सरकार ने व्हाट्स ऐप व टेलीग्राम आदि कम्युनिकेशन ऐप्स संचालक कंपनियों से कहा था कि वे अपनी सेवा को मोबाइल के सिम कार्ड से जोड़कर रखें। ताकि सिम के बिना इन ऐप का दुरुपयोग न हो सके। जिसको लेकर टेलि-कम्युनिकेशन कंपनियों ने सकारात्मक प्रतिसाद दिया था। निस्संदेह, निजता का अधिकार देश में मौलिक अधिकार के रूप में मौजूद है। शीर्ष अदालत ने भी अपने एक निर्णय के जरिये स्पष्ट किया था कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 21 में ‘राइट टू प्राइवेसी’ में भी निहित है। जिसके अंतर्गत मोबाइल, इंटरनेट व डिजिटल जानकारियां भी शामिल हैं। ऐसे में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों से इतर व्यक्ति को अपनी डिजिटल संप्रभुता की सुरक्षा का हक है। यही वजह है कि विगत में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि मोबाइल व निजी कंपनियां उपभोक्ता से आधार कार्ड नहीं मांग सकती। इस फैसले को तब निजता की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया था। यही वजह है कि ‘संचार साथी’ की अनिवार्यता के बाद निजता व व्यक्ति के डेटा में सरकारी दखल को लेकर सवाल उठने लगे। निस्संदेह, आज के डिजिटल युग में व्यक्ति का डेटा बेहद महत्वपूर्ण है। जिसकी हर कीमत पर सुरक्षा की जानी चाहिए। वहीं इसके साथ ही इस बात की भी पड़ताल होनी चाहिए कि कहीं कुछ अन्य ऐप हमारे डेटा में तो सेंध नहीं लगा रहे हैं? सरकार को इससे उपभोक्ता की सुरक्षा करनी होगी। वहीं तर्क दिया जा रहा है कि संचार साथी ऐप को अनिवार्य करने के बजाय आम लोगों को नई तकनीक और इसके इस्तेमाल के लिये सतर्क करने को देशव्यापी जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। साथ ही इसके लिये आम जनता को प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। जिससे तकनीक के जरिये साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने की मुहिम को गति दी जा सके।

संचार साथी ऐप: अपेक्षा है निजता बनाम सुरक्षा के बीच संतुलन की

डिजिटल युग आज अवसरों के साथ-साथ अभूतपूर्व संकटों का भी युग है। साइबर अपराध, चोरी, जासूसी, डेटा हेरफ़ेर, गलत सूचना, आतंकवादी नेटवर्किंग-इन सबने सुरक्षा की चुनौतियों का नया स्वरूप निर्मित किया है। संयुक्त राष्ट्र तक यह स्वीकार कर चुका है कि अगला विश्वयुद्ध यदि हुआ, तो वह साइबर मोर्चे पर भी लड़ा जाएगा। ऐसे समय में क्या किसी राष्ट्र की सरकार को निष्क्रिय खड़ा रहना चाहिए? निश्चित रूप से नहीं। इसलिए संचार साथी ऐप मात्र निगरानी का यंत्र नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नागरिक संरक्षण एवं डिजिटल अपराध नियंत्रण की रणनीतिक आवश्यकता के रूप में उभरा है। सरकार का सही कहना था कि डिजिटल होती दुनिया में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों से नागरिकों को सुरक्षा देने के मकसद से यह पहल की गई थी। उसका कहना था कि लगातार जटिल होते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये ऐसी पहल अपरिहार्य है। विपक्ष का विरोध इसलिए भी एकांगी है क्योंकि केवल यह निजता के सवाल पर केंद्रित है। परंतु निजता का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित, पूर्ण स्वतंत्र नहीं, बल्कि परिस्थितिनिष्ठ है। लोकतंत्र व्यक्ति को अधिकार देता है, साथ ही साझा सुरक्षा की जिम्मेदारी भी मांगता है।

भारत की लोकतांत्रिक राजनीति में एक विचित्र प्रवृत्ति विकसित होती दिख रही है, जहाँ सत्ता द्वारा उठाए गए प्रत्येक कदम को विपक्ष संदेह की दृष्टि से देखता है। संचार साथी ऐप को लेकर इन दिनों इसी प्रकार का विवाद एवं विरोध का वातावरण बना हुआ है। केंद्र सरकार की यह सोच कि हर नए स्मार्टफोन में इस ऐप को अनिवार्य किया जाए, विपक्ष ने इसे निजता एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन बताते हुए कठोर शब्दों में चुनौती दी और संसद के शीतकालीन सत्र में इसे बड़ा मुद्दा बना दिया है और इससे व्यक्ति के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप बढने की आशंकाएं व्यक्त की है। विपक्ष ने इसे संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण व नागरिकों की निगरानी करने वाला टूल बताया। इस बहस के बीच विपक्ष को नया मुद्दा मिलते देख केंद्र सरकार ने अनिवार्य तौर पर ऐप प्री-इंस्टॉल करने का अपना फैसला वापस ले लिया। सरकार ने स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए फिलहाल इसे स्वैच्छिक बना दिया है अर्थात जो चाहे ऐप को रखे, जो चाहे उसे हटाए। परंतु इस विवाद ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठा दिया है कि क्या हम केवल विरोध की राजनीति में वास्तविक चुनौतियों और आवश्यकताओं को भुला रहे हैं? वास्तविकता यह है कि डिजिटल युग आज अवसरों के साथ-साथ अभूतपूर्व संकटों का भी युग है। साइबर अपराध, चोरी, जासूसी, डेटा हेरफ़ेर, गलत सूचना, आतंकवादी नेटवर्किंग-इन सबने सुरक्षा की चुनौतियों का नया स्वरूप निर्मित किया है। संयुक्त राष्ट्र तक यह स्वीकार कर चुका है कि अगला विश्वयुद्ध यदि हुआ, तो वह साइबर मोर्चे पर भी लड़ा जाएगा। ऐसे समय में क्या किसी राष्ट्र की सरकार को निष्क्रिय खड़ा रहना चाहिए? निश्चित रूप से नहीं। इसलिए संचार साथी ऐप मात्र निगरानी का यंत्र नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नागरिक संरक्षण एवं डिजिटल अपराध नियंत्रण की रणनीतिक आवश्यकता के रूप में उभरा है। सरकार का सही कहना था कि डिजिटल होती दुनिया में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों से नागरिकों को सुरक्षा देने के मकसद से यह पहल की गई थी। उसका कहना था कि लगातार जटिल होते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये ऐसी पहल अपरिहार्य है। विपक्ष का विरोध इसलिए भी एकांगी है क्योंकि केवल यह निजता के सवाल पर केंद्रित है। परंतु निजता का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित, पूर्ण स्वतंत्र नहीं, बल्कि परिस्थितिनिष्ठ है। लोकतंत्र व्यक्ति को अधिकार देता है, साथ ही साझा सुरक्षा की जिम्मेदारी भी मांगता है। जब डिजिटल मंचों पर राष्ट्रीय अखंडता, आर्थिक व्यवस्था, सामरिक रहस्य और सामाजिक शांति पर संकट मंडराते हों, तो सरकार को हस्तक्षेप करना नैतिक रूप से उचित ही नहीं, बल्कि आवश्यक हो जाता है। अमेरिका, चीन, जर्मनी, ब्रिटेन-सभी देशों के पास निगरानी आधारित साइबर सुरक्षा प्रणालियाँ हैं। क्या उनकी लोकतांत्रिक संरचनाएँ इस कारण क्षीण हो गईं? नहीं, क्योंकि निगरानी और सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित किया गया। भारत को भी इसी संतुलन की आवश्यकता है। यह सही है कि किसी भी डिजिटल ऐप में निगरानी का वहनीय स्वरूप रखना चाहिए, जिससे नागरिक की व्यक्तिगत जिंदगी पर अनावश्यक हस्तक्षेप न हो। सरकार ने भी यही स्पष्ट किया है कि संचार साथी नागरिक के निजी जीवन में दखल नहीं देना चाहता, बल्कि उसे साइबर अपराध, हैकिंग, धोखाधड़ी, फर्जीवाड़ा, एवं डिजिटल आतंकवाद से बचाने हेतु काम करेगा। विडंबना यह है कि विपक्ष इस ऐप को ‘निष्ठा परीक्षण’, ‘मनोवैज्ञानिक निगरानी’ और ‘गोपनीयता हनन’ का उपकरण बताकर भय पैदा कर रहा है, जबकि पूर्व में स्वयं उनकी सरकारें समान तंत्र विकसित कर चुकी हैं, चाहे वह आधार डेटा सुरक्षा हो, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल हों या राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों के निगरानी प्रोटोकॉल। सवाल यह है कि यदि अपराधी, आतंकवादी, अलगाववादी, साइबर गैंग्स संगठित डिजिटल हथियारों का उपयोग कर रहे हैं, तो क्या सामान्य नागरिकों को असुरक्षित छोड़ दिया जाए? क्या यह लोकतंत्र का तकाज़ा है कि सरकार देखती रहे और समाज अपराध की प्रयोगशाला बन जाए? वास्तव में यह संकट केवल भारत का नहीं, विश्व का है। आज की दुनिया में जो राष्ट्र डिजिटल नियंत्रण तंत्र विकसित नहीं करता, उसकी सुरक्षा दीवारें काग़ज़ की नाव जैसी सिद्ध होती हैं। इसलिए यह कहना कि संचार साथी ऐप अनावश्यक या दमनकारी है, वस्तुस्थिति से आंखें मूंद लेने जैसा है। निश्चित रूप से एक सवाल उठता है, क्या ऐप डेटा सुरक्षा की गारंटी देगा? यह बेहद महत्वपूर्ण प्रश्न है। सरकार को इस ऐप के उद्देश्य और डाटा संचालन नीति को पारदर्शी रूप में सार्वजनिक करना चाहिए। यदि इस पर स्वतंत्र ऑडिट हो, निजता सुरक्षा प्रावधान हों, दुरुपयोग को रोकने वाली न्यायिक निगरानी हो तो विरोध स्वतः समाप्त हो जाएगा। परंतु विपक्ष का विरोध नीतिगत सुधारों की दिशा में न होकर केवल राजनीतिक अवसरवाद प्रतीत होता है। यह भी सही है कि नागरिकों की चिंताएँ निराधार नहीं, भारत में डेटा सुरक्षा कानून अभी भी परिपक्व नहीं है, डिजिटल संरचनाएँ जवाबदेही की दृष्टि से मजबूत नहीं हैं। अतः संचार साथी के विकास के साथ-साथ देश में निजता सुरक्षा कानूनों को और अधिक कठोर, दंडात्मक एवं न्यायिक रूप से संरक्षित बनाने की आवश्यकता है। यदि इस ऐप के कार्यों पर दृष्टि डालें तो उसके पीछे सोच यह है कि मोबाइल संचार के माध्यम से होने वाले अपराधों की पहचान, रिपोर्टिंग और ट्रैकिंग को व्यवस्थित किया जा सके। यह व्यक्ति की निगरानी का उपकरण कम और अपराध नियंत्रण की प्रणाली अधिक है। भारत में साइबर अपराधों में प्रति वर्ष 63 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की जा रही है, लाखों लोग ऑनलाइन धोखाधड़ी के शिकार बन रहे हैं, बैंकिंग ठगी से लेकर सोशल मीडिया मनोवैज्ञानिक अपराधों तक का दायरा बढ़ रहा है। क्या सरकार की चुप्पी इन अपराधियों को खुला मैदान नहीं दे देती? इसलिए संचार साथी जैसे कदमों का उद्देश्य नागरिक सुरक्षा का विस्तार है, न कि लोकतांत्रिक स्वतंत्रता का संकुचन। कठोर सत्य यह है कि राष्ट्र केवल अधिकारों पर आधारित नहीं होते, जिम्मेदारियों और सुरक्षा तंत्रों पर भी टिके होते हैं। एक नागरिक के रूप में हम यह अपेक्षा करते हैं कि हमारा डेटा सुरक्षित हो, हमारा पैसा सुरक्षित हो, हमारा देश सुरक्षित हो परंतु जब सुरक्षा के लिए कदम उठाया जाए, तो हम विरोध में खड़े हो जाते हैं। यह राजनीतिक अधिक है, जहाँ हम एक विश्वव्यापी सिद्धांत को भूल जाते हैं कि स्वतंत्रता जिम्मेदारी के साथ ही टिक सकती है। इसलिए संचार साथी ऐप पर संतुलित दृष्टि ही सार्थक है। सरकार को उसकी संरचना पारदर्शी, उत्तरदायी और कानून नियंत्रित रखनी चाहिए, और विपक्ष को इस तथ्य को स्वीकार करना चाहिए कि डिजिटल भारत की सुरक्षा चुनौतियाँ केवल नारे से हल नहीं होंगी, बल्कि तकनीकी सुरक्षा तंत्रों से ही नियंत्रण संभव होगा। लोकतंत्र में आलोचना आवश्यक है, परंतु रचनात्मक आलोचना, जिसमें सुधार की मांग होती है, न कि केवल अस्वीकरण। यदि राजनीतिक वर्ग इस बहस को इसी दिशा में ले जाए, तो संचार साथी ऐप न केवल विवादित विषय रहेगा बल्कि डिजिटल सुरक्षा के लिए नागरिक-हितकारी उपकरण के रूप में स्थापित भी होगा।

निस्संदेह, आज के डिजिटल युग में व्यक्ति का डेटा बेहद महत्वपूर्ण है। जिसकी हर कीमत पर सुरक्षा की जानी चाहिए। वहीं इसके साथ ही इस बात की भी पड़ताल होनी चाहिए कि कहीं कुछ अन्य ऐप हमारे डेटा में तो सेंध नहीं लगा रहे हैं? सरकार को इससे उपभोक्ता की सुरक्षा करनी होगी। वहीं तर्क दिया जा रहा है कि संचार साथी ऐप को अनिवार्य करने के बजाय आम लोगों को नई तकनीक और इसके इस्तेमाल के लिये सतर्क करने को देशव्यापी जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। साथ ही इसके लिये आम जनता को प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। जिससे तकनीक के जरिये साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने की मुहिम को गति दी जा सके। अंततः यह समझना होगा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और निजता-दोनों अनिवार्य हैं। चुनौती इन्हें संतुलित करने की है, न कि किसी एक को दूसरे के विरुद्ध खड़ा करने की। यदि यह संतुलन नीति, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ बने, तो संचार साथी ऐप देश के डिजिटल भविष्य की सुरक्षा का सेतु बन सकता है। विरोध की राजनीति नहीं, समझ और समाधान की राजनीति आज की आवश्यकता है, यही इस ऐप की वास्तविकता और उपयोगिता को समझने की दिशा है। **–ललित गर्ग**

चुनावी घोषणा पत्र में किए अधिकतर वादे अभी भी अधूरे

पंजाब में आम आदमी पार्टी का चार वर्षों का सफर..

सुभाष आनंद

पंजाब में आम आदमी पार्टी के 4 वर्ष पूरे होने पर पार्टी की तरफ से अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों के दावे किए जा रहे है। उसके बारे में गंभीरता से विस्तार में जानने की जरुरत है। पहले देखना होगा आम आदमी पार्टी ने जो अपने घोषणा पत्र में वादे किए थे, उसमें कितने पूरे किए। बताई गई इन उपलब्धियों के बारे में अकाली दल बादल के नेता सुखबीर सिंह बादल का कहना है कि सरकार की तरफ से किए गए दावे खोखले है, वास्तविकता यह है कि आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब के लिए निकम्मी एवं असफल सरकार साबित हुई है। उन्होंने सरकारी तंत्र के पूरी तरह से सुस्त हो जाने की बात कही। परंतु इसके साथ यह बात याद रखने वाली है कि पूर्व विधान सभा चुनावों में अकाली-भाजपा और कांग्रेस पार्टी से निराश होकर लोगों ने एक नया विकल्प ढूंढते हुए आम आदमी पार्टी को घोर समर्थन दिया था । लोगों ने आम आदमी पार्टी को 92 सीटों पर जितवा कर अकाली दल और कांग्रेस पार्टी के बड़े-बड़े नेताओं को धूल चटा दी थी। लोगों को उम्मीद थी कि परिवर्तन उनकी जिंदगी में नई बहार बनकर आएगा। लेकिन लोगों ने जो भारी उम्मीदें आम आदमी पार्टी से लगाई थी, वह धीरे-धीरे बिखरने लगी। 4 वर्षों में धरातल पर कुछ भी नया नहीं हुआ। लोगों की उम्मीदें पूरी नहीं हुई। जहां तक राज्य की आर्थिक स्थिति का प्रश्न है यह पहले से भी अधिक बीमार और दयनीय हो चुकी है। सूत्रों से पता चला है कि आम आदमी पार्टी ने इतना ऋण लिया है कि पंजाब का प्रत्येक व्यक्ति 1,17800 रुपए का कर्जदार हो चुका है। पंजाब जैसे छोटे राज्य पर इतना कर्ज चढ़ चुका है कि जिसका बोझ सहन करना इसके लिए मुश्किल दिखाई देता है, क्योंकि इसकी अपनी आमदनी ब्याज चुकाने पर समाप्त हो रही है। चर्चाओं में तो यह भी है कि अकाली भाजपा के 10 वर्ष के शासन काल और कांग्रेस के 5 वर्ष के शासन काल में उतना ऋण नहीं लिया गया, जितना ऋण आम आदमी पार्टी ने 4 वर्षों में लिया है। राज्य में बढ़ते नशे को रोकने के लिए न तो पूर्व सरकारों ने कोई ठोस कदम उठाए है ना ही आम आदमी पार्टी ने। आम आदमी पार्टी के नशे खिलाफ छेड़े गए अभियान में बड़ी-बड़ी बातें कही जा रही है, लेकिन पंजाब में रोजाना नशे से सैकड़ों लोग मारे जा रहे हैं। वहीं कांग्रेसी नेताओं का आरोप है कि पुलिस की छत्र-छाया में गांव-गांव शहर-शहर नशा बेचा जा रहा है। अब नशे की आग पुलिस अफसरों के घरों तक पहुंच रही है जो सरेआम नशे के गोरख धंधे में लगे हुए थे। नशे का व्यापार अकाली-भाजपा सरकार के साथ-साथ कांग्रेस में भी होता रहा है,आम आदमी पार्टी के कई विधायक भी नशे के धंधे में लगे हुए है। आज पंजाब का युवा वर्ग तरह-तरह के नशे से युक्त है। वहीं निचले स्तर से लेकर उच्च स्तर तक बने नशा व्यापारियों के गठबंधन को सरकार समाप्त करने में सफल नहीं हो रही। पिछले दिनों पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा था कि राज्य में किसी माफिया को पनपने नहीं दिया जाऐगा, लेकिन बड़े अफसोस से कहना पड़ता है कि आज मुख्यमंत्री के रिश्तेदार अवैध माईनिंग में लगे हुए है। मुख्यमंत्री ने अपने चार वर्षों के समय में हजारों लोगों को नौकरियां देने की बात की है। उसमें वह कितने सच्चे है एवं कितने झूठे है, यह पंजाब वासियों को सब पता है। सूत्रों से पता चला है कि पंजाब सरकार ने जो युवाओं को नौकरियां दी है, उनमें से 37.4 फीसदी दिल्ली एवं हरियाणा के लोग है। बेरोजगारों को नौकरी और बेरोजगारी भत्ता देना तथा स्मार्ट फोन की बात करना अब दूर की बातें नजर आने लगी है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने पंजाब के उद्योगतियों से सस्ते भाव में बिजली देने का जो वादा किया था वह पूरी तरह से फ्लाप होता नजर आ रहा है। रेत-बजरी का काला धंधा भी पहले की तरह चल रहा है। इसके साथ कर्मचारी भी पंजाब सरकार से संतुष्ट नहीं है, वहीं मुख्यमंत्री जो कहा करते थे कि अब कर्मचारियों को सड़कों पर नहीं उतरना पड़ेगा, आज कर्मचारियों को पक्का करने के लिए वित्तीय संकट की बातें कर रहे है। कर्मचारियों का डीए रिलीज नहीं किया जा रहा है। किसान भी आज सड़कों पर है। उनके ऋण माफ नहीं किए जा रहे। बुढ़ापा पेंशन बढ़ जाने की बातें ठंडे बस्तों में डाल दी गई है।

सेहत मंत्र

कई बीमारियों का रामबाण इलाज है जामुन का बीज

जामुन एक ऐसा फल है, जो कई बीमारियों में घरेलू उपचार के रूप में काम आ सकता है। काले-काले रसीले जामुन आखिर किसे पसंद नहीं होते, उनका खट्टा-मीठा स्वाद आपको बार-बार खाने के लिए मजबूर कर देता है। जामुन फल ही नहीं, बल्की इसके बीज भी बहुत फायदेमंद होते हैं। आमतौर पर आप जामुन खाने के बाद गुठली फेंक देते हैं, लेकिन जामुन के बीज आपकी सेहत के लिए उतने ही लाभदायक हैं, जितने कि कोई जड़ी बूटी। जामुन के बीज में ऐसी औषधियां पाई जाती हैं, जो आपको कई बीमारियों से लड़ने में मदद कर सकती हैं। यहां हम आपको बताएंगे कि कैसे आप जामुन की गुठलियों का प्रयोग करके उन बीमारियों से लड़ सकते हैं। ज्यादातर लोग ब्लड प्रेशर की समस्या से परेशान रहते हैं, और यह ऐसी बीमारियों में से एक है जो, एक उम्र के बाद हर दूसरे व्यक्ति में पाई जाती है। ब्लड प्रेशर हाई होने के कारण आप काफी परेशान रहते होंगे, लेकिन आप एक घरेलू नुस्खा अपना सकते हैं, जो आपके लिए बहुत मददगार साबित होगा। जामुन के बीज का पाउडर बनाकर आप इसे पानी के साथ ले सकते हैं। यह आपके लिए बहुत फायदेमंद होगा। यह नुस्खा आपके ब्लड प्रेशर लो या हाई होने से रोकेगा, और आपके शरीर के रक्त प्रवाह को ठीक करेगा। आजकल लोग जंक फूड खाना अधिक पसंद करते हैं, जिसके कारण पेट से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पेट दर्द की परेशानी अक्सर छोटे बच्चों में भी देखी जाती है, और वह अपनी पढ़ाई पर भी ध्यान नहीं दे पाते हैं। पेट दर्द और पथरी जैसी बीमारियों के लिए जामुन के बीज फायदेमंद हैं, इनके बीज का पाउडर बनाकर, रात को सोने से पहले खाने से आपका पाचनतंत्र अच्छा रहेगा। अगर आपका बच्चा बिस्तर गीला करता है, तो आप इस पाउडर में पानी मिलाकर, एक चम्मच रोज पिलाएं। यह आपके लिए लाभकारी साबित होगा।

धर्म मंत्र

पहली मुलाकात के दौरान श्री रामजी और हनुमंत लाल की मीठी लुका-छुपी

विगत अंक में हमने जाना कि विप्र रूप श्री हनुमान भगवान श्री राम से प्रश्नों की एक श्रृंखला तो रखते हैं लेकिन श्रीराम मात्र सुनते रहते हैं। प्रतिउत्तर में एक शब्द तक नहीं कहते। लेकिन जैसे ही हनुमान जी ने पूछा, ‘की तुम्ह अखिल भुवन पति लीन्ह मनुज अवतार‘ तो श्री राम जी ने सोचा कि जब श्री हनुमान जी स्वयं अपना वास्तविक परिचय छुपा रहे हैं तो लो हम भी स्वयं को प्रकट नहीं करते। और श्री राम ने अपना दैवीय परिचय देने की बजाए दैहिक परिचय दे डाला? कोसलेस दसरथ के जाए। हम पितु बचन मानि बन आए।। नाम राम लछिमन दोऊ भाई। संग नारि सुकुमारि सुहाई।। अर्थात हम कोसलराज दशरथ जी के पुत्र हैं और पिता का वचन मान कर वन में आए हैं। राम-लक्ष्मण नाम हैं और हम दोनों भाई हैं। हमारे साथ सुंदर सुकुमारी स्त्री भी थी। कमाल है भगवान भी कैसे विचित्र हैं। महाभारत के युद्ध क्षेत्र में अर्जुन को भगवान के ब्रह्म रूप के दर्शन में कोई रुचि नहीं है। कोई एक भी प्रश्न वह ऐसा नहीं पूछ रहा कि हे केशव आप कहीं भगवान तो नहीं। बल्कि उन्हें अपना सखा मानता हुआ केवल अपने सगे-संबंधियों के मोहपाश में बंध युद्ध छोड़ने को तत्पर है। लेकिन तब भी श्रीकृष्ण अर्जुन को घेर-घेरकर मजबूर करते हैं कि वह उनके ब्रह्म रूप से परिचित हों और इधर श्री हनुमान जी पूछ भी रहे हैं कि आप कहीं स्वयं ईश्वर तो नहीं। और प्रभु श्री राम उल्टे स्वयं को पूर्णतः छुपा जाते हैं। और कह देते हैं कि हम तो कोसलराज दशरथ जी के पुत्र हैं।

पर्यटन

मंदिरों के लिए जाना जाता है उत्तराखंड, खूबसूरत पहाड़ भी है इसकी शान

उत्तराखंड भारत का एक ऐसा राज्य है जहां देखने लायक बहुत सी जगहे हैं। ऋषिकेश, नैनीताल, हरिद्वार, रानीखेत और मसूरी जैसी प्रसिद्ध जगहें इसी राज्य में शामिल हैं। ऐसे में यदि आप इन सर्दियों कहीं घूमने फिरने का प्लान बना रहे हैं तो आपके लिए इस जगह से अच्छी जगह और कोई नहीं मिल सकती। लंढौर- देवभूमि यानी उत्तराखंड का बहुत ही खूबसूरत शहर है लंढौर। इस शहर में आपको हॉंटेड हाउस, नाग टिब्बा, रॉबर्स केव और तपकेश्वर मंदिर जैसी खूबसूरत जगहें देखने को मिलेंगी। जहां जाकर आप अपने परिवार और दोस्तों संग खूब एंजॉय कर सकते हैं। चमोली- चमोली उत्तराखंड का एक ऐसा जिला है जहां आपको दर्शन करने के लिए बहुत मंदिर मिल जाएंगे। सर्दियों में यहां बर्फ से ढकी पहाड़ियां बहुत ही खूबसूरत नजारे पेश करती हैं। इन दिनों आप यहां जाकर ट्रेकिंग, फोटोग्राफी और स्कीइंग जैसी चीजों का भरपूर लुत्फ उठा सकते हैं। अल्मोड़ा- भीड़-भाड़ से दूर किसी शांत जगह पर समय व्यतीत करने के लिए अल्मोड़ा सबसे बेस्ट जगह है। अगर आप भी जिंदगी की भागदौड़ से दूर कुछ वक्त के लिए शांत जगह पर जाकर समय बिताना चाहते हैं तो उत्तराखंड का अल्मोड़ा गांव आपके लिए बेस्ट ऑप्शन है। चकराता- जो लोग पहाड़ देखने के शौंक रखते हैं उनके लिए चकराता से बेस्ट जगह और कोई नहीं हो सकती। इस जगह जाकर आपको पहाड़ों को नजदीक से देखने का मौका मिलेगा। सर्दियों में बर्फ से ढके पहाड़ों को नजदीक से देखने में अपना ही मजा है।

ऑनलाइन हाजिरी और थोपे गए 'फरमानों' के खिलाफ तेज हुआ विरोध

पंचायत सचिवों का आंदोलन उफान पर

आज सभी ब्लाक मुख्यालय पर हुआ धरना, सभी ने विभागीय ग्रुप को कहा नमस्ते!

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी।आनलाइन हाजिरी, विभागीय कार्यों से इतर लगातार बढ़ाई जा रही अतिरिक्त जिम्मेदारियों और अधिकारियों के एक के बाद एक जारी किए जा रहे आदेशों से क्षुब्ध पंचायत सचिवों का आंदोलन अब पूरी तरह उफान पर पहुंच गया है। पहले चरण में काली पट्टी बांधकर विरोध जताने वाले सचिवों ने आज बड़ा कदम उठाते हुए जनपद के लगभग सभी सरकारी व्हाट्सएप समूहों को छोड़कर प्रशासन को स्पष्ट संकेत दे दिया कि अब उनके धैर्य की सीमा समाप्त हो चुकी है। सचिवों का तर्क है कि जब सरकारी निर्देशों, सूचनाओं और दैनिक कार्यों का 70% हिस्सा इन्हीं ग्रुपों के माध्यम से कराया जाता है, तो ग्रुप छोड़ने का यह कदम प्रशासन के लिये चेतावनी की तरह है।

सचिवों ने साफ कह दिया है कि यदि 10 दिसंबर तक ऑनलाइन उपस्थिति और अन्य थोपे गए आदेश वापस नहीं लिये गए, तो वे सरकारी कार्यों हेतु निजी वाहनों का उपयोग बंद कर साइकिल से ही गांव-गांव काम करने निकलेंगे। सचिवों का कहना है कि जब सरकार के पास उनकी मेहनत, समय, ईंधन और जोखिम का कोई मूल्य नहीं है, तो फिर वे भी साइकिल की गति से ही शासन का विकास चक्र घुमाएँगे। इस चेतावनी ने विभागीय हलकों में खलबली मचा दी है, क्योंकि फील्ड से लेकर ब्लॉक स्तर तक अधिकतर संवाद और कार्रवाई सचिवों की तत्परता पर ही टिकी रहती है।

धरने के दौरान पंचायत सचिवों ने प्रशासन के 'तुगलकी' और 'तालिबानी' फरमानों की जमकर आलोचना की। सचिवों ने कहा कि ऑनलाइन उपस्थिति का विरोध सिद्धांततः नहीं है, लेकिन विरोध तब है जब एक सचिव को एक की जगह आधा-दर्जन पंचायतें सौंप दी जाती हैं। मनरेगा, आयुष्मान, गौशाला, बीएलओ, सर्वेक्षण, राहत कार्य, आपदा प्रबंधन और अनगिनत अन्य जिम्मेदारियों के बीच सचिव कभी सुबह नौ बजे ही फील्ड पर होते हैं, तो कभी घर-परिवार के बीच अचानक वीडियो कॉन्फ्रेंस में हाजिर होने का फरमान मिल जाता है। सचिवों का कहना है कि इतना कार्यभार किसी एक विभाग का नहीं, बल्कि पूरी दुनिया का है और यह मज़ाक उस बिंदु पर पहुंच चुका है जहाँ सचिवों की कार्यक्षमता नहीं, बल्कि उनकी सहनशक्ति की परीक्षा ली जा रही है।धरना मुख्यतः बंकी ब्लॉक में अजीत सिंह की नेतृत्वकारी भूमिका में आयोजित हुआ, जिसमें अभय शुक्ला, अरुण द्विवेदी, सर्वेश सिंह, विवेक वर्मा, हिमांशु वर्मा समेत बड़ी संख्या में सचिव मौजूद रहे। हरख ब्लॉक में आकाश पटेल, नवीन कुमार मित्तल, नवीन राय, बीना सिंह, संस्कृता भट्टाचार्य, संध्या दूबे, अक्षिता अस्थाना, अवनीश तिवारी सहित कई सचिवों ने विरोध में हिस्सा लिया। हैदरगढ़ में पवन कुमार, हर्षित श्रीवास्तव, चंद्रेश कुमार, राज कुमार, अखिलेश दूबे, दीपक राजपूत, अजय यादव, नवीन कुमार सिंह, पूजा यादव, ज्ञान प्रकाश सिन्हा, सत्य प्रकाश वर्मा, अखिलेश मिश्रा ने विरोध दर्ज कराया ।

, त्रिवेदीगंज ब्लॉक में श्रवण कुमार यादव, निर्देश शर्मा, विनय शुक्ला, संयम मिश्रा, विकास चौधरी, विशाल गुप्ता, पवन गौतम, प्रफुल्ल वर्मा , विन्दराज यादव हरी मोहन सक्सेना मसौली मे जायसराम, महेन्द्र प्रताप सिंह , सौम्या सिंह , बीना मौर्या , दरियाबाद मे राधेश्याम मिश्रा , राजनीश शुक्ला , अमन श्रीवास्तव, आस्था सिंह उपमा मिश्रा समेत कई सचिवों ने धीरज और शांति के साथ लेकिन दृढ़ता से अपना विरोध प्रकट किया।सचिवों ने स्पष्ट कहा कि वे सिस्टम के सबसे निचले स्तर पर जनता और सरकार को जोड़ने का पुल हैं, लेकिन हर जिम्मेदारी उसी पुल पर लाद देने से पुल मजबूत नहीं, कमजोर होता है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि ल्लगता है विभाग को सचिव नहीं, 6 हाथ और 12 घंटे की बैटरी वाला रोबोट चाहिए,ङ्क लेकिन जमीन पर काम करने वाला कोई भी कर्मचारी मशीन नहीं होता।आंदोलनकारियों ने कहा कि वे गांव की नाड़ी, किसानों की समस्याएँ, विकास योजनाओं की ज़मीन-स्तरीय वास्तविकताओं को सबसे अधिक जानते हैं और दिन-रात बिना किसी अतिरिक्त मानदेय के कार्य करते हैं। सरकार को यह समझना चाहिए कि सचिव विरोध इसलिए नहीं कर रहे कि वे काम नहीं करना चाहते, बल्कि इसलिए कि वे काम जिम्मेदारी से कर सकें और यह तभी संभव है जब आदेश काम की वास्तविकता के अनुरूप हों।ध रना शांतिपूर्ण रहा, पर संदेश तेज और स्पष्ट अगर सचिवों की बात न सुनी गई, तो आने वाले दिनों में प्रशासन का पहिया 'डिजिटल स्पीड' से नहीं, 'साइकिल स्पीड' से घूमेगा।

सचिवों का नया संकल्पः हम सुपर हीरो नहीं, सरकारी काम साइकिल से ही!

बाराबंकी : देश डिजिटल इंडिया में 5जी की रफ़्तार पकड़ रहा है, पंचायत सचिवों को अचानक याद दिला दिया गया कि असली विकास तो साइकिल पर ही होता है। विभाग ने ऑनलाइन हाजिरी थोप दी जैसे सचिवों के पास एक नहीं, आधा दर्जन पंचायतें देखकर भी उनकी सुपरहीरो जैसी क्षमताओं पर संदेह करते है !सचिवों ने भी जवाब में तकनीक को तकनीक-स्टाइल में ठेंगा दिखाते हुए सभी सरकारी व्हाट्सएप ग्रुप छोड़ दिए। अब बेचारे आदेश कहाँ जाएँगे? फाइलों में, हवा में या ऑफिस के पंखे से चिपककर आएँगे यह विभाग भविष्य में बताएगा।सचिवों का कहना है कि ल्लहमें ऑनलाइन हाजिरी से दिक्कत नहीं, लेकिन जब फील्ड में 9 बजे नाली-खड़ंजा देखने जाएँ, और उसी समय वीसी में चेहरे की गिनती हो तो समझिए तकनीक नहीं, तुग़लक बोल रहा है। ऊपर से आयुष्मान कार्ड, गौशाला निरीक्षण, बीएलओ ड्यूटी, जनगणना, आपदा, चुनाव सचिवों के हिसाब से अब तक बस चाँद पर भेजने का काम ही बचा था, बाकी सारे तो कर ही चुके हैं।अब चेतावनी साफ है 10 दिसंबर के बाद सरकारी काम साइकिल से होगा। तेल सरकार डाले या जनता हमें क्या!ङ्कविभाग में हलचल है, क्योंकि अब तक जितने आदेश ग्रुप में आते थे, उन्हें ढूँढने के लिए शायद एक नया विभाग बनाना पड़े।

तीसरी रेलवे लाइन का सीआरएस निरीक्षण पूर्ण

स्पीड ट्रायल के बाद मिलेगी ट्रेन संचालन की हरी झंडी

रामनगर बाराबंकी। गोंडा से बुढ़वल जंक्शन तक निर्मित तीसरी रेलवे लाइन का बहुप्रतीक्षित और गहन निरीक्षण शुक्रवार को रेल सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) प्रणव सक्सेना ने गोरखपुर व लखनऊ टीमों के साथ निरीक्षण किया।यह निरीक्षण रेलवे सुरक्षा मानकों और तकनीकी गुणवत्ता की कसौटी पर इस नई लाइन को परखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सीआरएस की टीमें, जो लखनऊऽगोरखपुर मार्ग से पहुंची थीं, उन्होंने दोपहर को घाघरा घाट स्टेशन से चरणबद्ध तरीके से निरीक्षण शुरू किया। इस दौरान ट्रैक, पुलों, स्लीपरों, वेल्डिंग जॉइंट्स, सिग्नलिंग सिस्टम और इलेक्ट्रिकल फिटिंग्स का गहन परीक्षण किया गया।

चौकाघाट और बुढ़वल तक बारीकी से जांच : करीब 2 बजे, सीआरएस टीम घाघरा घाट स्टेशन से नई लाइन के प्रत्येक हिस्से का बारीकी से मुआयना करते हुए आगे बढ़ी। चौकाघाट स्टेशन के आस-पास नवनिर्मित ट्रैक और संरचनाओं की विशेष गंभीरता से जाँच की गई। निरीक्षण के दौरान लेवल क्रॉसिंग, पुलों और अन्य संवेदनशील बिंदुओं की मजबूती का भी आकलन किया गया। दोपहर करीब 3:30 बजे, सीआरएस प्रणजीत सक्सेना ने नवागत चौकाघाट रेलवे स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत वार्ता की। इसके बाद टीम पटरियों के साथ-साथ चलते हुए बुढ़वल जंक्शन पहुँची और पूरी लाइन की तकनीकी जाँच को अंतिम रूप दिया।

रेलवे विभाग के अधिकारियों ने बताया कि निरीक्षण सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद अब तीसरी रेलवे लाइन पर स्पीड ट्रायल किया जाएगा। इस ट्रायल के सफल रहने पर ही ट्रेन संचालन की अंतिम मंजूरी प्रदान की जाएगी।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी शिल्पी कनौजिया, एसआईबी गोंडा के कमलेश सिंह, वरिष्ठ परिचालन अधिकारी और वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर टीआरडी समेत बड़ी संख्या में रेलवे अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

गोंडा-बुढ़वल रूट पर बढ़ते रेल यातायात के दबाव को देखते हुए तैयार की गई यह तीसरी लाइन भविष्य में ट्रेनों की रफ़्तार, समयबद्धता और क्षमता को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी।

बता दें चौकाघाट रेलवे स्टेशन पर गोंडा-लखनऊ पैसेंजर ट्रेन का संचालन न होने से स्थानीय हजारों लोगों में रोष है। जनता लगातार यह माँग कर रही है कि जब तीसरी लाइन बन गई है तो महत्वपूर्ण लखनऊ गोंडा पैसेंजर ट्रेन का संचालन जल्द से जल्द शुरू किया जाए।

माइनर सफाई के नाम पर हटाई गई झाड़िया, खानपूर्ती

सिद्धौर बाराबंकी, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नवाबगंज रजबहा से निकलने वाली कई माइनरों में सफाई के नाम पर सिर्फ झाड़-झंखाड़ काटकर खानापूर्ति की जा रही है। स्थानीय लोगों की शिकायतों के बावजूद भी विभाग कोई सुनवाई नहीं हो रही है सादुल्लापुर माइनर की सफाई ठेकेदार ने जेसीबी से कराई, लेकिन मानक के अनुसार सिलट की ठीक से सफाई नहीं हुई। सिर्फ ऊपर-ऊपर झाड़ियां काटकर काम निपटा दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ ही दिनों में माइनर फिर वैसे ही भर जाएगी और पानी टेल तक नहीं पहुंच पाएगा।तपापुर गांव के बाद माइनर में भी सफाई मेसिर्फ कागजी खानापूर्ति। कोटवा माइनर में भी ठेकेदार की मनमानी के चलते निर्धारित मानकों के अनुसार माइनर में सिल्ट की सफाई नहीं कराई गई। इसी तरह अजौव माइनर समेत अन्य माइनरों में भी सफाई का काम नाम मात्र का किया जा रहा है अवर अभियंता, सिंचाई विभाग ने बताया कि यदि सफाई मानक के मुताबिक नहीं पाई गई तो जांच कराई जाएगी और जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी वहीं स्थानीय किसानों का कहना है की नहर की साफ सफाई सही से न होने का एक ही कारण है इसमें अधिकारी और ठेकेदार की मिली भगत होती है इसीलिए सही से सफाई नहीं किया जाती है।

दो पक्षों में जमकर मारपीट मुकदमा दर्ज

रामनगर सिद्धौर। बाराबंकी सहन की जमीन को लेकर दो पक्षों में मारपीट के मामले में पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज। कोठी थाना क्षेत्र के दौलतपुर मजरे मोहब्बतपुर गांव निवासी सत्यनारायण, दिलीप, दुर्गेश तथा विपक्षी पुनीत से सहन की जमीन पर कूड़ा डालने को लेकर विवाद हो गया जिसमें दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। जिस पर कोठी पुलिस ने नीलांबुज, झुंगरी, अंकित, मनीष सहित पांच लोगों पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू की।

रेल संरक्षा आयुक्त ने बुढ़वल-घाघरा घाट तक नई तीसरी रेल लाइन का किया निरीक्षण

ट्रॉली पर बैठकर परखी ट्रैक की मजबूती, कई विभागों के अधिकारी रहे साथ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामनगर बाराबंकी। बुढ़वल से घाघरा घाट के बीच तैयार की गई नई तीसरी रेल लाइन का शुक्रवार को रेल संरक्षा आयुक्त (सीएससी) प्रज्ञाल श्रीवास्तव ने ट्रॉली पर बैठकर विस्तार से निरीक्षण किया। उन्होंने पूरे ट्रैक पर गति, संतुलन, सिग्नलिंग, ओएचई (ओवरहेड इलेक्ट्रिक) और सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि लाइन ट्रेन संचालन के लिए पूरी तरह सुरक्षित है या नहीं। निरीक्षण के दौरान रेलवे के बिजली विभाग के मंडलीय अभियंता, ट्रैक इंजीनियर, सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग के तकनीकी अधिकारी, निर्माण इकाई के प्रतिनिधि तथा अन्य आवश्यक विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। सुरक्षा प्रबंधन की दृष्टि से आरपीएफ बुढ़वल के इंस्पेक्टर भी अपनी टीम के साथ तैनात रहे।उन्होंने लाइन के कई हिस्सों में ट्रैक फिटिंग, रेल ज्वॉइंट, बैलास्ट की गुणवत्ता और ओएचई वायर की ऊंचाई व अनुकूलता की जांच करते हुए जिम्मेदारों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने यह भी परखा कि नई लाइन पर निर्धारित मानक अनुसार ट्रेन सुरक्षित गति से चलाई जा सकती है या नहीं।आर पी एफ बुढ़वल इंचार्ज रवि कुमार ने बताया कि निरीक्षण रिपोर्ट के बाद जो भी कमियां मिली होंगी उन्हें दुरुस्त कराने के बाद जल्द ही तीसरी लाइन को ट्रेनों के नियमित संचालन के लिए अनुमतिप्रदान होगी। तीसरी लाइन चालू होने से बुढ़वल, गोंडा गोरखपुर तक इस रूट पर ट्रेनों का दबाव कम होगा और यातायात संचालन अधिक सुगम, सुरक्षित व समयबद्ध हो सकेगा।

उत्तर प्रदेश में शुरू हो रहा विकास का नया अध्याय : राजभर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। पंचायती राज विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा पंचायतों को अधिक सक्षम, आत्मनिर्भर और नवाचारी बनाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र राज्य में 07 से 11 दिसम्बर 2025 तक आयोजित पांच दिवसीय एक्सपोज़र विज़िट हेतु प्रदेश के 23 जनपदों से कुल 29 प्रतिभागियों को चयनित किया गया है। यह दौरा ग्राम पंचायतों में हो रहे उत्कृष्ट व सफल नवाचारों को प्रत्यक्ष देखने, समझने और उन्हें अपने क्षेत्रों में लागू करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा।इस कार्यक्रम का समन्वय यशदा, पुणे द्वारा किया जाएगा, जो देश भर में उच्चस्तरीय प्रशिक्षण संस्थान के रूप में विख्यात है। प्रतिभागियों को महाराष्ट्र की उन पंचायतों में ले जाया जाएगा, जहां ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, ओएसआर जनरेशन, सामाजिक उद्यमिता, बायोगैस-आधारित ऊर्जा मॉडल तथा सामुदायिक सहभागिता जैसी नवाचारी कार्यप्रणालियों ने स्थानीय विकास को एक नई दिशा दी है। पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने बताया कि उत्तर प्रदेश की पंचायतों में विकास की अपार संभावनाएं हैं। महाराष्ट्र में आयोजित यह एक्सपोज़र विज़िट हमारे प्रतिभागियों को उन सफल मॉडलों से रूबरू कराएगी, जिन्होंने अपने बल पर गांवों को नई दिशा दी है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह अनुभव हमारे युवाओं, प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों की सोच को व्यापक बनाएगा और प्रदेश की पंचायतें नवाचार आधारित विकास की ओर और तेज़ी से अग्रसर होंगी।

उत्तर प्रदेश में नवाचार की नई परंपरा, इनक्यूबेशन सेंटर बने विकास के अग्रदूत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने पिछले आठ वर्षों में इनक्यूबेशन आधारित नवाचार को नई पहचान दी है। आज प्रदेश में कुल 76 इनक्यूबेशन सेंटर सक्रिय हैं। ये केंद्र विद्यार्थियों और युवाओं को विचार से उद्योग तक पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया में सहयोग देते हैं। सरकार का उद्देश्य हर जिले में ऐसा माहौल तैयार करना है जहां युवा सुरक्षित और संगठित तरीके से उद्यम शुरू कर सकें। इसी लक्ष्य के तहत वित्तीय सहायता तकनीकी मार्गदर्शन और विशेषज्ञ नेटवर्क उपलब्ध कराया जा रहा है। इन केंद्रों ने युवाओं में उद्यमिता की भावना को मजबूत किया है और उन्हें जोखिम लेने का आत्मविश्वास दिया है।राज्य सरकार के प्रवक्ता के अनुसार पिछले आठ वर्षों में इन केंद्रों से जुड़े हजारों युवाओं ने अपनी पहचान बनाई है।

कृषि तकनीक शिक्षा स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल सेवाओं जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले कई स्टार्टअप प्रदेश के भीतर और बाहर अपनी उपयोगिता सिद्ध कर चुके हैं। इन स्टार्टअप ने रोजगार भी बढ़ाया है और स्थानीय समस्याओं के समाधान भी प्रदान किए हैं। इससे उत्तर प्रदेश के आर्थिक ढांचे को नई दिशा मिली है। स्टार्टअप विशेषज्ञ विनीत का कहना है कि उत्तर प्रदेश सरकार स्टार्टअप को बढ़ावा देने का ठोस प्रयास कर रही है। इन्क्युबेटर्स की स्थापना से स्टार्टअप्स को बड़ी मदद मिलती है। शुरुआत में स्टार्टअप्स को बहुत दिक्कतें आती है, ऐसे में इन्क्युबेटर्स बड़े सहायक होते हैं। इनक्यूबेशन सेंटर उत्तर प्रदेश में विकास और अवसरों के नए द्वार खोल रहे हैं। यह नेटवर्क न केवल उद्यमिता को गति दे रहा है बल्कि प्रदेश को आत्मनिर्भर और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर भी अग्रसर कर रहा है।उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले इनक्यूबेशन सेंटरों की संख्या लगभग 12 से 15 के बीच थी। यह केंद्र केवल चुनिंदा विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों तक सीमित थे। न इनके विस्तार की कोई स्पष्ट नीति थी और न ही स्टार्टअप इकोसिस्टम को लेकर कोई स्पष्ट संरचना थी।

चिड़ियाघर में नई सुविधाएँ, बच्चों के लिए लगे आकर्षक और सुरक्षित झूले

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में ईको-टूरिज़्म को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विभाग ने 1.91 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। इसके तहत जू परिसर में कई विकासात्मक काम तेज़ी से किए जा रहे हैं। यह जानकारी शुक्रवार को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि परियोजना का उद्देश्य जू को अधिक आकर्षक, पर्यावरण-संगत और बच्चों के लिए अनुकूल बनाना है। इसी क्रम में हाल ही में बच्चों के मनोरंजन के लिए आकर्षक झूले (किड्स प्ले इक्विपमेंट) लगाए गए हैं, जिससे यहां आने वाले परिवारों और स्कूली बच्चों के लिए अनुभव और अधिक मनोरंजक व रोचक हो गया है। ये झूले सुरक्षित, मॉडर्न डिज़ाइन और अंतरराष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर स्थापित किए गए हैं।

मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि, प्राणी उद्यान में प्राकृतिक माहौल को और खूबसूरत बनाने के लिए बांस का फर्नीचर सेट भी लगाया जा रहा है, जिसमें बैठने की व्यवस्था, गज़ेबो-स्टाइल सेटअप और ओपन रेस्टिंग पॉइंट शामिल हैं। इससे पार्क का हरित व ईको-फ्रेंडली लुक और बेहतर होगा। साथ ही परिसर में दिशा निर्देश देने के लिए साइनेज सिस्टम को आधुनिक रूप दिया जा रहा है।

नए नेविगेशन बोर्ड, सूचना पट्ट और सुरक्षा संकेत लगाए जाएंगे, ताकि आगंतुकों को घूमने में आसानी हो और जू की अलग-अलग विंग्स तक पहुंचना सरल बने। गर्मी में आने वाले पर्यटकों को राहत देने के लिए विभिन्न स्थानों पर आधुनिक वाटर कूलर भी लगाए जा रहे हैं। इससे पीने के पानी की उपलब्धता बढ़ेगी और परिवारों को बेहतर सुविधा मिलेगी। पर्यटन मंत्री ने बताया कि ल्लनवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान लखनऊ शहर की पहचान है और इसे हम आधुनिक ईको-टूरिज़्म मॉडल के रूप में विकसित कर रहे हैं। प्रदेश सरकार का प्रयास है कि यहां आने वाले बच्चों, परिवारों और पर्यटकों को बेहतर, सुरक्षित और प्रकृति के करीब रहने वाला वातावरण मिले। 1.91 करोड़ रुपये की स्वीकृत परियोजना के माध्यम से आकर्षक झूले, बांस से बने फर्नीचर सेट, नए साइनेज और वाटर कूलर जैसी सुविधाएँ विकसित की जा रही हैं। हमारा लक्ष्य है कि लखनऊ जू को एक ऐसा हरित, पर्यावरण-संगत और विश्वस्तरीय गंतव्य बनाया जाए, जहां मनोरंजन के साथ-साथ प्रकृति और वन्यजीव संरक्षण का संदेश भी मजबूती से पहुँच सके। उल्लेखनीय है कि नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान, जिसे आमतौर पर लखनऊ जू के नाम से जाना जाता है, वर्ष 1921 में स्थापित किया गया था।यह उत्तर भारत के सबसे पुराने और लोकप्रिय प्राणी उद्यानों में से एक है।

रोहित-कोहली से फिर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद, निर्णायक मैच में जायसवाल और गेंदबाजों पर होगी निगाह

एजेंसी

विशाखापत्तनम। भारत विराट कोहली और रोहित शर्मा से फिर से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके श्रृंखला अपने नाम करने की कोशिश करेगा।

भारत के कुछ युवा खिलाड़ी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और ऐसे में उन पर दबाव होगा। दक्षिण अफ्रीका टेस्ट श्रृंखला जीतने के बाद अब वनडे श्रृंखला जीतने में भी कसर नहीं छोड़ेगा और ऐसे में भारतीय टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की जरूरत है। भारत अगर इस मैच में जीत हासिल करता है तो पिछले कुछ समय से टीम को लेकर चल रही अटकलें पर भी विराम लग जाएगा। इस सिलसिले में कोहली और रोहित को फिर से अपना महत्वपूर्ण योगदान देना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि इन दोनों का वनडे क्रिकेट में कोई सानी नहीं है और उन्हें इस तरह के दबाव वाले मैच में खेलने का अच्छा अनुभव है। इसलिए भारत की जीत में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। रोहित और कोहली अपनी करियर के अवसान पर हैं और वह इसमें एक और गौरवशाली अध्याय जोड़ने की कोशिश करेंगे। कोहली ने अपनी पिछली तीन पारियों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया है, जबकि रोहित ने अपनी पिछली चार पारियों में एक शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं। उन्हें कुछ युवा बल्लेबाजों का अच्छा सहयोग मिल रहा है जैसा कि पिछले मैच में रुतुराज गायकवाड़ ने अपना योगदान दिया था। उन्होंने अपना पहला वनडे शतक लगाया था। लेकिन यशस्वी जायसवाल को अभी भी इस श्रृंखला में सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी क्षमता का भरपूर प्रदर्शन करना बाकी है। यह प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने के लिए उत्सुक होगा। जायसवाल को बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ जूझना पड़ रहा है फिर चाहे वह वेस्टइंडीज के जेडन सील्स हों या इस श्रृंखला में मार्को यानसन और नांद्रे बर्गर। वह अपने करियर में 30 बार बाएं हाथ के गेंदबाजों का शिकार बने हैं। जायसवाल और टीम प्रबंधन इससे अनजान नहीं रह सकते और इसमें सुधार करने का काम शायद पहले ही शुरू हो चुका है। लेकिन अगर वह सुधार नहीं कर पाए तो टीम को अन्य विकल्पों पर विचार करने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। टीम के पास गायकवाड़ के रूप में एक अदद सलामी बल्लेबाज मौजूद है। एसीए-वीडीसीए स्टेडियम की पिच अक्सर बल्लेबाजों के अनुकूल होती है और भारत का यहां शानदार रिकॉर्ड रहा है। उसने यहां 2005 से 10 एकदिवसीय मैचों में से सात में जीत हासिल की है लेकिन यहां खेले गए पिछले मैच में उसे आस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था।

स्पिन की कमी के कारण लय पकड़ने में मदद मिली: ज़ैक क्रॉली

एजेंसी

ब्रिसबेन। ऑस्ट्रेलिया द्वारा ब्रिसबेन टेस्ट से अनुभवी स्पिनर नाथन लायन को बाहर करने के फैसले ने इंग्लैंड के ओपनर जैक क्रॉली की बल्लेबाजी को आसान बना दिया। क्रॉली ने स्वीकार किया कि पूरी तरह तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करते हुए उन्हें अपनी लय पाने में मदद मिली। गाबा में खेले जा रहे पिंक-बॉल टेस्ट के पहले दिन कई मौकों पर ऑस्ट्रेलिया को लायन की कमी खली। दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड 9 विकेट पर 325 रन बनाकर मजबूत स्थिति में रहा। बिना स्पिन खेले ऑस्ट्रेलिया अपनी ओवर-रेट में आठ ओवर पीछे रह गई, जिससे डब्ल्यूटीसी अंक कट सकते हैं। गेंद की हालत बिगड़ने के बाद जोफ्रा आर्चर और जो रूट ने अंतिम विकेट के लिए 61 रनों की अहम साझेदारी कर ऑस्ट्रेलियाई पेसरों को छका दिया। यह जोड़ी मूल्यवान दिन की रोशनी में शुक्रवार को आगे बल्लेबाजी करने उतरेगी। इससे पहले क्रॉली ने 76 रन बनाए, जो ऑस्ट्रेलिया में उनका दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है, जबकि रूट (135*, नाबाद) ने 30 पारियों बाद ऑस्ट्रेलियाई धरती पर शतक जड़ा। क्रॉली ने कहा कि पर्थ में खराब बल्लेबाजी के कारण दबाव में चल रही इंग्लैंड टीम को ऑस्ट्रेलियाई टीम में लायन का नाम न देखकर हैरानी हुई। स्टार्क को छोड़कर सभी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज दाएं हाथ के मध्यम गति के पेसर थे। नीसर, कैमरन ग्रीन, स्कॉट बोलैंड और ब्रेंडन डॉगेट ने मिलकर 249 रन देकर सिर्फ दो विकेट लिए, जबकि स्टार्क ने 6/71 लेकर अधिकांश नुकसान किया। क्रॉली ने माना कि गेंदबाजी में विविधता न होने से बल्लेबाजी आसान हुई। दिन के खेल के बाद क्रॉली ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ह्यचारों सीमर्स के खिलाफ एक लय हासिल हो जाती है। जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, बल्लेबाजी आसान होती गई। वहीं मिचेल स्टार्क ने हालांकि हमले में विविधता की कमी को लेकर चिंता जताने से इनकार किया। उन्होंने कहा, गति सबकुछ नहीं है। यही संयोजन हमने इस हफ्ते चुना है।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने ऐतिहासिक घुड़सवार पदक विजेताओं को किया सम्मानित

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को एफईआई एशियन इक्वेस्ट्रियन (घुड़सवारी) चैंपियनशिप 2025 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम को सम्मानित किया। पटाया में हुए इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट से छह सदस्यीय भारतीय दल ने टीम और व्यक्तिगत प्रतियोगिताओं में कुल 5 पदक जीतकर देश के लिए इतिहास रच दिया। इवेंटिंग में आशीष लिमये ने व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक और टीम इवेंट में रजत पदक अपने नाम किया। ड्रेसाज में श्रुति बोरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन रजत पदक हासिल किए—दो व्यक्तिगत और एक टीम इवेंट में। टीम के अन्य सदस्य शशांक सिंह कटारिया व शशांक कनमुड़ी (इवेंटिंग) और दिव्याकृति सिंह व गौरव पुंडीर (ड्रेसाज) थे। एथलीटों को सम्मानित करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा कि भारत अब उन खेलों में भी सफलता हासिल कर रहा है, जिनमें पहले वैश्विक स्तर पर हमारी उपस्थिति बेहद सीमित थी। उन्होंने कहा, ह्यह 10 साल पहले वाला भारत नहीं है। पिछले दशक में हमारे खेल इकोसिस्टम में जबरदस्त बदलाव आया है। सरकार खिलाड़ी और उसके पदक के बीच आने वाली हर बाधा को दूर करेगी। हम भारत में इक्वेस्ट्रियन के लिए अनुकूल स्पोर्ट्स व्यवस्था तैयार करेंगे ताकि खिलाड़ियों को विदेश में प्रशिक्षण के लिए न जाना पड़े। मंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि सरकार एक साल के भीतर देश में एक क्वारंटाइन सेंटर स्थापित करेगी, जो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए घोड़ों की आवाजाही में लंबे समय से आ रही समस्या का समाधान करेगा। तीन रजत पदक विजेता श्रुति बोरा ने मंत्री के त्वरित कदमों की सराहना की। उन्होंने कहा, जैसे ही हमने अपनी चिंताएं साझा कीं, उन्होंने तुरंत इक्वाइन डिज़ीज़-फ्री ज़ोन पर काम शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हमें केवल कुछ खिलाड़ियों को बाहर भेजने के बजाय पूरा इकोसिस्टम तैयार करना होगा। जब यह व्यवस्था स्थापित हो जाएगी, तो भारत में ट्रेनिंग, क्वालिफिकेशन और अंतरराष्ट्रीय भागीदारी—सब कुछ बेहद सुगम हो जाएगा।

वाशिंगटन की टीम में भूमिका को लेकर स्पष्टता होनी चाहिए: अश्विन

नयी दिल्ली। पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन को वाशिंगटन सुंदर की टीम में भूमिका को स्पष्ट करना चाहिए और अगर ऐसा नहीं होता है तो यह ऑलराउंडर इसी गफलत में रहेगा कि आखिर उसकी भूमिका क्या है। अश्विन ने कहा कि वाशिंगटन को गेंदबाज़ी ऑलराउंडर माना जाना चाहिए और उन्हें पूरे ओवर दिए जाने चाहिए जिससे बल्लेबाजी में भी उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों में केवल सात ओवर फेंके और अभी तक उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला है। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, ''एक बार जब आपने वाशिंगटन सुंदर को अंतिम एकादश में रखने का फैसला कर लिया, तो आपको उनकी भूमिका एक गेंदबाज के रूप में देखनी होगी जो बल्लेबाजी भी कर सकता है। आपको उन्हें उनके कोटे के सारे ओवर करवाने होंगे। उन्होंने कहा, ''लगातार गेंदबाजी करने पर ही उनकी (वाशिंगटन) मानसिकता एक ऐसे गेंदबाज की होगी जो बल्लेबाजी भी कर सकता है। अगर वह सिर्फ बल्लेबाजी और कुछ ओवर गेंदबाजी करेगा तो वह यही सोचता रहेगा कि आखिर टीम में उसकी भूमिका क्या है। उसे इस स्थिति में नहीं छोड़ना चाहिए और टीम को उसकी उचित भूमिका स्पष्ट करनी चाहिए। भारत दूसरे वनडे में 358 रन का बचाव करने में नाकाम रहा और दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट से जीत के साथ तीन मैचों की श्रृंखला बराबर कर ली। पहले वनडे में भारत ने 348 रन बनाए थे और यह मैच 17 रन से जीता था। अश्विन का मानना है कि हार्दिक पंड्या की अनुपस्थिति में भारतीय टीम को एक अदद फिनिशर की कमी खल रही है। अश्विन ने कहा, ''भारत ने पहले दोनों वनडे में भी बल्लेबाजी से अच्छा फिनिश नहीं किया। हमारे पास हार्दिक पंड्या जैसा फिनिशर नहीं है, तो नीतीश कुमार रेड्डी जैसा बल्लेबाज़ क्यों नहीं खेला। उन्होंने वाशिंगटन की जगह नीतीश को अंतिम एकादश में शामिल करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता नहीं है कि वे ऋषभ पंत को फिनिशर के तौर पर देख रहे हैं या नहीं। भारत बल्लेबाजी में अच्छी तरह से फिनिश नहीं कर पा रहा है तो ऐसे में स्पिन ऑलराउंडर की जगह तेज़ गेंदबाजी ऑलराउंडर को खिलाना चाहिए।

यूपीआई को मंजूरी के लिए आठ अन्य देशों के साथ बातचीत जारी: वित्तीय सेवा सचिव

नयी दिल्ली। केंद्रीय वित्त सेवा सचिव एम. नागराजू ने शुक्रवार को कहा कि भारत अपने डिजिटल भुगतान मंच यूपीआई को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य बनाने के लिए आठ देशों के साथ बातचीत कर रहा है। फिलहाल भारत की लोकप्रिय भुगतान प्रणाली यूपीआई को आठ देशों में स्वीकार्य किया गया है। इनमें भूटान, सिंगापुर, कतर, मॉरीशस, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), श्रीलंका और फ्रांस शामिल हैं। इससे भारतीय पर्यटक विदेशों में लेन-देन के लिए यूपीआई का इस्तेमाल कर सकते हैं। नागराजू ने यहां एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'हम अब यूपीआई लेनदेन को संभव बनाने के लिए करीब सात-आठ देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं जिनमें पूर्वी एशिया के कई देश शामिल हैं।' उन्होंने बताया कि भारत कुछ देशों के साथ व्यापार वार्ताओं के दौरान यूपीआई को भी शामिल कर रहा है। नागराजू ने कहा, 'कुछ देशों के साथ जिन व्यापार वार्ताओं को हम आगे बढ़ा रहे हैं, उनमें यूपीआई का भी एक पहलू रखने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि इस क्षेत्र में गहराई से शामिल वित्तीय-प्रौद्योगिकी उद्योग भी इसमें अपनी भूमिका निभा सके।' उन्होंने कहा कि भारत को लागत और पैमाने के स्तर पर बढ़त हासिल है और इस लाभ का उपयोग देश के हित में करना चाहता है।

एसएंडपी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज की रेटिंग बढ़ायी

नयी दिल्ली। वैश्विक साख निर्धारक एजेंसी स्टैंडर्ड एंड पूअर्स (एसएंडपी) ने रिलायंस इंडस्ट्रीज की क्रेडिट रेटिंग 'बीबीबी प्लस' से बढ़ाकर 'ए माइनस' कर दी है और आउटलुक स्थिर रखा है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी के मुताबिक, उपभोक्ता आधारित कारोबार खासतौर पर डिजिटल सेवाओं और रिटेल से लगातार मजबूत होता नकदी प्रवाह कंपनी की कमाई को अधिक स्थिर बना रहा है, जिससे रिलायंस के राजस्व की गुणवत्ता में सुधार दिख रहा है। उसने बताया है कि वित्त वर्ष 2026 तक रिलायंस के कुल परिचालन नकदी प्रवाह में करीब 60 प्रतिशत योगदान डिजिटल और खुदरा कारोबार का रहेगा, जबकि शेष 40 प्रतिशत ऑयल-टू-केमिकल्स और ऑयल-गैस से आयेगा। इससे साफ है कि कंपनी की कमाई अस्थिर होते हाइड्रोकार्बन कारोबार से हटकर अधिक भरोसेमंद उपभोक्ता क्षेत्रों की ओर बढ़ रही है। एसएंडपी ने कहा है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज का परिचालन लाभ मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 में 1.95 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

एशियन कप आर्म रेसलिंग के लिए टीम इंडिया की कप्तान बनीं ओनम गाम्नो

एजेंसी

पैरा आर्म रेसलिंग के जाने-माने खिलाड़ी श्रीमंत झा को उपकप्तान नियुक्त किया गया

नई दिल्ली। प्रो पंजा लीग ने एशियन कप आर्म रेसलिंग चैम्पियनशिप के लिए टीम इंडिया की कप्तान के रूप में अरुणाचल प्रदेश की ओनम गाम्नो और उपकप्तान के रूप में छत्तीसगढ़ के पैरा-एथलीट श्रीमंत झा को नियुक्त किया है। श्रीमंत झा पैरा-आर्म रेसलिंग के जाने-माने खिलाड़ी हैं, जो टीम में समावेश और प्रेरणा के प्रतीक माने जा रहे हैं। यह नियुक्ति उस समय हुई है, जब अरुणाचल प्रदेश हाल की घटनाओं के चलते देशभक्ति की भावना से सराबोर है। 27 वर्षीय कप्तान ओनम गाम्नो अरुणाचल प्रदेश के ईस्ट सियांग जिले के मेबो थाना क्षेत्र के नगोपोक गांव की रहने वाली हैं। वह देश की सबसे सफल आर्म रेसलर्स में से एक हैं। उन्होंने 2024 में मुंबई में हुए एशियन कप में एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज, 2025 की नेशनल आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज और 2023 की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते थे। उनकी उपलब्धियां पूर्वोत्तर के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उपकप्तान श्रीमंत झा हाल ही में हंगरी पैरा आर्म रेसलिंग वर्ल्ड कप में रजत पदक जीत चुके हैं। विशेष रूप से सक्षम खिलाड़ियों के लिए वह दृढ़ संकल्प और संघर्ष की मिसाल हैं। उनकी उपस्थिति टीम के नेतृत्व में नई

ऊर्जा और मजबूती का संचार करती है। कप्तान ओनम गाम्नो ने कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए गर्व की बात है। मेरा हर कदम देश के नाम है। मैं पूरी ताकत से खेलूंगी और तिरंगे को गौरवान्वित करूंगी। पीपुल्स आर्म रेसलिंग फ़ेडरेशन ऑफ इंडिया (पीएएफआई) की अध्यक्ष और एशियन आर्म रेसलिंग फ़ेडरेशन (एएएफ) की उपाध्यक्ष प्रीति झंगियानी ने कहा, ह्लओनम गाम्नो और श्रीमंत झा का चयन भारतीय आर्म रेसलिंग की ताकत, कौशल और जज़्बे का प्रतीक है। ओनम का नेतृत्व और श्रीमंत की प्रेरणादायक यात्रा हमारे मूल्यों—दृढ़ता और एकता—का प्रतिनिधित्व करती है। इन नियुक्तियों से न केवल टीम इंडिया की प्रतिस्पर्धात्मक उम्मीदों को बल मिला है, बल्कि यह भी स्पष्ट होता है कि आर्म रेसलिंग एक समावेशी और तेजी से बढ़ता हुआ खेल बन चुका है। पूर्वोत्तर और विशेष रूप से सक्षम समुदाय दोनों का प्रतिनिधित्व करने वाले ये खिलाड़ी खेल जगत में विविधता, अवसर और उत्कृष्टता की नई मिसाल कायम कर रहे हैं।

खेल मंत्रालय ने 64 दिवसीय फिट इंडिया दौड़ के लिए पुणे के 'इन्फ्लूएंसर' के साथ गठजोड़ किया

नयी दिल्ली। खेल मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रम फिट इंडिया ने अपनी 64 दिवसीय दौड़ के लिए अल्ट्रा-धावक और 'इन्फ्लूएंसर' आशीष कासोदकर की अगुवाई वाले पुणे स्थित सिंपल स्टेप्स फिटनेस के साथ गठजोड़ किया है। यह दौड़ 24 नवंबर को अरुणाचल प्रदेश की डोंग घाटी से शुरू हुई, जहां भारत अपना पहला सूर्योदय देखता है। इसका समापन अगले साल गणतंत्र दिवस पर गुजरात के गुहार मोती में होगा, जो देश का आखिरी सूर्यास्त स्थल है। मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, ''इस साझेदारी से फिटनेस को जीवनशैली बनाकर फिट इंडिया मिशन को मजबूत करने, देश भर में वृक्षारोपण और पर्यावरण जागरूकता को प्रोत्साहित करने, समावेशी भागीदारी से मजबूत सामुदायिक संबंध बनाने तथा स्वास्थ्य, आंदोलन और जागरूकता की स्थायी संस्कृति को प्रेरित करने की उम्मीद है।

आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि दर अनुमान बढ़ाकर 7.3 फीसदी किया

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेल उत्?पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को 6.8 फीसदी से बढ़ाकर 7.3 फीसदी कर दिया। आरबीआई ने ये संशोधन जुलाई-सितंबर तिमाही में 8.2 फीसदी की मजबूत आर्थिक वृद्धि दर को ध्यान में रखते हुए किया है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने यहां 3 से 5 दिसंबर तक हुई तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस फैसले पर पहुंचने से पहले देश की उभरती हुई व्यापक आर्थिक स्थितियों और भविष्य के दृष्टिकोण का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मजबूत उपभोग, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार से देश की दूसरी तिमाही की जीडीपी दर में तेजी आई है। इसलिए आरबीआई ने वित्त वर्ष 2025-26 के जीडीपी अनुमान को बढ़ाकर 7.3 फीसदी कर दिया है। यह पहले के अनुमान से लगभग आधा फीसदी अधिक है। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने नीतिगत फैसलों की घोषणा करते हुए कहा कि साथ ही वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी और चौथी तिमाही के लिए विकास दर क्रमशः 7 फीसदी और 6.5 फीसदी रहने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली और दूसरी तिमाही के लिए जीडीपी ग्रोथ क्रमशः 6.7 फीसदी और 6.8 फीसदी रहने का अनुमान है। इससे पहले मल्होत्रा ने कहा कि घरेलू अर्थव्यवस्था की गतिविधियां स्थिर हैं, ग्रामीण मांग मजबूत है और शहरी मांग में लगातार सुधार हो रहा है। इसको देखते हुए आरबीआई ने सर्वसम्मति से नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती की है। इससे मौजूदा ब्याज दर 5.5 फीसदी से घटकर 5.25 फीसदी हो गई है। नीतिगत ब्याज दरों में यह कटौती मजबूत आर्थिक प्रदर्शन के दौर के बाद की गई है, जिसमें चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 8.2 फीसदी की मजबूत जीडीपी वृद्धि और महंगाई के निम्न स्तर का सहारा मिला है। देश की खुदरा महंगाई दर अक्टूबर, 2025 में तेजी से घटकर 0.25 फीसदी पर आ गई, जो रिकॉर्ड न्यूनतम स्तर है।

शाई होप और जस्टिन ग्रीव्स ने जगाई वेस्टइंडीज की उम्मीद

क्राइस्टचर्च। शाई होप ने अपना चौथा टेस्ट शतक जड़ा और जस्टिन ग्रीव्स के साथ 140 रन की अटूट साझेदारी की जिससे वेस्टइंडीज ने 531 रन के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन अपनी दूसरी पारी में चार विकेट पर 212 रन बनाकर अपनी उम्मीदों को कायम रखा। बड़े लक्ष्य के सामने वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 72 रन तक चार विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद होप और ग्रीव्स ने टीम को आगे कोई झटका नहीं लगने दिया। चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय होप 116 रन और ग्रीव्स 55 रन बनाकर खेल रहे थे। वेस्टइंडीज अभी न्यूजीलैंड से 319 रन पीछे है। न्यूजीलैंड ने इससे पहले अपनी दूसरी पारी आठ विकेट पर 466 रन पर समाप्त घोषित की थी। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 231 रन बनाए थे जिसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 167 रन पर आउट हो गई थी। न्यूज़ीलैंड ने अपनी दूसरी पारी कल के स्कोर चार विकेट पर 417 रन पर समाप्त घोषित करने के बजाय खेलना जारी रखा। उसने आखिर में तब पारी समाप्त घोषित की जब उसका कोई फिट बल्लेबाज नहीं बचा था। विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल और ऑलराउंडर नाथन स्मिथ चोटिल होने के कारण बल्लेबाजी नहीं कर पाए। मैट हेनरी ने वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में 11 ओवर गेंदबाजी की और उसके बाद उन्हें पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान छोड़ना पड़ा और वह स्कैन के लिए अस्पताल चले गए। हेनरी और स्मिथ के बाहर होने के कारण जैकब डफी और जैक फाउलकेस ही न्यूजीलैंड के फिट तेज गेंदबाज रह गए।

शानदार फॉर्म में चल रहे होप अभी भी आंखों के गंभीर संक्रमण से नहीं उबर पाए हैं। इसके कारण उन्हें दोनों पारियों में धूप का चश्मा पहनकर बल्लेबाजी करनी पड़ी लेकिन उन्होंने इसका असर अपने खेल पर नहीं पड़ने दिया तथा पहली पारी में अर्धशतक और दूसरी पारी में शतक लगाया।

रुपये की कीमत का लक्षित स्तर या दायरा नहीं, खुद पाएगा अपना सही स्तर: आरबीआई गवर्नर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये के लिए कोई लक्षित स्तर या दायरा नहीं रखता है और घरेलू मुद्रा को खुद ही अपना 'सही स्तर' खोजने की अनुमति देता है। मल्होत्रा का यह बयान ऐसे समय में आया है जब रुपया इसी हफ्ते अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर को पार कर अपने सबसे निचले भाव पर पहुंच गया। बृहस्पतिवार को इसने 90.43 रुपये प्रति डॉलर का रिकॉर्ड निचला स्तर छुआ था। मल्होत्रा ने कहा, हम रुपये के लिए मूल्य का कोई स्तर या दायरा नहीं रखते हैं। हम बाजारों को ही कीमतें तय करने देते हैं। लंबी अवधि में बाजार काफी प्रभावी होते हैं। यह एक बहुत बड़ा बाजार है। उन्होंने कहा कि बाजार में उतार-चढ़ाव होते रहते हैं और आरबीआई का प्रयास हमेशा असामान्य या अत्यधिक उतार-चढ़ाव को कम करना होता है। आरबीआई ने अपनी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में इस महीने पांच अरब अमेरिकी डॉलर की तीन-वर्षीय डॉलर/रुपया खरीद-बिक्री अदला-बदली करने का फैसला किया है। इस कदम पर मल्होत्रा ने कहा कि यह रुपये की गिरावट को रोकने का प्रयास नहीं है बल्कि यह एक नकदी उपाय है। यह कदम रुपये को समर्थन देने के लिए नहीं है। आरबीआई डॉलर-रुपया खरीद-बिक्री अदला-बदली के तहत बैंकों से डॉलर खरीदता है और बाद में उन्हें वापस बेचने के लिए सहमत होता है। इसका मकसद रुपये में तरलता बढ़ाना, विनिमय दरों का प्रबंधन करना और बैंकों को विदेशी मुद्रा आवश्यकताओं का प्रबंधन करने में मदद करना है। मल्होत्रा ने कहा कि देश के पास पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार हैं और चालू खाता भी संतुलित है। मजबूत आर्थिक बुनियादी ढांचे के चलते आगे अच्छी पूंजी प्रवाह की उम्मीद है।

सर्राफा बाजार में गिरावट, सस्ता हुआ सोना

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी की कीमत में कमजोरी का रुख बना हुआ है। सोना आज 870 रुपये प्रति ग्राम से लेकर 940 रुपये प्रति ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की मामूली गिरावट दर्ज की गई है। सोने की कीमत में गिरावट आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,29,650 रुपये से लेकर 1,29,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,18,840 रुपये से लेकर 1,18,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,90,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,29,800 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर

कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,18,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,29,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,18,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,29,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,18,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,29,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,18,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,29,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,18,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,29,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,18,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,29,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,18,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,29,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,18,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,29,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,18,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है।

एलसीए तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान के लिए भारत को अमेरिका से मिला पांचवां जीई-404 इंजन

बुनियादी समस्याओं का समाधान होने के बाद विमान के उत्पादन में तेजी आने की उम्मीद बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी इंजन निर्माता कंपनी जीई एयरोस्पेस ने शुक्रवार को स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) मार्क-1 ए के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को पांचवां जेट इंजन सौंप दिया।

इस वित्त वर्ष के अंत तक भारत को 12 जीई-404 इंजन मिलने की उम्मीद है। एचएएल को मार्च से नए विमान की आपूर्ति करनी थी, लेकिन इसमें लगने वाले इंजन की अमेरिका से आपूर्ति में देरी की वजह से इंतजार लंबा हो गया। अब इंजन को लेकर बुनियादी समस्याओं का समाधान होने के बाद विमान के उत्पादन में तेजी आने की उम्मीद बढ़ी है। भारत ने फरवरी, 2021 में एचएएल के साथ 83 तेजस मार्क-1ए विमानों के लिए 48 हजार करोड़ रुपये का एक समझौता किया था। इस अनुबंध में 73 लड़ाकू जेट और 10

प्रशिक्षक विमान शामिल थे। भारतीय वायु सेना को 2024 में पहली खेप मिलने की उम्मीद थी, लेकिन इस बीच कंपनी जीई एयरोस्पेस (जीई) ने एफ-404 इंजन का उत्पादन बंद कर दिया। रक्षा मंत्रालय ने इसी साल 25 सितंबर को एचएएल के साथ अतिरिक्त 97 एलसीए मार्क-1ए लड़ाकू विमानों के नए ऑर्डर का अनुबंध किया है, जिसमें 68 सिंगल-सीट लड़ाकू विमान और 29 ट्विन-सीट ट्रेनर विमान हैं, जिनकी डिलीवरी 2027-28 में शुरू होकर छह वर्षों में पूरी होगी। इस तरह एचएएल को भारतीय वायु सेना के लिए 180 विमानों का निर्माण करना है। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार कंपनी ने इसी साल 26 मार्च को पहला इंजन भारत को सौंपा। इसके बाद 13 जुलाई को जीई ने दूसरा इंजन भेजा। एचएएल को एलसीए मार्क-1ए के लिए तीसरा जीई-404 इंजन 11 सितंबर को मिला। कंपनी ने उसी समय एक और इंजन सितंबर के अंत तक देने का वादा किया था, जिसकी आपूर्ति 30 सितंबर को की गई। भारत को चार इंजन मिलने के बाद एलसीए मार्क-1ए विमानों के उत्पादन और आपूर्ति का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद बढ़ी है। अमेरिकी इंजन निर्माता कंपनी जीई एयरोस्पेस ने पांचवां इंजन आज एचएएल को सौंप दिया। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक भारत को 12 जीई-404 इंजन मिलने की उम्मीद है। ये इंजन भारत के स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान में लगाए जायेंगे, जिसे भारतीय वायु सेना में शामिल किया जा रहा है। एचएएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. डीके सुनील ने कहा कि एचएएल जीई के एफ-414 इंजनों के लिए 80 फीसदी प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर भी बातचीत कर रहा है, जो उन्नत एलसीए मार्क-2 और स्वदेशी उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) को शक्ति प्रदान करेगा। डॉ. सुनील ने कहा कि जीई ने हमें एक साल में 12 इंजन देने का वादा किया था, लेकिन अब शायद हमें वित्तीय वर्ष के अंत तक 12 इंजन मिल जाएंगे। इस साल हमें 10 इंजन मिल सकते हैं। बाकी इंजन हमें अगले साल मार्च तक मिल जाएंगे। हम 10वें विमान का ढांचा बना चुके हैं और 11वां विमान तैयार है। इंजन को लेकर बुनियादी समस्याओं का समाधान हो गया है, इसलिए अब उत्पादन में तेजी आएगी। जीई ने अगले साल 20 इंजन देने का वादा किया है, जिसके लिए शीर्ष प्रबंधन के साथ एक बैठक की है।

स्वास्थ्य अवसंरचना के लिए दी गयी राशि का राज्यों में उपयोग नहीं किया गया : नड्डा

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा ने लोकसभा में शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार की ओर से स्वास्थ्य अवसंरचना के लिए दी गयी धनराशि का राज्यों में पूरी तरह से उपयोग नहीं किया जा रहा है। श्री नड्डा ने आज प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के जवाब में राज्य सरकारों पर स्वास्थ्य अवसंरचना के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की गई धनराशि का उपयोग न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने विभिन्न राज्य सरकारों को स्वास्थ्य अवसंरचना के लिए 64 हजार करोड़ रुपये दिए थे लेकिन उसमें से केवल 30 हजार करोड़ रुपये ही खर्च किए गए। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से 2017 में केंद्र द्वारा सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 प्रतिशत खर्च करने के निर्णय के बावजूद अब तक केवल 1.9 प्रतिशत ही खर्च किया गया है। इससे पहले केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि कुपोषण को समाप्त करने के लिए सरकार की ओर से गंभीर प्रयास किये जा रहे हैं। देश का हर बच्चा एनीमिया मुक्त हो उसके लिए हर स्तर पर काम किया जा रहा है। सरकार एक एक बच्चे का डिजिटल निगरानी कर रही है।

डीआरडीओ ने तीनों सेनाओं के लिए विकसित की सात नयी प्रौद्योगिकी

नयी दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने तीनों सेनाओं को प्रौद्योगिकी विकास कोष (टीडीएफ) स्कीम के तहत विकसित की गई सात नयी प्रौद्योगिकी सौंपी है। रक्षा मंत्रालय की शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इन प्रौद्योगिकियों में एयरबोर्न सेल्फ-प्रोटेक्शन जैमर के लिए एक स्वदेशी हाई-वोल्टेज पावर सप्लाई, नौसेना के लिए ज्वार-भाटा के समय जेट्टी छोटे बंदरगाहों पर कुशल परिचालन में सहायक गैंगवे प्रौद्योगकी , अत्याधुनिक लो फ्रीक्वेंसी-हाई फ्रीक्वेंसी स्विचिंग मैट्रिक्स सिस्टम, पनडुब्बियों के लिए वीएलएफ लूप एरियल, फास्ट इंटरसेप्टर पोतों के लिए वाटरजेट प्रोपल्शन सिस्टम, इस्तेमाल की गई लिथियम-आयन बैटरी से लिथियम प्रीकर्सर निकालने में काम आने वाला एक नया प्रोसेस और समुद्र जल के अंदर टोह और निगरानी में काम आने वाली सी-वाटर बैटरी प्रणाली है जो लम्बे समय तक चल सकती है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इनमें से हर प्रौद्योगिकी और उत्पाद को देश की औद्योगिक इकाइयों ने ही डीआरडीओ के संबंधित कार्य क्षेत्र के विशेषज्ञों तीनों सेनाओं के साथ मिलकर डिज़ाइन किया और उनका विकास तथा परीक्षण किया है।

ईडी ने अनिल अंबानी समूह की कंपियों की 1,120 करोड़ रुपये की सम्पत्ति जब्त की

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने प्रसिद्ध उद्योगपति अनिल अंबानी की रिलायंस समूह की 18 संपत्तियों, फिक्स्ड डिपॉजिट, बैंक में जमा राशि और असूचीबद्ध निवेश में उनकी शेयरधारिता को जब्त किया है, जिनकी कीमत 1,120 करोड़ रुपये है।

ईडी ने शुक्रवार को यह जानकार देते हुए बताया कि यह कार्रवाई रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और यस बैंक फ्रॉड केस के सिलसिले में की गयी है। ईडी अधिकारी ने बताया कि कुर्क की गयीं संपत्तियों में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की सात सम्पत्ति , रिलायंस पावर लिमिटेड की दो सम्पत्ति, रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड की नौ सम्पत्ति, रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, फी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, आधार प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड, गेम्स इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर फिक्स्ड डिपॉजिट और रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड और फी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा असूचीबद्ध निवेश में किए गए निवेश भी शामिल हैं।

इससे पहले, ईडी ने रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरसीओएम), रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड से जुड़े बैंक फ्रॉड मामलों में 8,997 करोड़ रुपये से ज़्यादा की सम्पत्तियों को जब्त किया था। इससे ग्रुप की कुर्क की गयी संपत्तियों का कुल मूल्य 10,117 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा, ''ईडी ने अनिल अंबानी समूह की रिलायंस की अलग-अलग कंपनियों, जिनमें रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल), रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल), रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (आरआईएल) और रिलायंस पावर लिमिटेड (आरएचएफएल) शामिल हैं, द्वारा सार्वजनिक तौर पर धन का धोखाधड़ी से दुरुपयोग का पता लगाया है। 2017-2019 के दौरान यस बैंक ने आरएचएफएल में 2,965 करोड़ रुपये और आरसीएफएल में 2,045 करोड़ रुपये निवेश किये थे। दिसंबर 2019 तक, ये गैर-निष्पादित हो गये। आरसीएफएल पर बकाया 1,353.50 करोड़ रुपये था। ''

अधिकारी ने बताया कि यस बैंक द्वारा अनिल अंबानी समूह की रिलायंस की कंपनियों में यह पैसा निवेश करने से पहले, यस बैंक को पहले के रिलायंस निप्पॉन म्यूचुअल फंड से भारी फंड मिला था।

'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक-2025' लोकसभा में पारित

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा ने पान मसाला पर उपकर लगाने के प्रावधान वाले 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' को शुक्रवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि पान मसाले पर उपकर से अर्जित राजस्व स्वास्थ्य एवं रक्षा क्षेत्र की मजबूती के लिए खर्च किया जाएगा। इस राशि का इस्तेमाल रक्षा उपकरणों को आधुनिक बनाने के साथ ही इस क्षेत्र में उन्नत प्रौद्योगिकी और तकनीक के उपयोग बढ़ाने पर किया जाएगा। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उम्दा सैन्य कार्रवाइयों का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय तीनों सेनाओं के समन्वित सहयोग का बेहतर उदाहरण देखने को मिला था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सुदर्शन चक्र प्रबंधन बचाव में बहुत उपयोगी साबित हुआ। यह सब आधुनिक तकनीक और बेहतर तालमेल से संभव हुआ था। आधुनिक तकनीक और प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से बगैर किसी जनहानि के दुश्मन के दांत खट्टे किये गये और उसे भारी चोट पहुंचायी गयी। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसे मौकों पर उचित व्यवस्था करने के वास्ते धन जुटाने के लिए यह उपकर लगाया जा रहा है। श्रीमती सीतारमण ने जन स्वास्थ्य को भी बड़ा मुद्दा बताया और कहा कि इस क्षेत्र के लिए भी बड़ी रकम की जरूरत पड़ती है और आने वाले समय में ऐसी जरूरतें बढ़ सकती हैं। स्वास्थ्य राज्यों का विषय है, लेकिन इस क्षेत्र के लिए केन्द्र सरकार राज्यों की मदद करती है, इस उपकर से एकत्र धन का विभिन्न योजनाओं के माध्यम से राज्यों की मदद की जायेगी। इस धन से राज्य में स्वास्थ्य क्षेत्र के संसाधनों को मजबूत करने में इस्तेमाल किया जायेगा सकेगा। उन्होंने कहा कि 9.33 लाख करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि जुटाकर राज्यों को दी गई है।उनका कहना था कि सरकार उपकर के लिए जितना पैसा अर्जित किया है उससे कई अधिक धनराशि राज्यों को दी गई है। उन्होंने कई सदस्यों की केंद्र की खुद के लिए उपकर जुटाने की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा कि यह पैसा केंद्र के पास नहीं रहेगा बल्कि राज्यों को ही दिया जाएगा। उन्होंने कहा एक वर्ष की अवधि में 12 लाख रुपये से अधिक आय वालों को आयकर की सीमा से अलग किया गया है और अनेक वस्तुओं और सेवाओं पर वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) में कमी की गयी है। बड़ी संख्या में लोग आयकर के दायरे से बाहर आ गये हैं। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री होने के नाते उनकी जिम्मेदारी है कि भविष्य में होने वाले खर्च के लिए वह राजस्व जुटाने के प्रबंध करें। उकना कहना था कि सरकार रक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में धन की कमी नहीं होने देगी और उपकर से स्वास्थ्य और रक्षा क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि उपकर से मिले राजस्व के खर्च की निगरानी की जायेगी, संसद के अलावा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक भी इस पर नजर रखेगा। विधेयक के लागू होने के बाद इंस्पेक्टर राज बढ़ने की आशंकाओं को निराधार बताते हुए उन्होंने कहा कि पान मसाला निर्माण में अनेक गड़बड़ी और अनियमिततायें सामने आती रहती हैं। नकली, मिलावटी पान मसाला बाजार में मिलने के अलावा गैर कानूनी तरीके से खड़ी की गयीं।

पेज एक का शेष

विस्तारित आर्थिक...

दरवाजे भी खुलेंगे। श्री मोदी ने कहा कि दोनों पक्ष यूरेशियन आर्थिक संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते के शीघ्र समापन के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि और उर्वरक के क्षेत्र में हमारा करीबी सहयोग, खाद्य सुरक्षा और किसान कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने कहा , मुझे खुशी है कि इसे आगे बढ़ाते हुए अब दोनों पक्ष साथ मिलकर यूरिया उत्पादन के प्रयास कर रहे हैं। श्री मोदी ने भारत और रूस के बीच सम्पर्क मार्गों के विस्तार को दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण बताया और इसे दोनों की मुख्य प्राथमिकता कहा है। श्री पुतिन ने भी अपने वक्तव्य में इसका जिक्र किया। श्री मोदी ने कहा हम अंतराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी), नॉर्थ सी मार्ग , चेन्नई - व्लादिवोस्टोक गलियारा पर नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेंगे।'' भारतीय नाविकों को उत्तरी ध्रुव सागर क्षेत्र में प्रशिक्षण देने के लिए दोनों देशों के बीच सहयोग पर भी सहमति बनी है। इस पर खुशी जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ' यह उत्तरी ध्रुव क्षेत्र में में हमारे सहयोग को नई ताकत तो देगा ही, साथ ही इससे भारत के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे। उन्होंने पोत निर्माण के क्षेत्र में रूस के साथ गहरे सहयोग की इच्छा जताते हुए कहा कि इससे मेक इन इंडिया को बल मिलेगा । उन्होंने इसे दोनों देशों के लिए लाभ का सौदा बताते हुए कहा कि , जिससे रोजगार, कौशल विकास और क्षेत्रीय सम्पर्क सुविधाओं का विस्तार होगा। ऊर्ज़ा सुरक्षा भारतऽरूस साझेदारी का मजबूत और महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। परमाणु उर्ज़ा के क्षेत्र में हमारा दशकों पुराना सहयोग, स्वच्छ उर्ज़ा की हमारी साझा प्राथमिकताओं को सार्थक बनाने में महत्वपूर्ण रहा है और इसे जारी रखेंगे। महत्वूपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में रूस के साथ सहयोग के लिए बातचीत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा '' इस क्षेत्र में हमारा सहयोग पूरे विश्व में सुरक्षित और विविधतापूर्ण आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इससे स्वच्छ ऊर्ज़ा, उच्च-प्रौद्योगिकी आधारित विनिर्माण और नये दौर के उद्योगों में हमारी साझेदारी को ठोस समर्थन मिलेगा। श्री मोदी ने कहा कि रूस में भारत के दो नए वाणिज्य दूतावास खोले गए हैं। इससे दोनों देशों के नागरिकों के बीच संपर्क और सुगम होगा तथा नजदीकिया बढेंगी। उन्होंने गत अक्टूबर में रूस के ''काल्मिकिया'' में अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध मंच मे भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों की दर्शन की सुविधा का जिक्र करते हुए जतना के स्तर पर सम्पर्क बढ़ाने के कदमों का उल्लेख किया। श्री मोदी ने शीघ्र ही भारत आने वाले रूसी पर्यटकों के लिए 30 दिन का निशुल्क ई-टूरिस्ट वीजा और 30- दिन का ग्रुप टूरिस्ट वीजा की शुरुआत किये जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि एक दूसरे के श्रमिकों की आवाजाही के समझौते से दोनों देशों के लोगों में जुड़ाव बढने के साथ-साथ दोनों देशों के लिए नई ताकत और नए अवसर उत्पन्न होंगे। उन्होंने कहा, ''मुझे खुशी है कि इसे बढ़ावा देने के लिए आज दो समझौते किए गए हैं। हम मिलकर व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और प्रशिक्षण पर भी काम करेंगे। हम दोनों देशों के विद्यार्थियों, विद्वानों और खिलाड़ियों का आदान-प्रदान भी बढ़ाएंगे। बैठक में यूक्रेन के बारे में हुई बातचीत का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत इस मुद्दे के शांति पूर्वख समाधान में सहयोग करने को हमेशा तैयार है। उन्होंने कहा, ' आज हमने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की। यूक्रेन के संबंध में भारत ने शुरुआत से शांति का पक्ष रखा है। हम इस विषय के शांतिपूर्ण और स्थाई समाधान के लिए किए जा रहे सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं। भारत सदैव अपना योगदान देने के लिए तैयार रहा है और आगे भी रहेगा। उन्होंने आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में भारत और रूस ने लंबे समय से चल रहे सहयोग का जिक्र करते हुए कहा कि पहलगाम में हुआ आतंकी हमला हो या क्रोकस सीटी हाल (रूस) पर किया गया कायरतापूर्ण आघात – इन सभी घटनाओं की जड़ एक ही है। उन्होंने कहा, ' भारत का अटल विश्वास है कि आतंकवाद मानवता के मूल्यों पर सीधा प्रहार है और इसके विरुद्ध वैश्विक एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताक़त है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और रूस, संयुक्त राष्ट्र, जी20, ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन तथा अन्य मंचों पर करीबी सहयोग रहा है और यह सहयोग आगे भी जारी रहेगा। राष्ट्रपति पुतिन ने भी अगले वर्ष ब्रिक्स की भारत की अध्यक्षता को पूरा सहयोग देने का वायदा किया। श्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में भारत और रूस मित्रता वैश्विक चुनौतियों का सामना करने की शक्ति देगी । अपने वक्तव्य के प्रारंभ में श्री मोदी ने भारत - रूस सहयोग को मजबूत बनाने में श्री पुतिन के योगदान की सराहना की और इस गहरी मित्रता और इसके प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए उनका आभार जताया । प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री पुतिन ने इसे पिछले ढाई दशक से उन्होंने अपने नेतृत्व और दूरदृष्टि से इन संबंधों को निरंतर सींचा है।श्री मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति पुतिन की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जब हमारे द्विपक्षीय संबंध कई ऐतिहासिक पड़ावों से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा, '' ठीक 25 वर्ष पहले राष्ट्रपति पुतिन ने हमारी रणनीतिक भागीदारी की नींव रखी थी। 15 वर्ष पहले 2010 में हमारी साझेदारी को ''विशेष और विशेषाधिकार पूर्ण रणनीतिक भागीदारी '' का दर्ज़ा मिला।

रिजर्व बैंक ने ...

बीच नियंत्रित रखने की जिम्मेदारी मिलने के बाद पहली बार किसी तिमाही में यह दो प्रतिशत से नीचे आयी है। साथ ही, सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में आठ प्रतिशत रही है। दोनों कारकों और अर्थव्यवस्था की स्थिति को देखते हुए रेपो दर में कटौती की गुंजाइश बनी है। एमपीसी ने भू-राजनीतिक परिस्थितियों और वैश्विक स्तर पर व्यापार बाधाओं को देखते हुए अपना रुख तटस्थ बनाये रखा है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में तत्कालीन परिस्थितियों को देखते हुए वह रेपो दर में कटौती या वृद्धि दोनों के लिए तैयार है। केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत और मुद्रास्फीति का अनुमान घटाकर दो प्रतिशत कर दिया है।

मंदिर का पैसा...

पांच सहकारी बैंकों को निर्देश दिया था कि वे देवस्वओम की सावधि जमा राशि को बंद कर दो महीने के भीतर पूरी राशि वापस कर दें, क्योंकि बैंकों ने परिपक्व जमा राशि जारी करने से बार-बार इनकार कर दिया था। पीठ ने बैंकों की इस दलील से असहमति जताई कि उच्च न्यायालय के अचानक दिये गए निर्देश से कठिनाइयां पैदा हो रही हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि बैंकों को लोगों के बीच अपनी विश्वसनीयता स्थापित करनी चाहिए। पीठ ने सहकारी बैंकों को कहा, ''अगर आप ग्राहकों से जमा आकर्षित कराने में अक्षम हैं तो यह आपकी समस्या है। इसी के साथ उच्चतम न्यायालय ने केरल उच्च न्यायालय के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

फर्जी पासपोर्ट ...

50000 रुपये कुल जुर्माना अधिकतम आयद किया गया है। साल 2019 में शहर के वर्तमान विधायक भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने अब्दुल्लाह आजम के खिलाफ बेइमानी और फर्जी डॉक्यूमेंट के आधार पर फर्जी पासपोर्ट का मुकदमा लिखवाया गया था। इसमें करीब 36 गवाह की लिस्ट डिफेंस पेश की गई थी, जिसमें डिफेंस के 19 गवाह को परीक्षित किया गया। साक्ष्य के आधार पर धारा 467 में अधिकतम सजा दी गई है। इसी धारा में आजीवन कारावास का भी प्रावधान है। अभियोजन अधिकारी स्वदेश कुमार शर्मा ने बताया कि जजमेंट की कॉपी की समीक्षा के बाद अगर जरूरत महसूस हुई तो इसमें और सजा के लिए अपील भी की जाएगी। अब्दुल्लाह आजम को इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। अब्दुल्लाह आजम इस केस में अकेले आरोपी थे, जिन पर फर्जी गलत डॉक्यूमेंट के आधार पर पासपोर्ट बनवाकर जर्नी करना और अन्य उपयोग में लेने का आरोप था जो आज एमपी एमएलए कोर्ट में साबित हुआ। जजमेंट की 400 से ज्यादा पन्नों की कॉपी है। सभी सजा एक साथ चलेंगी। एमपी एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश शोभित बंसल ने सज़ा का प्रावधान किया।

इंडिगो मामले की...

सूचना है। इससे पहले गुरुवार को भी उसकी 400 के करीब उड़ानें रद्द रही थीं। एयरलाइंस ने कहा है कि वह एफडीटीएल के नये नियमों के अनुरूप चालक दल के सदस्यों की जरूरत का अंदाजा लगाने में विफल रही। इसके अलावा तकनीकी और एटीसी से संबंधित कारणों से भी उसकी उड़ानें रद्द हुई हैं।

बैंकों को लोन के...

के पीछे, रजपुरा, संभल, अशोक उर्फ दीपक जैन उर्फ रिंकी शाहदरा, दिल्ली शामिल है। इस बाबत एचडीएफसी बैंक के एक अधिकारी का शिकायती प्रार्थना पत्र जॉच के लिये एसटीएफ को प्राप्त हुआ था, जिसकी जाँच के लिये प्रकरण एसटीएफ फील्ड इकाई, नोयडा को सन्दर्भित किया गया था। इसी क्रम में राज कुमार मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ फील्ड इकाई, नोएडा के पर्यवेक्षण एवं नवेन्दु कुमार, पुलिस उपाधीक्षक एसटीएफ नोएडा के नेतृत्व में निरीक्षक सचिन कुमार, एसटीएफ नोएडा यूनिट गौतमबुद्धनगर द्वारा टीम गठित कर अभिसूचना संकलन की कार्यवाही की जा रही थी। एक दिन पूर्व गुरुवार को निरीक्षक सचिन कुमार, एसटीएफ नोएडा को मुखबिर के माध्यम से ज्ञात हुआ कि एक संगठित गिरोह द्वारा कूटरचित दस्तावेज बनाकर लोगों के घरों के फर्जी दस्तावेज बनाये जा रहे हैं तथा उनके नाम के फर्जी व्यक्ति की प्रोफाइल बनाकर लोगों की सम्पत्ति को विभिन्न बैंको से लोन कराकर बेच दिया जा रहा है। इस सूचना को गहनता से विकसित करने के उपरान्त रामकुमार, नितिन जैन, मो. वसी, शमशाद आलम, इन्द्रकुमार कर्माकर, अनुज यादव, ताहिर हुसैन तथा अशोक उर्फ दीपक जैन उर्फ रिकी उपरोक्त को मय दस्तावेजों आदि के विस्तृत पूछताछ हेतु एसटीएफ़ यूनिट गौतमबुद्धनगर में लाया गया। सम्पूर्ण पूछताछ के उपरान्त पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर उपरोक्त आठों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त रामकुमार ने पूछताछ पर बताया कि उसकी उम्र लगभग 45 साल है और वह पूर्व में एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक में लोन एग्ज्यूकेटिव के पद पर काम कर चुका है। इसके पश्चात फर्जी प्रोफाइल तैयार करके लोन कराने के कार्य में संलिप्त हो गया। अभियुक्त रामकुमार द्वारा विभिन्न बिल्डरों के साथ मिलकर फर्जी प्रोफाइल तैयार करके उनके नाम से होम लोन तैयार करके लोन लिया जाता है, जिसमें से कुछ रकम बिल्डर अभियुक्त रामकुमार को वापस देता है। अभियुक्त रामकुमार द्वारा टीएसए साफ्वेयर सर्विसिज प्रालि एंव ट्रिपटेची प्रालि नाम से फर्जी आधार कार्ड बनाकर तैयार किये गये फर्जी व्यक्ति को डायरेक्टर बनाकर रजिस्ट्रर्ड कराई है। इन कम्पनियों में फर्जी आधार कार्ड पर बनाये गये व्यक्ति के बैंक खाते, बैंक कर्मियों के साथ मिली भगत करके खोले हैं तथा इन कम्पनियों में फर्जी रूप से प्रतिमाह सैलरी भेजकर उनकी प्रोफाइल तैयार की है तथा ऐसे प्रोफाइल तैयार किये गये फर्जी व्यक्तियों के नाम से विभिन्न बैंकों से होम लोन, पर्सनल लोन आदि लिये हैं। उसने बताया कि इन सब कार्यो में गैंग के लोगों के अलग-अलग कार्य होते हैं। इस गैंग के मो. वसी एवं शमसाद, बिहार के ऐसे लोगों को तलाशते थे, जो गल्फ कन्ट्री में नौकरी करते हैं इन व्यक्तियों को कुछ पैसे का लालच देकर उनकी प्रोफाइल पर लोन कराकर सम्पत्ति खरीद लेते हैं। अधिकतर ऐसी सम्पत्तियों फर्जी व्यक्ति को खड़ा करके खरीदी जाती है अथवा बिल्डर के साथ मिलीभगत करके लोन कराते है तथा धन को आपस में बांट लेते हैं। इसी प्रकार की एक सम्पत्ति रतनावासुदेवा नाम की महिला की दिल्ली में स्थित है, रतनावासुदेवा की मृत्यु हो चुकी है एवं इनके पुत्र विदेश में रहते हैं। रतनावासुदेवा के स्थान पर शाहिदा अहमद नाम की एक महिला को खड़ी करके उसकी सम्पत्ति सनाउल्ला अंसारी के नाम इस गैंग द्वारा करा दी गयी जिसमें 4.8 करोड रूपये का लोन बैंक से प्राप्त करके आपस में बांट लिया। गैंग का एक सदस्य अनिल शर्मा, दिल्ली में इसी प्रकार की एक सम्पत्ति का फर्जी बैनामा करके एलआईसी हाउसिंग से 1.25 करोड़ का लोन लेकर फर्जीवाडा करने के आरोप में मार्च-2025 में थाना ईओडब्लू दिल्ली के मु.अ.स. 93/23 में गिरफ्तार होकर जेल में निरूद्ध है। इस प्रकार 100 करोड से अधिक के लोन के फर्जीवाडे के प्रारम्भिक साक्ष्य अभियुक्तों से पूछताछ एवं दस्तावेजों से प्राप्त हुए हैं। जिसमें उत्तर प्रदेश के नोएडा, लखनऊ एवं बनारस, उत्तराखण्ड के हरिद्वार, चंडीगढ, दिल्ली तथा गुरुग्राम के कई बिल्डरों की भी मिलीभगत होना ज्ञात हुआ है। गैंग के सदस्य अशोक कुमार, नितिन जैन, कर्माकर, तारिक अनुज आदि ने कई प्रोपराईटर फर्म फर्जी व्यक्तियों के नाम से बना रखी है, जिनमें धोखाधडी से प्राप्त धन को साइफनिंग करके अभियुक्तों को दिया जाता है। अब तक ऐसी 20 से अधिक शेल फर्मों की जानकारी प्राप्त हुई है जो धनशोधन के लिए प्रयुक्त की जा रही थी। फर्जी प्रोफाइल एवं धन की साइफनिंग के कारण न तो बैंक वास्तविक व्यक्ति तक पहुँच पाता है और यह गैंग पुलिस की पकड़ से भी बचा रहता है। इस गैंग के सदस्य हाईप्रोफाइल रहते हैं। गिरफ्तार अभियुक्त राम कुमार एमबीए पास है तथा अभियुक्त वसी, कम्पनी सेक्रेटरी (सीएस) तथा एमबीए पास है तथा एलएलबी पास है, जो कई वर्षों से एक्सचेंन्सर कम्पनी में लीगल एवं रिस्क मैनेजर के पद पर कार्य कर रहा है तथा अन्य गिरफ्तार अभियुक्त भी अपनी पहचान छिपाकर फर्जी प्रोफाइल से गैंग के कार्य करते हैं, जिससे उनकी वास्तविक पहचान उजागर नही हो पाती है। अभियुक्तों के पास से बरामदगी से ज्ञात हुए लगभग 220 बैंक खातों को फ्रीज कराया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरूद्व थाना सूरजपुर गौतमबुद्धनगर पर धारा 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340 (2), 61(2) बीएनएस एवं 66 डी आई0टी0 एक्ट का अभियोग पंजीकृत कराया गया है। अग्रिम कार्यवाही स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही है।

'स्पीड, स्टेबिलिटी...

करोड़ रुपये के निवेश की पाइपलाइन तैयार है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना क्षेत्र को इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां एचसीएल-फॉक्सकॉन का 3,700 करोड़ रुपये का निवेश मजबूत आधार बनेगा। कानपुर को तकनीकी वस्त्र और स्पोर्ट्सवेयर केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना भी सामने रखी गई। दक्षिण कोरिया डेस्क की समीक्षा में बताया गया कि सैमसंग, एलजी, केएच वेटेक और ड्रीमटेक जैसी कंपनियों के साथ निवेश को लेकर बातचीत आगे बढ़ चुकी है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स का गौतमबुद्ध नगर में करीब 850 करोड़ रुपये का विस्तार प्रस्तावित है, जबकि लोट्टे समूह का लगभग 400 करोड़ रुपये का निवेश प्रक्रियाधीन है। मुख्यमंत्री ने कोरियाई कंपनियों के लिए भी संवाद और सुविधाकरण को और मजबूत करने के निर्देश दिए। सिंगापुर डेस्क के अंतर्गत टेमासेक, सरकारी निवेश कोष, पीएसए, डीबीएस, कैपिटललैंड-असेंडास, केपेल और सेम्बकॉर्प जैसे निवेशक यूपी में लगातार रुचि दिखा रहे हैं। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विदेशी डेस्कों को नियमित अंतराल पर राउंड टेबल बैठकें करती रहनी चाहिए। उन्होंने इन्वेस्ट यूपी की टीम से कहा कि हर निवेशक के साथ एकल संपर्क बिंदु तय हो, ताकि उसे प्रणाली में भटकना न पड़े। मुख्यमंत्री ने उद्योगों को गति देने के लिए 'प्लग एंड प्ले' मॉडल पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि निवेशक को पहले दिन से तैयार अवसंरचना मिलेगी, तो वह तेजी से काम शुरू कर सकेगा और यही मॉडल उत्तर प्रदेश को अन्य राज्यों से आगे ले जाएगा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां कंपनियों के कॉरपोरेट और मुख्यालय खोलने के लिए उन्हें प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण को लेकर यह भी निर्देश दिए कि वहां आवश्यक मानव संसाधन की कमी न रहे।

बिहार विधानसभा में द्वितीय अनुपूरक बजट पारित, शीतकालीन सत्र का समापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधानमंडल में शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के द्वितीय अनुपूरक बजट पर चर्चा के बाद इसे विधानसभा से पास कर दिया गया। बुधवार को नीतीश सरकार ने 91717.1135 करोड़ का द्वितीय अनुपूरक बजट सदन में रखा था। बिहार विधानसभा का शीतकालीन सत्र कुल 5 दिनों तक चला। विधानसभा के दोनों सदन में आज जमकर बवाल हुआ। विधानसभा की कार्यवाही को अनिश्चित काल के लिए घोषित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने सभी सदस्यों को नव वर्ष 2026 की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि नया वर्ष राज्य की प्रगति, जनकल्याण और सकारात्मक राजनीतिक संवाद को नई दिशा देगा। अब बिहार विधानसभा का अगला सत्र वर्ष 2026 में आयोजित किया जाएगा, जिसमें नए एजेंडा, विधेयक और बजट सत्र से जुड़े महत्वपूर्ण मसलों पर चर्चा होने की संभावना है। सत्र के आखिरी दिन सदन में जबरदस्त हंगामा हुआ। एआईएमआईएम के विधायक अख्तरुल इमाम ने राजस्व विभाग, ख़ासकर अंचल कार्यालयों में जारी अवैध वसूली को लेकर राज्य सरकार पर सीधा वार किया। उन्होंने कहा कि सीमांचल में कटाव की त्रासदी साल दर साल जनता को निगल रही है, लेकिन सरकार की नज़र सिर्फ़ फ़ाइलों में गड़ी रहती है। ईमान ने अफ़सरशाही को बेकाबू और बेलगाम बताते हुए सवाल उठाया कि जनता की सहूलियत का दावा करने वाली सरकार आखिर ज़मीनी हक़ीक़त से क्यों मुंह मोड़ रही है? कांग्रेस के विधायक मनोहर सिंह ने सत्ता पक्ष पर और भी सख़्त लहजे में निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस सरकार को चुनकर जनता अब पछतावा महसूस कर रही है। उनके इस बयान पर सत्ता पक्ष के विधायकों ने कड़ा विरोध जताया, लेकिन मनोहर सिंह ने नदियों से हो रहे कटाव और प्रभावित परिवारों की लगातार बढ़ती परेशानियों का मुद्दा छोड़ने से इनकार किया, तो बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के विधायक सतीष कुमार यादव ने हर घर शौचालय योजना में गड़बड़ी और नदियों से कटाव का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाया। बिहार विधानसभा की कार्यवाही अध्यक्ष प्रेम कुमार ने अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। इसके बाद राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विधान परिषद पहुंचे। विधान परिषद में भी विपक्ष के विधायकों सरकार पर घेरा। मुख्यमंत्री नीतीश के पहुंचते ही पहले विपक्ष ने वॉकआॅट कर दिया। हालांकि अगले ही मिनट विपक्ष के नेता वापस भी आ गए। जिसके बाद कार्यवाही समाप्त हुई और सभापति ने अनिश्चित काल के लिए विधान परिषद को भी स्थगित कर दिया।

मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग में नवनिर्मित नालियों और सड़कों का किया उद्घाटन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ब्लॉकों में नवनिर्मित नालियों और सड़कों का उद्घाटन किया। उन्होंने इसके साथ ही विकास कार्यों का स्थल पर जाकर निरीक्षण किया और अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि शालीमार बाग में अटल कैंटीन, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, नए सार्वजनिक शौचालय, नए पार्क, वॉटर एटीएम सहित आधारभूत नागरिक सुविधाओं पर कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहा है। ये योजनाएं गरीब, मध्यम वर्ग और हर परिवार के जीवन में सम्मान, सुविधा और सुरक्षा जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। शालीमार बाग को स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं की सुगमता, सुचारु सड़क नेटवर्क और मजबूत शहरी व्यवस्थाओं के साथ एक आदर्श मॉडल विधानसभा के रूप में विकसित किया जाए। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी और स्थानीय निवासी मौजूद रहे।

चंपावत में सड़क हादसा, 5 बारातियों की मौत, 5 घायल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंपावत। पाटी ब्लॉक क्षेत्र से बारात लौटते समय एक बोलेरो कार के गहरी खाई में गिरने से हादसा हो गया। वाहन घाट के पास बागधार में अनियंत्रित होकर करीब 200 मीटर नीचे जा लुढ़का, जिसमें 5 बारातियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 5 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में एक ही परिवार के दो सदस्य भी शामिल हैं। पुलिस, एसडीआरएफ एवं स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू अभियान चलाकर बड़ी मशक्कत के बाद शवों और घायलों को खाई से बाहर निकाला। सभी घायलों को उप जिला चिकित्सालय लोहाघाट पहुँचाया गया है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए लाया जा रहा है। हादसे के कारणों का फिलहाल पता नहीं चला है। मृतकों में प्रकाश चंद्र उनियाल (40 वर्ष) निवासी दिबडिब्बा विलासपुर, केवल चंद्र उनियाल (35 वर्ष) निवासी निवासी दिबडिब्बा विलासपुर, सुरेश नौटियाल (32 वर्ष) निवासी पंतनगर, प्रियांशु चौबे (6 वर्ष) पुत्र सुरेश चौबे, निवासी सियालदेह, भिक्यासेन, अल्मोड़ा व भावना चौबे (28 वर्ष) पत्नी सुरेश चौबे, निवासी सियालदेह, बिखयासेन, अल्मोड़ा शामिल हैं। दुर्घटना में देवीदत्त पांडेय (38) पुत्र रामदत्त पांडेय, सेराघाट (अल्मोड़ा) चालक, धीरज उनियाल (12) पुत्र प्रकाश चंद्र उनियाल, रुद्रपुर, राजेश जोशी (14) पुत्र उमेश जोशी, बनकोट गंगोलीहाट, चेतन चौबे (5) पुत्र सुरेश चौबे, दिल्ली व भास्कर पंडा, पुत्र रमेश पंडा, सेराघाट गंगोलीहाट घायल हो गये। जिला आपदा परिचालन केंद्र के अनुसार, 4 दिसंबर को शेराघाट (गंगोलीहाट) से बारात पाटी ब्लॉक के बालातड़ी आई थी। विवाह समारोह के बाद बारात देर रात वापस लौट रही थी, उसी दौरान हादसा हो गया। बोलेरो (यूके 04 टीवी 2074) बागधार क्षेत्र में खाई में जा गिरी।

बिहार में बाल विवाह रोकथाम के लिए बड़े स्तर पर अभियान सभी 38 जिलों में सर्वाधिक प्रभावित गांवों की होगी पहचान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पटना। केंद्र सरकार के 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर बिहार सरकार ने राज्य के सभी 38 जिलों में बाल विवाह की अत्यधिक दर वाले गांवों की पहचान कर वहां लक्षित जागरूकता अभियान चलाने की घोषणा की है। केंद्र सरकार ने इस अवसर पर बाल विवाह उन्मूलन के लिए 100 दिवसीय राष्ट्रीय कार्य योजना भी शुरू की, जिसका समापन 8 मार्च 2026 (अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस) को होगा। बिहार के सभी 38 जिलों में बाल विवाह की बेहद ऊंची दर वाले गांवों की पहचान कर वहां लक्षित जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।भारत सरकार के अभियान को पूर्ण समर्थन देते हुए और अगले साल का रोडमैप साझा करते हुए 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन' के संस्थापक भुवन ऋभु ने कहा कि 'बाल विवाह मुक्त भारत' के लक्ष्य को हासिल करने में सामुदायिक समूहों, धार्मिक नेताओं, पंचायतों व नागरिकों की सबसे मुख्य भूमिका है। सरकार का 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' पूरी दुनिया के लिए एक मॉडल बन चुका है। यह बच्चों के खिलाफ इस अपराध के खात्मे के हमारे सामूहिक प्रयासों व सामूहिक प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। पिछले साल एक लाख से भी अधिक बाल विवाह रोके और रुकवाए गए, जो यह दिखाता है कि जब समाज एकजुट होता है, तो बदलाव अपरिहार्य है। भुवन ऋभु ने कहा कि उन्होंने वादा किया है कि अगले एक साल में एक लाख गांवों को बाल विवाह मुक्त गांव बनाएंगे, ताकि हर बच्चे को जीवन में आगे बढ़ने का अवसर व एक सुरक्षित भविष्य मिले। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे- 5 के अनुसार बिहार में बाल विवाह की दर 40.8 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय औसत 23.3 प्रतिशत से बहुत ज्यादा है। देश में बाल विवाह की सबसे अधिक दर वाले 60 जिलों में 40 प्रतिशत से ज्यादा यानी 22 जिले अकेले बिहार के हैं। खास तौर से लखीसराय, सुपौल, अररिया, मधेपुरा, जमुई, पूर्णिया और सहरसा जिलों में बाल विवाह की दर 50 प्रतिशत से भी अधिक है, जिसका मतलब है कि हर दूसरी लड़की का विवाह उसके बालिग यानी 18 वर्ष की होने से पहले ही हो जाता है। भुवन ऋभु ने कहा कि विकसित भारत के व्यापक लक्ष्य की प्राप्ति में इन प्रयासों की गति काफी अहमियत रखती है। प्रिवेंशन, प्रोटेक्शन, प्रासिक्यूशन के '3पी' माडल यानी सुरक्षा से पहले रोकथाम, अभियोजन से पहले सुरक्षा और रोकथाम के लिए निवारक उपाय के तौर पर अभियोजन पर अमल करते हुए 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन' ने 1 अप्रैल 2023 से 14 नवंबर 2025 तक देश में 4,35,205 बाल विवाह रोके हैं। स्कूलों, धार्मिक नेताओं, विवाह में सेवाएं प्रदान करने वालों व जनसमुदाय में बाल विवाह से जुड़े कानूनों के बारे में बड़े पैमाने पर जागरूकता के प्रसार से बाल विवाह के बारे में आम लोगों की सोच और व्यवहार में बदलाव आया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के सपने को आगे बढ़ाने वाले 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' की शानदार सफलता के साल भर पूरे होने पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने बाल विवाह के खात्मे के लिए '100 दिवसीय सघन जागरूकता अभियान' शुरू किया। इस 100 दिवसीय कार्य योजना का समापन 8 मार्च 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर होगा। बिहार में राज्य, जिला और गांव स्तर पर इस अभियान को तीन चरणों में बांटा गया है। इसके पहले चरण में स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शिक्षण संस्थानों में जागरूकता के प्रसार पर जोर रहेगा। वहीं, दूसरे चरण में मंदिर, मस्जिद, चर्च और गुरुद्वारों जैसे धार्मिक स्थलों पर जहां विवाह संपन्न कराए जाते हैं व विवाह में सेवाएं देने वाले बैंक्वेट हाल, बैंड बाजा वाले, कैटरर, डेकोरेटर इत्यादि पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। तीसरे और आखिरी चरण में बाल विवाह की रोकथाम के लिए ग्राम पंचायतों, नगरपालिका के वार्डों और समुदाय स्तरीय भागीदारी और जिम्मेदारी को मजबूत किया जाएगा।

एसएसपी ने किया अत्याधुनिक कम्प्यूटर लैब का लोकार्पण

हरिद्वार। एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोभाल ने आज फीता काटकर पुलिस लाइन रोशनाबाद स्थित पुलिस मॉडर्न स्कूल में बनाई गई अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब का लोकार्पण किया।पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस इंडिया प्रा.लि. के सीएसआर कार्यक्रम के अंतर्गत पुनर्नवीनीकृत कम्प्यूटर लैब में संरचनात्मक सुधार, मरम्मत कार्य,10 नए कम्प्यूटर, लैब के फर्श का नवीनीकरण, कम्प्यूटर प्रणाली में सुधार के लिए डिजिटल लर्निंग सामग्री तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं को सुदृढ़ किया गया है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में एएसपी, सीओ ज्वालापुर जितेन्द्र चौधरी, एएसपी, सीओ लाइन निशा यादव, आरआई लाइन प्रवीण आलोक व उपनिरीक्षक धर्मेंद्र भंडारी (पर्यवेक्षक पुलिस माडर्न स्कूल) उपस्थित रहे। पैनासोनिक की टीम की ओर से एचआर हेड सौरभ गुप्ता, मनीष गुप्ता, त्रिपुरारी राय तथा अन्य टीम सदस्य उपस्थित रहे। वहीं सेंट्रल हिमालयन रूरल एक्शन ग्रुप (चिराग) की ओर से डायरेक्टर बीएस मेहरा, टीम लीडर संजय जोशी एवं चिराग टीम के सदस्य मौजूद रहे।

दिल्ली में तमिलनाडु पुलिस की बस से भिड़ी कार, दोनों वाहनों में लगी आग

नई दिल्ली। दिल्ली के पश्चिमी जिले के हरि नगर स्थित दिल्ली हाट के समीप शुक्रवार सुबह तमिलनाडु पुलिस की एक बस और एक कार टकराने के बाद आग की चपेट में आ गईं। हादसे में दोनों वाहन पूरी तरह जल गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। पुलिस अधिकारी के अनुसार, पूर्वाह्न करीब 11:38 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को कॉल मिली कि सड़क पर एक बस में आग लग गई है। हरि नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वहां पाया गया कि तमिलनाडु पुलिस की बस और उसके पीछे चल रही बलेनो कार दुर्घटनाग्रस्त हालत में खड़ी थीं और दोनों वाहन पूरी तरह जल चुके थे। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि बलेनो कार ने पीछे से बस को टक्कर मारी, जिसके बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। दुर्घटना के समय किसी के घायल होने या किसी प्रकार की मौत की सूचना नहीं है।

अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी अतिक्रमणकारियों ने किया हंगामा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। बिहार में सम्राट चौधरी द्वारा गृह मंत्री का पद संभालते ही अतिक्रमण के खिलाफ राज्यभर में बुलडोजर एक्शन तेज हो गया है। कई जिलों में प्रशासन द्वारा सड़कों सरकारी जमीनों और सार्वजनिक स्थानों से अतिक्रमण हटाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जिससे अवैध कब्जाधारियों में खौफ का माहौल बना हुआ है। भागलपुर में अब तक बुलडोजर की बड़ी कार्रवाई देखने को नहीं मिली है। लेकिन यहां भी अतिक्रमण विरोधी अभियान का डर साफ देखा जा रहा है। सड़क किनारे दुकान लगाने वाले और फुटपाथ पर कब्जा करने वाले दुकानदारों में भय इतना बढ़ गया है कि जैसे ही उन्हें अतिक्रमण दस्ता के गुजरने की सूचना मिलती है वे तुरंत अपना सामान समेटने लगते हैं। कई जगहों पर दुकानदार खुद ही अतिक्रमण हटाने लगे हैं, ताकि किसी भी संभावित कार्रवाई से बच सकें प्रशासन की सख्ती और राज्यस्तरीय कार्रवाई के कारण भागलपुर में अतिक्रमणकारियों में लगातार दहशत का माहौल बना हुआ है। जिले में शुक्रवार को अतिक्रमण हटाने के दौरान जमकर हंगामा हुआ। अतिक्रमण दस्ता जैसे ही स्टेशन चौक से तातारपुर पहुंचा और वहां सड़क पर अतिक्रमण करने वाले एक दुकानदार का जैसे ही चालान काटा वैसे ही एक युवक ने टीम को ललकार दिया। जिसके बाद सिटी मैनेजर एवं अतिक्रमण शाखा प्रभारी ने युवक को हिरासत में लेने की बात कही। ड्यूटी में तैनात सुरक्षा कर्मी हंगामा कर रहे युवक को पकड़कर गाड़ी में बैठाने लगे। इसी दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने पकड़ाए युवक को माफ कर देने की बात कही और युवक की अफसरों से सीधी टक्कर को निंदनीय बतलाया। सिटी मैनेजर और अतिक्रमण शाखा प्रभारी ने युवक को आगे गलती नहीं करने की चेतावनी देते हुए सुरक्षा कर्मी को छोड़ देने का निर्देश दिया। वहीं तातारपुर में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान अफसरों ने मशहूर बिस्किट वाली गली में घुसकर स्पष्ट संकेत दिया कि इस गली को भी हर हाल में अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। सिटी मैनेजर असगर अली ने कहा कि आज तातारपुर की बिस्किट वाली गली में जाकर दुकानदरों को स्वयं अतिक्रमण हटाने का अल्टीमेटम दिया गया है, आगे जुर्माना लगाने की कार्रवाई होगी।

दिल्ली में मोबाइल स्नैचर्स गैंग का भंडाफोड़, 103 मोबाइल बरामद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिले के अशोक विहार थाना पुलिस ने एक झपटमार व रिसीवर को गिरफ्तार किया है। आरोपित झपटमारी के फोन अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के जरिए नेपाल भी भेजता था। गैंग के दो मुख्य आरोपित किशन उर्फ किशोर उर्फ गोलू और मोहित उर्फ बादशाह के साथ दो अन्य आरोपितों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 103 चोरी/छीने गए मोबाइल फोन, एक देशी कट्टा, दो जिंदा कारतूस और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। उत्तर पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने शुक्रवार को बताया कि एक दिसंबर को फैक्ट्री में गार्ड का काम कर रहे गणेश दुबे का मोबाइल दो बदमाशों ने ब्लैक पल्सर बाइक पर आकर छीन लिया। शिकायत मिलते ही अशोक विहार थाने की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय जानकारी के आधार पर पुलिस ने पहले आरोपित किशन उर्फ गोलू को दबोचा। उसके कब्जे से देशी कट्टा, कारतूस और झपटा हुआ फोन बरामद हुआ। किशन के घर की तलाशी में 40 और मोबाइल फोन मिले। बाइक भी चोरी की निकली, जो कि केशवपुरम थाना क्षेत्र से गायब थी। इसके बाद किशन की निशानदेही पर पुलिस ने चार दिसंबर को उसके साथी मोहित उर्फ बादशाह को गिरफ्तार किया। मोहित के पास से भी एक चोरी का मोबाइल मिला। पूछताछ में पता चला कि दोनों फोन रोहित और अमित नामक रिसीवर को सप्लाई करते थे। उसी दिन पुलिस ने रोहित को भी दबोच लिया।

मुनस्यारी ब्लॉक में ग्रामोत्थान परियोजना द्वार एक दिवसीय बायर-सेलर मीट

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। मुनस्यारी ब्लॉक में ग्रामोत्थान परियोजना द्वार एक दिवसीय बायरऽसेलर मीट व योजनात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं व स्थानीय नागरिकों को विभिन्न विभागीय योजनाओं, व्यापारिक अवसरों एवं उद्यमिता से जोड़ना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं एवं ग्रामवासी विभागों की योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाएं, ताकि वे आत्मनिर्भर बनकर स्वरोज़गार एवं व्यवसाय के नए अवसरों से जुड़ सकें। उन्होंने समेकित कृषि प्रणाली की आवश्यकता पर विशेष बल देते हुए कहा कि पारंपरिक खेती को पशुपालन, मत्स्य पालन, उद्यान, मधुमक्खी पालन व प्रसंस्करण के साथ जोड़कर किसानों की आय में कई गुना वृद्धि संभव है। मुख्य विकास अधिकारी ने स्थानीय उत्पादों को ब्रांडिंग, मार्केटिंग और मार्केट लिंकिंग से जोड़ने का आग्रह किया, ताकि ग्रामीण उद्यमिता, सांस्कृतिक अनुभव एवं पारंपरिक उत्पादों का व्यापक प्रचारऽप्रसार हो सके। कार्यक्रम में देवभूमि चित्रकला, प्राइड ऑफ हिमालया, प्रियंका ऐपन आर्ट, मुख्यमंत्री उद्यमशाला, लोकल चित्रकारों एवं ग्रामोत्थान सहित अनेक स्थानीय उद्यमियों ने अपने उत्पादों के स्टॉल लगाए। यहां पारंपरिक हस्तशिल्प, ऐपन कला, स्थानीय जैविक अनाज, पर्वतीय चाय, हस्तनिर्मित वस्तुएं एवं पहाड़ी व्यंजनों का प्रदर्शन और बिक्री की गई। प्रदर्शनियों ने स्थानीय उद्यमिता की पहचान को मजबूत किया व संभावित खरीदारों और बाजार प्रतिनिधियों के साथ व्यापारिक संवाद का अवसर प्रदान किया। पशुपालन, मत्स्य, उद्यान, उद्योग, ग्रामोत्थान, मुख्यमंत्री उद्यमशाला और विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभागियों को विभिन्न योजनाओं, अनुदानों, प्रशिक्षण, ऋण सुविधा, रोजगार एवं उद्यम स्थापना प्रक्रियाओं की जानकारी प्रदान की। अधिकारियों ने युवाओं एवं महिलाओं को इन अवसरों का लाभ उठाकर छोटे उद्यमों को व्यापारिक स्वरूप देने के लिए प्रेरित किया।

हत्या की गुत्थी सुलझी, तीन नाबालिग समेत चार को पकड़ा

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के हजरत निजामुद्दीन इलाके में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन नाबालिग समेत चार लोगों को पकड़ा है। युवक का शव बरापुला फ्लाईओवर के नीचे मिला था। पुलिस ने मृतक की कार, खून लगे कपड़े और वारदात में इस्तेमाल चाकू बरामद कर लिया है। दक्षिण पूर्वी जिले के पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने शुक्रवार को बताया कि तीन दिसंबर की सुबह पीसीआर को कॉल मिली कि हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के पास बरापुला फ्लाईओवर के नीचे एक युवक का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। जांच में मृतक की पहचान कुलदीप उर्फ राम सिंह (27) के रूप में हुई। कुलदीप मूलतः जोरियाम गांव जिला अयोध्या (उप्र) के रहने वाले थे। उक्त ममले में हजरत निजामुद्दीन थाना पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जिले की स्पेशल स्टाफ, एसटीएफ, नार्कोटिक्स स्क्वाड और चौकी सराय काले खां की संयुक्त टीम को लगाया गया। टीम ने आस-पास के 500 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसी दौरान भोगल स्थित जैन मंदिर के पास बने एक शौचालय का सीसीटीवी फुटेज हाथ लगा।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय   कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान   स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 e-mail : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063